WWW.NAVPRADESH.COM

दैनिक नवप्रदेश
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर...
2 | राजधानी
4 | अभिव्यक्ति
8 | छत्तीसगढ़
11 | देश-विदेश

बिलासपुर, रविवार, 26 अक्टूबर 2025 शुक्ल पक्ष- पंचमी, विक्रम संवत -2082 / वर्ष-11 अंक- 188 पृष्ठ-12 मूल्य-4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

पंडवानी से प्रदेश को दुनिया भर में मिली पहचान: साय

दुर्ग/नवप्रदेश। अंतर्राष्ट्रीय कलाकार दिवस के अवसर पर दुर्ग जिले के ग्राम मेड़ेसरा में आयोजित पंडवानी महासम्मेलन के समापन समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। छत्तीसगढ़ शासन संस्कृति विभाग रायपुर के

सौजन्य से आयोजित इस कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं विधायक अहिवारा श्री डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, पिछड़ा एवं अन्य वर्ग विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विधायक श्री ललित चंद्राकर, शेष पृष्ठ 6 पर

राजधानी घूमने आएंगे सरेंडर नक्सली, मोबाइल देगी सरकार

शहर और समाज देखेंगे, स्किल डेवलपमेंट का भी करेंगे काम

जगदलपुर/नवप्रदेश। बस्तर में सरेंडर किए नक्सलियों को अब रायपुर घूमाने के लिए ले जाया जाएगा। शहर की बड़ी इमारतें,

चमचमाती सड़क से लेकर सदन तक दिखाया जाएगा। शहर में तेजी से हो रहे विकास और टेक्नोलॉजी को नक्सलियों को दिखाएंगे। वहीं सरकार सरेंडर नक्सलियों के स्किल डेवलपमेंट की भी कोशिश करेगी। पुनर्वास केंद्रों में रह रहे सरेंडर नक्सली शेष पृष्ठ 6 पर

आज बेबाक

बिहार में विधानसभा चुनाव कराने की जरूरत ही नहीं रह गई है। महागठबंधन ने अपनी सरकार बना ली है। राजद नेता तेजस्वी यादव को जब महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया गया और मुकेश सहनी को भावी उपमुख्यमंत्री के रूप में पेश किया गया तो खुशी से उछलते हुए मुकेश सहनी ने तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री कहकर संबोधित किया और हार पहनाया। अब जबकि बिना चुनाव लड़े ही बिहार के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री बन ही गये हैं तो लगे हाथ महागठबंधन को अपने मंत्रिमंडल का गठन कर शपथ भी ग्रहण कर लेना चाहिए।

बीजापुर में नक्सलियों ने मामा-भांजे को मार-डाला

बीजापुर/नवप्रदेश। जिले में माओवादियों ने 2 ग्रामीणों की धारदार हथियार से हत्या कर दी। नेलाकांकेर गांव में शुक्रवार (24 अक्टूबर) रात को नक्सलियों ने 2 युवकों को घर से बाहर बुलाया और मार डाला। दोनों रिश्ते में मामा-भांजे और पड़ोसी हैं। मामला उसूर थाना क्षेत्र का है। मृतकों की पहचान रवि कट्टम (25 वर्ष) और तिरुपति सोढ़ी (38 वर्ष) के रूप में हुई है। मृतक तिरुपति का भाई सीआरपीएफ में जवान है। पुलिस ने आशंका जताई है कि माओवादियों ने बदले की भावना से इस वारदात को अंजाम दिया है।

गृहमंत्री विजय शर्मा के दौरे के बाद वारदात : घटना की सूचना मिलते ही उसूर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। फिलहाल, पुलिस और सुरक्षाबल आसपास के क्षेत्र में तलाशी अभियान चला रहे हैं। यह घटना प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा के बीजापुर और उसूर क्षेत्र के हालिया दौरे के कुछ दिनों बाद हुई है। माना जा रहा है कि माओवादी सुरक्षाबलों और प्रशासनिक गतिविधियों से बौखलाए हुए हैं। इस घटना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

नहीं रहे सबको गुदगुदाने वाले सतीश शाह

नई दिल्ली (आईएएनएस)। कॉमेडी फिल्म में अपने रोल से सबको गुदगुदाने वाले एक्टर सतीश शाह का निधन हो गया है। निधन की खबर से फैंस के बीच

शोक की लहर दौड़ पड़ी है। भारतीय निर्माता अशोक पंडित ने एक्टर के निधन की पुष्टि की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक्टर के निधन की जानकारी देते हुए भावुक पोस्ट डाला है। भारतीय निर्माता अशोक पंडित ने सतीश रविलाल शाह की फोटो इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है और लिखा है, आपको यह बताते हुए दुख और आश्चर्य हो रहा है कि हमारे प्रिय मित्र और एक बेहतरीन अभिनेता सतीश शाह का कुछ घंटे पहले किडनी फेल होने के कारण निधन हो गया।

पद्मश्री विजेता आरके लालहुना का 87 वर्ष की आयु में निधन

लुंगलेई (आईएएनएस)। पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित आरके लालहुना का 87 वर्ष की आयु में निधन हो गया। भारत सरकार ने 1991 में मिजो साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया था। वे इस प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त करने वाले 7वें मिजो थे। 1938 में लुंगलेई में जन्मे लालहुना ने अपना जीवन शिक्षा और साहित्य को समर्पित किया।

पाक की फिर हुई इंटरनेशनल बेइज्जती

भारत ने यूएन में पाक को जमकर धोया 'पीओके में बंद करो जनता का दमन'

न्यूयॉर्क/ए.। भारत ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बढ़ती हिंसा और लोगों के दमन पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान द्वारा एक बार फिर कश्मीर मुद्दा उठाए जाने के बाद भारत ने अपने 'राइट टू रिप्लाई0 का उपयोग किया। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने सख्त शब्दों में कहा कि पाकिस्तान अपने अवैध कब्जे वाले इलाकों में हो रहे गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों को तुरंत रोके।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि हरीश परवथनेनी ने कहा, 'जम्मू-कश्मीर के लोग भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं और संवैधानिक ढांचे के अनुरूप अपने मौलिक अधिकारों का प्रयोग करते हैं। लेकिन ये अधिकार पाकिस्तान के लिए अब भी एक अजनबी अवधारणा हैं। उन्होंने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है- यह न पहले बदला था, न अब बदलेगा, और न ही कभी बदलेगा।

पीओके में बनी बगावत की स्थितिः हरीश परवथनेनी ने कहा कि पाकिस्तान शेष पृष्ठ 6 पर

पीयूष गोयल ने बर्लिन में एयरबस और जर्मन सीईओएस से की मुलाकात, बोले- भारत की ग्रोथ पर दुनिया को भरोसा

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को बर्लिन में जर्मन सीईओएस के साथ मुलाकात की और विभिन्न व्यापारिक नेताओं के साथ औद्योगिक सहयोग को गहरा करने तथा भारत-जर्मनी व्यापार संबंधों को मजबूत करने के प्रयासों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने एयरबस के चेयरमैन रेने ओबरमैन से भी मुलाकात की। उन्होंने बताया कि ओबरमैन ने भारत की ग्रोथ स्टोरी और तकनीकी क्षमताओं में मजबूत विश्वास व्यक्त किया है। पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर एयरबस के चेयरमैन रेने ओबरमैन के साथ अपनी बैठक को शानदार बताया। उन्होंने कहा कि ओबरमैन का भारत की ग्रोथ स्टोरी पर भरोसा सुनकर खुशी हुई। दोनों के बीच इस बात पर चर्चा हुई कि एयरबस भारत की इंजीनियरिंग और तकनीकी प्रतिभा, दूरदर्शी शेष पृष्ठ 6 पर

पीओके आर्मी की गोली से 12 मौतें

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में अक्टूबर की शुरुआत में नागरिक सुविधाओं और सरकारी उपेक्षा के खिलाफ शुरू हुआ आंदोलन कुछ ही दिनों में सैन्य ज्यादतियों के खिलाफ व्यापक प्रदर्शन में बदल गया। प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़पों में 12 लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों घायल हुए। करीब दस दिनों तक चले इस आंदोलन ने इस्लामाबाद की पकड़ को हिला दिया, जिसके बाद पाकिस्तान सरकार को प्रदर्शनकारियों से समझौता करना पड़ा। संयुक्त राष्ट्र में भारतीय प्रतिनिधि ने कहा कि पाकिस्तान की लोकतंत्र व्यवस्था सेना के प्रभाव में बंधक बनी हुई है। उन्होंने कहा कि देश ने 33 साल तक सैन्य शासन झेला है, और आज तक कोई भी पाकिस्तानी प्रधानमंत्री अपना पूरा पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाया है।

छठ महापर्व देता है सामाजिक सद्भाव की प्रेरणा: मोदी

नयी दिल्ली (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज से शुरु हुए चार दिवसीय छठ महापर्व पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं और कहा है कि सादगी और संयम का प्रतीक यह पर्व सामाजिक सद्भाव की प्रेरणा देता है।

श्री मोदी ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, नहाय-खाय के पावन अनुष्ठान के साथ आज से चार दिवसीय महापर्व छठ का शुभारंभ हो रहा है। बिहार सहित देशभर के श्रद्धालुओं को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। सभी व्रतियों को मेरा नमन और वंदन। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी संस्कृति का यह विराट उत्सव सादगी और संयम का प्रतीक है, जिसकी पवित्रता और नियम-निष्ठा अतुलनीय है। इस पावन अवसर पर छठ के घाटों पर जो दृश्य दिखाई देता है उसमें पारिवारिक बंधन और सामाजिक सद्भाव की अद्भुत प्रेरणा होती है। छठ की प्राचीन परंपरा का हमारे समाज पर बहुत गहरा प्रभाव रहा है।

विश्व के कोने कोने में छठ को संस्कृति के महाउत्सव के रूप में मनाये जाने का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा कि पूरी दुनिया में रहने वाले भारतवंशी परिवार इसकी परंपराओं में पूरी आत्मीयता से सम्मिलित होते हैं। उन्होंने कहा, 'मेरी कामना है कि छठी मइया सबको अपना भरपूर आशीर्वाद दें।

श्री मोदी ने कहा कि छठ महापर्व आस्था, उपासना और प्रकृति प्रेम का एक अनूठा संगम है। इसमें जहां अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्यदेव को अर्घ्य दिया जाता है, वहीं प्रसाद में भी प्रकृति के विविध रंग समाहित होते हैं। छठ पूजा के गीत और धुनों में भी भक्ति और प्रकृति का अद्भुत भाव भरा होता है।

उन्होंने कहा, मेरा सौभाग्य है कि कल ही मुझे बेगूसराय जाने का अवसर मिला था। बिहार कोकिला शारदा सिन्हा जी का बेगूसराय से आत्मीय रिश्ता रहा है। शारदा सिन्हा जी और बिहार के कई लोक कलाकारों ने अपने गीतों से छठ के उत्सव को एक अलग भाव से जोड़ा है।

सिडनी में 'रो-को' का जलवा

अटूट साझेदारी के साथ भारत को दिलाई 9 विकेट से जीत

सिडनी (आईएएनएस)। रोहित शर्मा और विराट कोहली की शानदार बल्लेबाजी के दम पर भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए तीसरे वनडे मुकाबले को 9 विकेट से अपने नाम किया। इसी के साथ तीन मुकाबलों की सीरीज 2-1 पर समाप्त हुई। एडिलेड ओवल में 73 रन की पारी खेलने वाले रोहित शर्मा ने अगले मुकाबले में 121 रन की नाबाद पारी खेलकर फॉर्म में शानदार वापसी की है। दूसरी ओर, सीरीज के शुरुआती दो मुकाबलों में 'शून्य0 पर आउट होने वाले विराट कोहली ने इस मैदान पर 74 रन की नाबाद पारी खेली। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम 46.4 ओवरों में महज 236 रन पर सिमट गई। इस टीम के लिए कप्तान मिचेल मार्श (41) और ट्रेविस हेड (29) ने पहले विकेट के लिए 61 रन जोड़े, जबकि मैथ्यू शॉर्ट 30 रन बनाकर आउट हुए। ऑस्ट्रेलियाई टीम 124 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा चुकी थी। यहां से मैट रेनेशॉ ने एलेक्स कैरी के साथ चौथे विकेट के लिए 67 गेंदों में 59 रन की पारी खेली। रेनेशॉ 58 गेंदों में 56 रन शेष पृष्ठ 6 पर

गडकरी के पास मंच पर भिड़ीं दो महिला अफसर

नागपुर (वार्ता)। नागपुर में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की मौजूदगी में दो महिला पोस्टमास्टर जनरल आपस में भिड़ गईं। रोजगार मेले के मंच पर हुई धक्का-मुक्की और चिकोटी काटने की घटना कैमरे में कैद होकर वायरल हो गई। आइए जानते हैं कि मंच पर महिलाओं के बीच ये भिड़ंत क्यों हुआ? महाराष्ट्र के नागपुर में एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान अजीबोगरीब घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसने चर्चाओं के बाजार को पूरी तरह गर्म कर दिया। साथ ही इस वीडियो को देखने के बाद लोगों के मन में सवाल और हैरानी दोनों है। ये घटनाक्रम तभी का है जब केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की मौजूदगी में दो महिला अफसरों के बीच झगड़ा हो गया, वो भी मंच पर, सबके सामने। बता दें कि यह वाकया रोजगार मेले के दौरान हुआ, जब पोस्टमास्टर जनरल शोभा मधले (नारंगी साड़ी) और सुचिता जोशी शेष पृष्ठ 6 पर

डबल इंजन सरकार की 12000 ट्रेनों की व्यवस्था की खुली पोल : राहुल

नयी दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि रेल मंत्री ने त्योहारी सीजन में 12000 विशेष ट्रेनें चलाने की बात कही थी लेकिन ठसाठस भरी और अमानवीय सफर ने डबल इंजन सरकार की पोल खोल कर रख दी है। गांधी ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बिहार के लोगों के लिए त्योहारी सीजन में घर लौटना घर, परिवार और गांव से अपनेपन की लालसा का प्रतीक है लेकिन उनके लिए अपने घर जाना एक बड़ा संघर्ष बन गया है। बिहार जाने वाली हर रेलगाड़ी में क्षमता से दो गुना लोग ठूंस-ठूंस कर भेजे जा रहे हैं। घर जाने की है यह यात्रा एक तरह से अमानवीय यात्रा हो गई है और 12 000 स्पेशल ट्रेन चलाने की डबल इंजन सरकार के दावे खोखले साबित हो गए हैं।कांग्रेस नेता ने कहा, त्योहारों का महीना है-दिवाली, भाईदूज, छठ। बिहार में इन त्योहारों का मतलब सिफ़र् आस्था नहीं, घर

लौटने की लालसा है-मिट्टी की खुशबू, परिवार का स्नेह, गांव का अपनापन लेकिन यह लालसा अब एक संघर्ष बन चुकी है। बिहार जाने वाली ट्रेनें ठसाठस भरी हैं, टिकट मिलना असंभव है और सफ़र अमानवीय हो गया है। कई ट्रेनों में क्षमता से 200 फीसदी तक यात्री सवार हैं- लोग दरवाज़ों और छतों तक लटके हैं।फेल डबल इंजन सरकार के दावे खोखले हैं।'कांग्रेस नेता ने सरकार से पूछा कि कहां हैं 12,000 स्पेशल ट्रेनें। क्यों हालात हर साल और बदतर ही होते जाते हैं। क्यों बिहार के लोग हर साल ऐसे अपमानजनक हालात में घर लौटने को मजबूर हैं। अगर राज्य में रोजग़ार और सम्मानजनक जीवन मिलता, तो उन्हें हज़ारों किलोमीटर दूर भटकना नहीं पड़ता।

आयरलैंड में राष्ट्रपति चुनाव: 68 साल की कॉनॉली बड़ी जीत की ओर

डबलिन (आयरलैंड) (आईएएनएस)। आयरलैंड की राजनीति में लेफ्ट विंग की जानी-मानी नेता कैथरीन कॉनॉली देश की अगली राष्ट्रपति बनने वाली हैं। टाइम्स के अनुसार सुबह 8 बजे वोटों की गिनती शुरू होने के बाद शुरुआती नतीजों में 68 साल की पूर्व बैरिस्टर, कॉनॉली को बड़ी बढ़त मिली है। वो इंडिपेंडेंट सांसद रही हैं और आयरलैंड में लंबे समय से यूरोपियन यूनियन की आलोचक रही हैं, जबकि आयरलैंड ईयू का जबरदस्त समर्थक देश है। शुरुआत में वह ज्यादा मशहूर नहीं थीं। उन्हें हमास पर अपने विचारों के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा है, जिसके बारे में उन्होंने सितंबर में कहा था कि यह फिलिस्तीनी लोगों का एक हिस्सा है। बाद में उन्होंने कहा कि वह हमास के कामों की पूरी तरह से निंदा करती हैं, साथ ही उन्होंने इजरायल की भी आलोचना की और कहा कि वह गाजा में नरसंहार कर रहा है।

गरमा - गरम

गंगरेल मड़ई | 52 गांव के देव विग्रह हुए शामिल

800 महिलाओं ने मां अंगारमोती से मांगी संतान की मन्नत

धमतरी/नवप्रदेश। गंगरेल बांध के किनारे स्थित मां अंगारमोती मंदिर में दीपावली के बाद पहले शुक्रवार को हर साल की तरह इस साल भी जिले का पहला मड़ई मेला का आयोजन किया गया, जिसमें लाखों श्रद्धालु पहुंचे। यहां 11 सौ से अधिक निसंतान महिलाओं ने मां अंगारमोती परिसर में पेट के बल जमीन पर लेटकर हाथों में फूल, नींबू, अगरबत्ती, नारियल लेकर माता से संतान की मन्नत मांगी। जमीन पर लेटी हुई महिलाओं के ऊपर से मंदिर के पुजारी और बैगा गुजरते हुए महिलाओं को आशीर्वाद दिया।

कहा जाता है कि जमीन पर लेटी हुई महिलाओं के ऊपर बैगाओं के गुजरने से माता का आशीर्वाद प्राप्त होता है और मां अंगारमोती से मांगी गई मन्नत जल्द पूरी होती है। बताया जा रहा कि इस बार गंगरेल मड़ई में 52 गांव के देव विग्रह शामिल हुए।

49 सालों से चली आ रही है परंपरा : जानकारी के मुताबिक, मां अंगारमोती (गंगरेल) मड़ई का आयोजन 1976 से लेकर अब तक चला आ रहा है. गंगरेल मड़ई कि यह परंपरा पिछले 49 सालों से चली आ रही है. पहले यह मड़ई चंवर गांव में आयोजित होती थी, लेकिन गंगरेल बांध बनने के बाद चंवर गांव डूब गया. इसके बाद से ही हर साल दीपावली के बाद के पहले शुक्रवार को मां अंगारमोती परिसर में मड़ई मेले का आयोजन किया जाता है।

इस मड़ई में धमतरी जिले के अलावा अन्य जिलों से भी लोग बड़ी संख्या में आते हैं। निसंतान महिलाएं जमीन पर लेटकर संतान की मन्नत भी मांगते हैं। मां अंगारमोती अपने भक्तों को आशीर्वाद देते हुए उनकी मनोकामना भी पूरी करती है।

अलग-अलग घटनाओं में बलौदा बाजार-भाटापारा जिले में 4 की मौत

ग्राम चरौटी में युवती की अर्धनग्न अवस्था में जली हुई लाश मिली

बलौदा बाजार/नवप्रदेश। एक ही दिन में तीन अलग-अलग घटनाओं ने बलौदा बाजार-भाटापारा जिले में मौत से नागरिकों दहशत का माहौल है। तीनों घटनाओं की जांच पुलिस कर रही है। अब देखना होगा कि कब तक इन मामलों में दोषी पकड़े जाते हैं।

युवती की अद्र्धनग्न जली हुई लाश

बलौदा बाजार कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम चरौटी में युवती की अर्धनग्न अवस्था में जली हुई लाश मिली है, जिसमें उसके चेहरे-गर्दन पर चोट के निशान हैं. वहीं उसके हाथ बंधे हुए थे, जो कहीं न कहीं युवती के साथ दुष्कर्म फिर हत्या और साक्ष्य छुपाने जलाये जाने की घटना है। बताया जा रहा है कि मृतका 26 वर्षीय तेजस्विनी पटेल अपने पिता के साथ रहती थी मजदूरी कर जीवन यापन करती है। रात्रि में पिता-पुत्री खाना खाकर सो गए पर आज सुबह घर से काफी दूर उसकी जली हुई लाश देखकर सभी अवाक रह गये है। बताया जा रहा है कि पुलिस के हाथ कुछ अहम सूत्र लगे हैं, जिससे घटना का जल्द खुलासा होने की उम्मीद है।

'मैं बिहार का बेटा और सेवक, नायक बनने की इच्छा नहीं'

❑ बिहार का बेटा हूं, नायक बनने की कोई इच्छा नहीं

पटना/आईएनएन। पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि उन्हें 'नायक' बनने की कोई इच्छा नहीं है, बल्कि वे बिहार के बेटे और सेवक के रूप में खुश हैं। साथ ही, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के बयानों पर भी जवाब दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की समस्तीपुर रैली में 'लालटेन' के जिक्र पर पप्पू यादव ने तंज कसते हुए कहा कि क्या पीएम को पता है कि 1985 में भारत में कंप्यूटर कौन लाया था? राजीव गांधी के नेतृत्व में कंप्यूटर और सॉफ्टवेयर अमेरिका से लाए गए। राजीव गांधी ने देश में बिजली परियोजनाएं भी शुरू की थीं।

तेजस्वी पर पप्पू यादव ने कस दिया तंज!

पप्पू यादव ने कहा कि मैं बिहार का बेटा हूं, सेवक हूं और बेटा व सेवक ही रहूंगा। मुझे नायक बनने की कोई इच्छा नहीं है। पप्पू यादव का यह बयान शनिवार को पटना में राजद कार्यालय के बाहर लगे एक पोस्टर के जवाब में आया है, जिसमें तेजस्वी यादव की तस्वीर के साथ 'बिहार का नायक' लिखा था।।

रील के लिए पैसा अमेरिका से आता है : पप्पू यादव

उन्होंने कहा कि आज हमारे बच्चे पूरी दुनिया के लिए रील बना रहे हैं, लेकिन इसमें भाजपा और सरकार की कोई भूमिका नहीं है। रील के लिए पैसा अमेरिका से आ रहा है, भारत की इसमें कोई भागीदारी नहीं है। एनडीए और भाजपा सिर्फ़ झूठ और खोखली बयानबाजी फैलाते हैं।

चिराग पासवान को कुछ पता नहीं : यादव

पप्पू यादव ने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के उस सोशल मीडिया पोस्ट पर भी पलटवार किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि 2005 में उनके पिता स्व. रामविलास पासवान ने मुस्लिम मुख्यमंत्री बनाने के लिए अपनी पार्टी तक कुर्बान कर दी थी, लेकिन राजद ने तब और अब भी मुस्लिम मुख्यमंत्री या उपमुख्यमंत्री देने से इनकार किया। चिराग ने यह भी कहा था कि बंधुआ वोट बैंक बनकर सम्मान और भागीदारी नहीं मिलेगी। इस पर पप्पू यादव ने जवाब दिया कि लगता है चिराग पासवान को कुछ पता नहीं है। इस देश में विभिन्न राज्यों में सबसे पहले दलित मुख्यमंत्री कांग्रेस ने नियुक्त किए थे। हमारे नेता राहुल गांधी दलितों और अल्पसंख्यकों दोनों को उपमुख्यमंत्री नियुक्त करेंगे, ताकि समावेशी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो।

महुआ में तेज प्रताप की साख दांव पर

❑ सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का अधूरा भव्य वादा

पटना। बिहार के सबसे प्रभावशाली राजनीतिक परिवार के युवराज रहे लालू प्रसाद के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव इस विधानसभा चुनाव में अकेले चुनावी लड़ाई लड़ रहे हैं। उनके लिए अपने निर्वाचन क्षेत्र में शुरू की गई बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं का सपना बेचना इस बार निर्णायक साबित हो सकता है।

महुआ कस्बे के मुख्य बाज़ार से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर एक भव्य, ईंट-रंग का परिसर खड़ा है, जिस पर हिंदी और अंग्रेजी में ÷सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल÷ लिखा है। सार्वजनिक रिपोर्टों के

अनुसार, 462 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 20 एकड़ में फैला यह अस्पताल, शैक्षणिक ब्लॉक और आवासीय सुविधाओं से युक्त है—ठीक वैसी ही सुविधा जिसका सपना भारत के लोग बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए देखते हैं लेकिन विडंबना यह है कि पिछले चार सालों से निर्माणाधीन यह महत्वाकांक्षी सुविधा अभी तक चालू नहीं हुई है और इसके दरवाज़े बंद हैं।

तेज प्रताप ने अपनी अलग पार्टी जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) का गठन किया है और इस बार वह अपने चुनाव चिन्ह ब्लैकबोर्ड के साथ पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं।

तेज प्रताप की उपलब्धि और साख

तेज प्रताप यादव ने 2015 में महुआ विधानसभा सीट से 43प्रतिशी वोट पाकर जीत हासिल की थी और 2015 से 2017 तक वह बिहार के स्वास्थ्य मंत्री थे। अपने निर्वाचन क्षेत्र में इस मेडिकल कॉलेज का निर्माण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक था। स्थानीय लोगों ने परियोजना को आगे बढ़ाने और काम पूरा करने का श्रेय उन्हीं को दिया। एक दुकानदार ने कहा- वो जो बोलते हैं वो करते हैं।

भाजपा को अति-पिछड़ा वर्ग से इतनी नफरत क्यों

पटना, (आईएएनएस)। बिहार विधानसभा

चुनाव के बीच राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समस्तीपुर रैली में 'लालटेन' वाले बयान पर पलटवार किया है। तेजस्वी ने कहा कि पीएम मोदी लालटेन पर अटकाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन महागठबंधन रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे जनता के मूल मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेगा। महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि बिहार की जनता बदलाव के मूड में है। लोग इस सरकार से तंग आ चुके हैं, जहां अधिकारी भ्रष्ट हैं, रिश्वतखोरी व्याप्त है और अक्षमता चरम पर है। पूरा माहौल महागठबंधन के पक्ष में है। उन्होंने विश्वास जताया कि जनता इस स्थिति में बदलाव लाएगी और महागठबंधन की सरकार बनाएगी।उन्होंने दावा किया कि बिहार की जनता अब जागरूक है और पुरानी व्यवस्था को उखाड़ फेंकने का मन बना चुकी है। तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी के भाषण को नकारात्मक करार देते हुए कहा कि उनके हर शब्द में नकारात्मकता थी। उन्होंने बिहार को बदनाम करने वाली बातें कीं, कोई सकारात्मक या फ्लदायी बात नहीं कही। 11 साल से प्रधानमंत्री मोदी हैं, बिहार को क्या दिया? गुजरात में बुलेट ट्रेन, इंटरनेशनल स्टेडियम और फैक्ट्रियां दी गईं, लेकिन बिहार में कितनी बार इन्वेस्टर मीट हुई? बिहार को सिर्फ ठगने का काम किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि गुजरात को हर सुविधा दी जाती है, जबकि बिहार को एक प्रतिशत भी नहीं मिला। बिहार की जनता बेवकूफ नहीं है। वह हर चीज का हिसाब मांग रही है, लेकिन पीएम मोदी के पास कोई जवाब नहीं है। तेजस्वी ने भाजपा पर अति-पिछड़ा वर्ग के प्रति नाराजगी का आरोप लगाया।

बिहार का विकास केवल नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में संभव

'लालू-राबड़ी की वापसी मतलब फिर से जंगलराज,विकास ही एनडीए का लक्ष्य'

अमित शाह ने खगड़िया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, 'मैं छठी मइया से प्रार्थना करता हूं कि बिहार हमेशा जंगलराज से मुक्त रहे।' उन्होंने कहा कि एनडीए पांच पांडवों का गठबंधन है और इसके शासनकाल में गंभीर अपराधों में उल्लेखनीय कमी आई है। अमित शाह ने दावा किया कि ह्रष्ठ के शासन में हत्या के मामलों में 20 प्रतिशत की गिरावट आई है और डकैती की घटनाओं में 80 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

❑ 'यह चुनाव बिहार में विकास की दिशा तय करने वाला'

खगड़िया/ए.। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खगड़िया में एनडीए प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा को छठ पर्व के अवसर पर संबोधित करते हुए बिहार के विकास और सुरक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बिहार कभी जंगलराज का शिकार नहीं होगा और बहू-बेटियां सुरक्षित रहेंगी। अमित शाह ने कहा, ÷मैं छठ मैया से यही प्रार्थना करता हूं। मुझे लगा था कि छठ पर्व के बीच कौन आएगा, लेकिन पूरा पंडाल भर गया है।

चुनावी माहौल गरमा गया

केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि बिहार का विकास केवल नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में संभव है। उन्होंने ग्रामीण विकास, सुरक्षा व्यवस्था और रोजगार सृजन को आगे बढ़ाने के लिए एनडीए को बहुमत दिलाने की अपील की। खगड़िया की इस जनसभा में अमित शाह की धमाकेदार उपस्थिति और तगड़े आरोपों ने चुनावी माहौल गरमा दिया है। बिहार के लोगों के लिए यह चुनाव विकास का समय है, न कि फिर से जंगलराज के अंधकार में लौटने का।

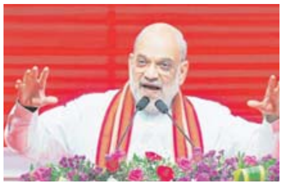

घोटालों के रिकॉर्ड वाले लोग महागठबंधन में

शाह ने महागठबंधन सरकार पर कड़ी निंदा करते हुए कहा कि लालू यादव ने "लैंड फॉर जॉब" और "अलकतरा" जैसे बड़े घोटाले किए हैं। उन्होंने कांग्रेस के दस साल के शासनकाल को भी घोटालों से भरा बताया। शाह ने आरोप लगाया कि बिहार और केंद्र में घोटालों के रिकॉर्ड वाले लोग महागठबंधन में हैं, जो बिहार के विकास का बीड़ा कभी उठा नहीं सकते।

लालू सिर्फअपने परिवार का विकास चाहते हैं : अमित शाह

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार के समग्र विकास के लिए काम कर रहे हैं, लेकिन लालू प्रसाद सिर्फ अपने परिवार का विकास चाहते हैं। लालू प्रसाद पर घोटालों में शामिल रहने का आरोप लगाते अमित हुए शाह ने कहा कि केंद्र में यूपीए सरकार के दौरान 12 लाख करोड़ रुपए के घोटाले हुए।

अमित शाह ने स्पष्ट किया कि यह चुनाव विधायक या मुख्यमंत्री चुनने का नहीं, बल्कि बिहार में विकास की दिशा तय करने वाला है। उन्होंने कहा, लालू-राबड़ी की सरकार आई तो जंगलराज वापस आएगा, वहीं एनडीए की सरकार आई तो विकसित बिहार पूरे भारत में अपना डंका बजाएगा।

राहुल की घुसपैठिया बचाओ यात्रा किसी काम की नहीं : अमित शाह

उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा, 'बड़े मियां तो बड़े मियां, छोटे मियां सुभान अल्लाह।' अमित शाह ने कहा कि एनडीए सरकार ने बिहार में कई विकास कार्य किए हैं, जबकि लालू प्रसाद ने राज्य में कोई विकास नहीं किया। अमित शाह ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। उन्होंने कहा कि घुसपैठियों को देश से बाहर निकाला जाना चाहिए और उनका नाम मतदाता सूची से हटाया जाना चाहिए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष पर हमला करते हुए शाह ने कहा कि राहुल बाबा घुसपैठियों को बचाने के लिए घुसपैठिए बचाओ यात्रा निकालकर उनकी रक्षा नहीं कर सकते।

एनडीए ने बदली रणनीति

❑ **JDU की 4 हारी सीटें BJP, LJP-R को दीं; महागठबंधन को नए अंदाज में चुनौती**

पटना। बेगूसराय की धरती से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शंखनाद के बाद राजनीतिक गलियारों में कई प्रश्न उठने लगे है। क्या बेगूसराय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जादू चलेगा? क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हनुमान का हेलीकॉप्टर बेगूसराय जिला में उड़ेगा? क्या गत चुनाव में तीन-तीन सीटें पर हारी जदयू इस बार अपना बदला साथी दलों को जीता कर लेगी? क्या हारी हुई सीटों पर बीजेपी का कमल खिलेगा?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेगूसराय में एक विशाल चुनावी जनसभा को संबोधित करते कहा कि एनडीए के लिए उनका विश्वास और प्यार हमेशा बना रहे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में बिहार का विकास नए दौर में जा रहा है। प्रधानमंत्री ने युवाओं से बिहार को समृद्धि के मार्ग पर ले जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आपके माता-पिता ने जंगल राज से मुक्त कर सुशासन चुना था। अब 2025 में यह अक्टूबर और नवंबर आपके लिए नए अवसर और बड़ी जिम्मेदारी लेकर आए हैं। आपको अपनी एक वोट की ताकत समझनी है, क्योंकि इसी से बिहार की समृद्धि तय होगी। उन्होंने जनता से अपील की कि विकास के रास्ते को प्रशस्त करने में योगदान दें और महागठबंधन के दलों के विरोध में निर्णय लें।

बेगूसराय में एनडीए कहां?

वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव के सापेक्ष देखें तो बेगूसराय जिला में में एनडीए की स्थिति ठीक नहीं है। इस जिला के कुल 7 विधानसभा सीटों में स्थिति यह थी कि जदयू ने ही चेरिया बरियारपुर, तेघड़ा, मटिहानी और साहेबपुर कमाल की सीटें ही गवा दी। बीजेपी को भी बखरी विधानसभा में में पराजय मिली। तब राजद चेरिया बरियारपुर, साहेबपुर कमाल, से जीत दर्ज की तो सीपीआई ने तेघरा और बखरी विधानसभा पर कब्जा जमाया। जीत की रणनीति बनाते एनडीए ने तेघरा बीजेपी को तो लोजपा-आर को साहेबपुर कमाल और बखरी सौंप कर लड़ाई को नए अंदाज में लड़ने का मन बनाया है। अब इस नए समीकरण को कितनी सफ्लता मिलती है यह तो वक्त बताएगा।

बिहार में लालटेन का दौर गया, अब एलईडी का जमाना : रवि किशन

पटना(आईएएनएस)। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच भाजपा के स्टार प्रचारक और सांसद रवि किशन ने राष्ट्रीय जनता दल पर जोरदार पलटवार करते हुए कहा कि बिहार से लालटेन का दौर जा चुका है अब बिहार में एलईडी का जमाना है। पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने राजद के शासनकाल को 'भ्रष्टाचार का दौर' करार देते हुए कहा कि अब बिहार नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है।भाजपा सांसद ने दावा किया कि 14 नवंबर को मतगणना के बाद बिहार नया मुकाम हासिल करेगा। लालटेन का दौर गया, अब एलईडी का

जमाना है। उन्होंने कहा कि 20 साल पहले बिहार में भ्रष्टाचार का बोलबाला था। लाखों-करोड़ों के घोटाले होते थे। क्या आपने कभी सुना कि मोदी सरकार में कोई घोटाला हुआ। बिहार ने उस घोटालों के दौर को देखा है। आज बिहार जगमग हो रहा है। यह नया भारत है, जो 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है।

रवि किशन ने राजद के 'लालटेन' पर तंज कसते हुए कहा कि अब लालटेन का दौर गया। यह एलईडी लाइट का जमाना है। बिहार में विकास कार्यों का जिक्र करते हुए भाजपा सांसद ने कहा कि पटना का एयरपोर्ट लंदन की तरह दिखने लगा है। भव्य माता जानकी मंदिर बन रहा है। मखाने का प्लांट लगेगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की तारीफ करते हुए कहा कि इस योजना के तहत महिलाओं को 10,000 रुपए मिल रहे हैं, जिससे वे आत्मनिर्भर बनेंगी और अपना रोजगार शुरू करेंगी।

जनता बिहार से डबल इंजन की सरकार को बदलेगी : फखरुल हसन

लखनऊ,(आईएएनएस)। समाजवादी पार्टी (सपा) नेता फखरुल हसन चांद ने बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर दावा किया है कि बिहार की जनता 20 साल से चली आ रही डबल इंजन सरकार को बदलने का काम करेगी और ऐसी सरकार का चुनाव करेगी जो उनके रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य पर बात करे। आईएएनएस से बातचीत में उन्होंने समस्तीपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बक्सर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की चुनावी सभाओं को लेकर तंज कसा। उन्होंने कहा कि वे बिहार के लोगों को यह नहीं बताते हैं कि पूर्व में किए वादों का क्या हुआ। बस हर बार नए दावे कर दिए जाते हैं, बिहार की जनता सबकुछ समझ चुकी है और अब बदलाव करने का मन बना लिया है।

सपा नेता ने कहा कि एनडीए के बड़े-बड़े नेता चुनावी अभियान में नए-नए वादे कर रहे हैं। लेकिन, बिहार के नौजवान सवाल उठा रहे हैं कि पुराने वादे कब पूरे होंगे। उन्होंने कहा कि 2014 में युवाओं से रोजगार और किसानों की आय दोगुनी करने के वादे किए गए थे, लेकिन उन वादों का क्या हुआ? क्या सरकार उन्हें भूल गई? बिहार में अपराध बढ़ा है, यकीनन बिहार में एनडीए सरकार में जंगलराज चल रहा है, भ्रष्टाचार बढ़ रहा है।

तेजस्वी के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत

पटना(आईएएनएस)। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव पर गंभीर आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई है। पार्टी ने आरोप लगाया कि तेजस्वी यादव ने अपने आधिकारिक फेसबुक अकाउंट से एक एआई जनरेटेड भ्रामक वीडियो शेयर किया, जिसमें बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को गलत तरीके से दर्शाया गया है। भाजपा की शिकायत में कहा गया कि यह वीडियो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिए तैयार किया गया और इसमें भ्रामक व असत्य बयान शामिल हैं, जिनका उद्देश्य

मतदाताओं की धारणा को प्रभावित करना और चुनावी माहौल को दूषित करना है।

भाजपा ने अपनी शिकायत में कहा कि तेजस्वी यादव की ओर से शेयर वीडियो चुनाव आयोग की हालिया एडवाइजरी का सीधा उल्लंघन है। भाजपा ने यह भी कहा कि वीडियो मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट के कई प्रावधानों का उल्लंघन करता है। पार्टी ने आरोप लगाए कि एआई निर्मित और डीपफेक वीडियो का सहारा लेकर तेजस्वी यादव ने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों का झूठा चित्रण और चरित्र हनन किया है, जो आदर्श आचार संहिता का सीधा और गंभीर उल्लंघन है। इसके अलावा, शिकायत में कहा गया है कि तेजस्वी यादव का आचरण जनप्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 के तहत गंभीर वैधानिक उल्लंघनों को भी दर्शाता है। यह कृत्य धारा 123(4) के अंतर्गत 'भ्रष्ट आचरण' की श्रेणी में आता है, क्योंकि इसमें चुनाव के परिणाम को प्रभावित करने के इरादे से किसी भी उम्मीदवार के व्यक्तिगत चरित्र या आचरण से संबंधित या किसी भी उम्मीदवार की उम्मीदवारी या नाम वापसी के संबंध में किसी भी झूठे तथ्य का प्रकाशन शामिल है।

तेजस्वी यादव पर चिराग पासवान और एआईएमआईएम का डबल अटैक

पटना/ए.। बिहार में महागठबंधन ने तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री और मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री का चेहरा घोषित किया है। हालांकि इसके साथ ही एक नई बहस भी छिड़ गई है कि राज्य में किसी मुस्लिम चेहरे को आगे क्यों नहीं किया गया? इसी बीच, केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने महागठबंधन पर सवाल उठाए हैं।

यह बहस उस समय शुरू हुई, जब मुकेश सहनी को महागठबंधन की तरफ से उपमुख्यमंत्री का चेहरा बनाया गया। मुकेश सहनी 'मल्लाह' वर्ग से आते हैं, जिनकी पूरे बिहार में कुल आबादी लगभग 2.6 प्रतिशत मानी जाती है। वहीं, बिहार में इससे कहीं ज्यादा यानी करीब 17-18 फीसदी मुस्लिम आबादी बताई जाती है।

चिराग पासवान ने महागठबंधन पर सवाल उठाए

चिराग पासवान ने महागठबंधन पर सवाल उठाए हैं। चिराग पासवान का कहना है कि महागठबंधन न मुस्लिम मुख्यमंत्री देने को तैयार है और न उपमुख्यमंत्री। उन्होंने मुस्लिम मतदाताओं के लिए भी बड़ा संदेश देते हुए कहा कि अगर आप बंधुआ वोट बैंक बनकर रहेंगे, तो सम्मान और भागीदारी कैसे मिलेगी? केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 2005 में मेरे नेता और पिता स्वर्गीय रामविलास पासवान ने 'मुस्लिम मुख्यमंत्री' बनाने के लिए अपनी पार्टी तक कुर्बान कर दी थी। तब भी आपने उनका साथ नहीं दिया। राजद 2005 में भी मुस्लिम मुख्यमंत्री के लिए तैयार नहीं था, आज 2025 में भी न मुस्लिम मुख्यमंत्री देने को तैयार है, न उपमुख्यमंत्री। अगर आप बंधुआ वोट बैंक बनकर रहेंगे, तो सम्मान और भागीदारी कैसे मिलेगी?

एआईएमआईएम ने उठाए तेजस्वी पर सवाल

इस पर एआईएमआईएम के नेता और उत्तर प्रदेश में पार्टी अध्यक्ष शौकत अली ने भी सवाल उठाए। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, बिहार इलेक्शन तक के लिए अब्दुल को तेजस्वी ने बड़ा सम्मान दिया। उड़न खटोला में बैठाया, पर डिप्टी मुख्यमंत्री तो नहीं देंगे।' शौकत अली ने इससे पहले भी मुस्लिम चेहरे को सामने नहीं करने पर सवाल उठाए। उन्होंने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 2 प्रतिशत वाला उपमुख्यमंत्री, 13 प्रतिशत वाला मुख्यमंत्री और 18 प्रतिशत वाला दरी बिछावन मंत्री। उन्होंने आगे कहा कि अगर हम लोग कुछ बोलेंगे तो हमें भाजपा का भय दिखाया जाएगा।

'लठबंधन, ठगबंधन और हठबंधन से मिलकर बना है महागठबंधन

पटना(आईएएनएस)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विपक्षी महागठबंधन पर निशाना साधते हुए महागठबंधन को 'लठबंधन, ठगबंधन और हठबंधन' बताया है। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन सत्ता के अहंकार में डूबा हुआ है और जनता को अब भी गुलाम समझता है। मौर्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट करते हुए लिखा, ÷जाहिर है कि लठबंधन, ठगबंधन और हठबंधन से मिलकर बना है महागठबंधन, जो अपनी राजशाही के अहंकार में जनता को गुलाम समझता है। उन्होंने आधिकारिक 'एक्स' पोस्ट के जरिए कहा कि महागठबंधन का एनडीए से कोई मुकाबला नहीं है, क्योंकि बिहार में विकास का चेहरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं, जो 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मंत्र पर आगे बढ़ रहे हैं। मौर्य ने दावा किया कि इस साल नवंबर महीने में शुरू हो रहे विधानसभा चुनाव में फिर से 2010 जैसा इतिहास दोहराया जाएगा और एनडीए भारी बहुमत के साथ सरकार बनाएगा।

यूनिटी अस्पताल में थॉयराइड कैंसर से पीड़ित महिला की सफल सर्जरी

सर्जरी के बाद महिला के गले से दो किलो का निकला ट्यूमर, 15 सालों से महिला थी परेशान

बिलासपुर/नवप्रदेश। पिछले 15 सालों से थॉयराइड कैंसर से जूझ रही सक्ती जिले की महिला को आखिरकार यूनिटी हॉस्पिटल में सफल सर्जरी के बाद राहत मिली। सर्जरी के बाद मरीज सहित उनके परिवारजनों ने अस्पताल प्रबंधन का आभार जताया है।

यूनिटी हॉस्पिटल के संचालक व दंत रोग विशेषज्ञ वरिष्ठ डॉक्टर अंकुर ठकराल ने जानकारी देते हुए बताया कि 11 अक्टूबर को थॉयराइड कैंसर से परेशान महिला अस्पताल पहुंची। इससे पहले कई जगह इलाज व उपचार के बाद उन्हें किसी तरह की राहत नहीं मिली। मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए सर्जरी का निर्णय लिया गया। परिवारजनों से अनुमति मिलने के बाद मरीज की सर्जरी संचालक व नाक, कान, गला विशेषज्ञ डॉ. अंकित ठकराल के मार्गदर्शन में यह सर्जरी पूरी की गई। डॉ. ठकराल ने बताया कि शुरुआती दिनों में महिला को गले में गाठ बढ़ता हुआ दिखा, जिसे सामान्य समझकर इस पर ध्यान नहीं दिया। जिस वजह से स्थिति दिनों दिन गंभीर होती गई। कुछ सालों बाद जब मरीज को खाना खाने, सांस लेने, पानी पीने में परेशानी हुई तो डॉक्टरी भाग-दौड़ शुरु की गई। कई जगह उपचार के बाद भी राहत नहीं मिलने पर किसी के बताने पर मरीज ने यूनिटी अस्पताल में संपर्क किया। इतने सालों में थॉयराइड कैंसर का रुप ले चुका था। तत्काल मरीज का ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन में लगभग दो किलो का ट्यूमर निकला। ट्यूमर इतना बढ़ चुका था इसकी वजह से सांस नली और खाने की नली में दबाव पड़ रहा था। फेफड़ा भी काफी हद तक कैंसर से प्रभावित हो चुका था। इस सर्जरी के बाद मरीज को पहले से आराम है। कुछ दिनों अस्पताल में रखने के बाद मरीज को छुट्टी दे दी गई है। कैंसर की वजह से आगे थैरेपी लेने जरुरी है जिसके बारे में मरीज व परिवारजनों को बता दिया गया है। डॉक्टर ठकराल ने बताया कि गले में जो गाठ होती है आयोडिन की कमी की वजह से इसमें बढ़ोतरी होते रहती है।

समय पर सही इलाज न मिलने पर यह थॉयराइड कैंसर का रुप ले लेती है इसलिए ऐसे किसी भी लक्षणों को सामान्य समझकर नजर अंदाज करना आने वाले समय में गंभीर स्थिति हो सकती है। शुरुआती समय में इलाज शुरु करने पर दवा के सहारे मरीज सामान्य दिनचर्या पूरी कर सकता है। किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं होती है, लेकिन इलाज में लापरवाही से दवाई का प्रभाव कम हो जाता है और कई बार यह विकराल रुप ले लेता है। डॉक्टर ठकराल ने कहा कि अगर किसी भी व्यक्ति में अचानक मोटापा बढ़ने लगे या बहुत ज्यादा पसीना आने की समस्या समझ आए तो बिना लापरवाही किए एक बार थॉयराइड प्रोफाइल की जांच जरुर कराएं। शुरुआती लक्षणों में किसी भी बीमारी का इलाज आसान होता है और मरीज को जल्दी राहत मिलती है।

डॉक्टरों से समय पर लें परामर्श

डॉक्टर अंकुर ठकराल ने बताया कि कई बार मरीजों की लापरवाही की वजह से स्वास्थ्यगत समस्याएं बढ़ जाती हैं, जिसकी वजह से इलाज में समय लगता है और दवाईयां भी असर करने में थोड़ा समय लेती है इसलिए एक उम्र के बाद सामान्य जांच करवाते रहना जरुरी है। किसी भी तरह की शारीरिक समस्या होने पर बिना देरी किए डॉक्टरों से परामर्श जरुर लें, जिससे समस्या का उपचार तुरंत हो जाए और मरीज को तत्काल राहत मिले। ऐसा करने से बीमारी को भी बढ़ने से रोका जा सकता है।

■ न्यूज गैलरी

महुआ शराब सहित एक आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर/नवप्रदेश। महुआ शराब की अवैध बिक्री करने वाले एक आरोपी को पचपेड़ी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 14.5 लीटर महुआ शराब जब्त की है। आरोपी के विरुद्ध आबकारी एक्ट की धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जेल भेजा गया है। पुलिस के अनुसार चेतना विरुद्ध नशा व प्रहार अभियान के तहत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के द्वारा अवैध शराब पर कार्यवाही करने निर्देश पर थाना पचपेड़ी में 24 अक्टूबर को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम बेल्हा में संजू चतुर्वेदी भारी मात्रा में अवैध महुआ शराब बिक्री किया जा रहा है। सूचना पर तत्काल राहगीर गवाहों को लेकर संजू चतुर्वेदी ग्राम बेल्हा के सकुनत पर रेड कार्रवाई की गई। मौके पर आरोपी संजू कुमार चतुर्वेदी पिता छोटकू राम निवासी ग्राम बेल्हा थाना पचपेड़ी जिला बिलासपुर के कब्जे से 14.5 लीटर महुआ शराब कीमती 1160 रुपए बरामद कर जप्त किया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। पचपेड़ी पुलिस द्वारा क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण, परिवहन एवं बिक्री करने वालों के विरुद्ध सख्त अभियान चलाया जा रहा है।

भाजपा पदाधिकारी, पार्षद और विधायक के भतीजे सहित 14 गिरफ्तार

रसूखदार जुआरियों के फड़ पर पुलिस की दबिश, 2.17 लाख जब्त

बिलासपुर/नवप्रदेश। सिविल लाइन पुलिस ने महाराणा प्रताप चौक स्थित जीनत पैलेस के प्रथम तल पर चल रहे हाईप्रोफाइल जुआ फड़ पर दबिश दी। पुलिस ने मौके से भाजपा जिला उपाध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष 2 पार्षदों और एक विधायक के भतीजे सहित 14 लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2 लाख 17 हजार नगद, 52 पत्तियों का ताश और एक बेडशीट बरामद किया। सभी आरोपियों को मौके पर गिरफ्तार कर मुचलका जमानत पर रिहा किया गया है।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मुखबिर से सूचना मिली थी कि महाराणा प्रताप चौक जीनत पैलेस के रूम नंबर 01 में कुछ लोग रुपये-पैसे की हार-जीत का दांव लगाकर 52 पत्ती ताश से जुआ खेल रहे हैं। सूचना की पुष्टि पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने बताए गए स्थान पर रेड की तो वहां पर 14 लोग जुआ खेलते पकड़े गए। गिरफ्तार आरोपियों में संतोष कौशिक पिता स्व बाबू राम कौशिक उम्र 57 वर्ष ओमनगर जरहाभाठा, प्रशांत मुर्ती पिता सी. के. मुर्ती उम्र 59 वर्ष विनोबा नगर, नैन साहू पिता स्व मनीराम साहू उम्र 41 वर्ष रामनगर तखतपुर, नरेंद्र रात्रे पिता स्व मोहन लाल रात्रे उम्र 49 वर्ष आजाद नगर तखतपुर, जाकीर खान पिता मो. हुसैन उम्र 53 वर्ष पाठकपारा तखतपुर, मुन्ना श्रीवास पिता स्व विश्राम श्रीवास उम्र 64 वर्ष महामायापारा तखतपुर, पवन पाण्डेय पिता स्व जगदीश पाण्डेय उम्र 46 वर्ष बेलसरी थाना तखतपुर, कैलाश देवांगन पिता स्व चंदन उम्र 40 वर्ष होलिका चौक तखतपुर, बउवा देवांगन पिता लक्ष्मी देवांगन उम्र 40 वर्ष तखतपुर, बल्लू पटेल पिता विश्वनाथ पटेल उम्र 32 वर्ष दीनदयाल मंगला, क्रेगी मार्टीन पिता स्व एम मार्टीन उम्र 51 वर्ष विनोबानगर, देवांश डोरा पिता प्रसांत डोरा उम्र 26 वर्ष विद्यानगर, विवेक मिश्रा पिता जे पी मिश्रा उम्र 47 वर्ष विद्यानगर और विशाल सिंह पिता आर एस सिंह उम्र 45 वर्ष नेहरू नगर शामिल हैं।

आरोपियों का पुलिस ने जारी नहीं किया फोटो

पुलिस ने मौके पर ही सभी आरोपियों के विरुद्ध धारा 3(2) एलसीजी के तहत अपराध दर्ज किया। जानकारी के अनुसार पकड़े गए कई आरोपी राजनीतिक और सामाजिक रूप से रसूखदार हैं। जिसके कारण पुलिस ने अपने विज्ञप्ति में किसी भी आरोपी का फोटो जारी नहीं किया है। इनमें एक भाजपा उपाध्यक्ष, तीन नगर पार्षद, और एक विधायक का भतीजा भी शामिल बताया जा रहा है। इस कार्यवाही से शहर के रसूखदार तबके में हड़कंप मच गया है।

डीआईजी होम गार्ड ने प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

■ नव नियुक्त महिला नगर सैनिकों का दीक्षांत समारोह

बिलासपुर/नवप्रदेश। नगर सेना विभाग में बिलासपुर संभाग के अंतर्गत विभिन्न जिलों में नवीन भर्ती महिला नगर सैनिकों का दस दिवसीय बुनियादी प्रशिक्षण साइंस कॉलेज मैदान सरकंडा में संपन्न हुआ। बुनियादी प्रशिक्षण पूर्ण होने पर मुख्य अतिथि डीआईजी होम गार्ड एल पी वर्मा की उपस्थिति में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि ने परेड का निरीक्षण किया। इसके बाद नए भर्ती किए गए 279 महिला होम गार्ड प्रशिक्षणार्थियों ने शानदार मार्च पास्ट का प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि वर्मा द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षार्थियों तथा बुनियादी प्रशिक्षण को सफल बनाने वाले विभिन्न अधिकारी एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। पासिंग आउट परेड के दौरान जिला सेनानी बिलासपुर दीपांकुर नाथ, जिला सेनानी रायगढ़ बी कुजूर, प्राचार्य साइंस कॉलेज प्रवीण पांडेय, फायर स्टेशन प्रभारी इंस्पेक्टर वेद नारायण सेन, परसदा एस डी आर एफ टीम, बिलासपुर एस डी आर एफ टीम, नगर सेना एवं अग्निशम सेवा के कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में महिला सैनिकों के परिजन उपस्थित थे।

तिफरा सब्जी मंडी अध्यक्ष पर फर्जी पंजीयन का आरोप, जांच टीम पहुंची

■ रिपोर्ट रायपुर भेजी जाएगी

बिलासपुर/नवप्रदेश। तिफरा सब्जी मंडी को लेकर चल रहे विवाद ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया है। मंडी के अध्यक्ष मुकेश अधिजा पर फर्जी पंजीयन और दुकानदारों को अवैध रसीद देने के आरोप लगाए गए हैं।

इस मामले की शिकायत कृषि उपज मंडी रायपुर में दर्ज की गई थी, जिसके बाद शनिवार को जांच टीम बिलासपुर पहुंची और दोनों पक्षों को बुलाकर उनकी बात सुनी। पहले पक्ष ने जांच अधिकारियों को बताया कि मौजूदा समिति अवैध रूप से कार्य कर रही है क्योंकि उसका पंजीयन नहीं कराया गया है। उन्होंने दावा किया कि अध्यक्ष भी बिना वैध प्रक्रिया के पद पर बने हुए हैं और इसके प्रमाणस्वरूप कई दस्तावेज जांच टीम को सौंपे।

दोनों पक्ष के बयान दर्ज

दूसरे पक्ष ने अपने पंजीयन और चुनाव से जुड़े सभी दस्तावेज समिति को सौंपते हुए कहा कि शिकायतकर्ता स्वयं चुनाव प्रक्रिया में शामिल थे और समिति द्वारा सभी नियमों का पालन किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में शिकायतकर्ता और एक दुकानदार के बीच विवाद हुआ था, जिसमें अध्यक्ष ने मध्यस्थता कर समझौता कराया था, जिसके बाद से ही उनके खिलाफ झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। जांच अधिकारी ने बताया कि दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए गए हैं और रिपोर्ट रायपुर स्थित कृषि उपज मंडी कार्यालय को भेजी जाएगी, जिसके बाद पूरे मामले का अंतिम निष्कर्ष सामने आएगा।

दुर्गा चौरा और पंप हाउस निर्माण का भूमिपूजन

बिलासपुर/नवप्रदेश। वार्ड 11 में दुर्गा चौरा (रंगमंच) और वार्ड 8 में पंप हाउस के निर्माण के लिए भूमिपूजन किया गया। वार्ड 11 में शिव मंदिर के सामने वर्षों से गणेश उत्सव और दुर्गा उत्सव धूमधाम से मनाए जाते रहे हैं। रंगमंच के अभाव में समिति के सदस्यों को अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ती थी। इसे देखते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष हुलसी रघु वैष्णव और पार्षद दीपक साहू ने अपनी निधि से दुर्गा चौरा बनाने का निर्णय लिया। इसी तरह, वार्ड 8 में पुराना पंप हाउस वर्षों से क्षतिग्रस्त अवस्था में पड़ा था।

खनिजों का अवैध परिवहन करते 5 हाइवा सहित 9 वाहन जब्त

■ लगातार कार्रवाई जारी

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एंव भण्डारण पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस क्रम में खनिज अमला बिलासपुर द्वारा मंगला,पाटबाबा लोखड़ी, तुरकाडीह, निरतु, घुटकू, लमेर, लारिपारा, लोफन्दी, कछार, ढेका, दर्रीघाट, लावर क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। जहाँ लमेर लारिपारा क्षेत्र से 3 ट्रेक्टर ट्राली रेत का अवैध परिवहन करते पाये जाने पर जप्त किया जाकर थाना कोनी व थाना कोटा की अभिरक्षा मे रखा गया है। लोफन्दी क्षेत्र से 1 ट्रैक्टर ट्राली रेत का अवैध परिवहन करते पाये जाने पर जप्त कर थाना कोनी की अभिरक्षा मे रखा गया है। ढेका दर्रीघाट व लावर क्षेत्र मे खनिज रेत का अवैध परिवहन करते 3 हाइवा व चूनापत्थर ,डस्ट और गिट्टी का अवैध परिवहन करते 2 हाइवा को जप्त कर खनिज जाँच चौकी लावर मे सुरक्षार्थ रखा गया है। इस प्रकार कुल 09 वाहनों को अवैध परिवहन करते पाये जाने पर खनिज नियमों के तहत जप्त किया गया है।खनिजों केअवैध उत्खनन,परिवहन,भण्डारण पर खनिज विभाग द्वारा लगातार निगरानी और धरपकड़ की कार्रवाई जारी है।

शायरी और गजलों में उर्दू की कोमलता और भावनात्मक गहराई दिखी

उर्दू दिवस पर बिलासा कन्या महाविद्यालय में आयोजन

बिलासपुर/नवप्रदेश। उर्दू भाषा की मधुरता, साहित्यिक गरिमा और सांस्कृतिक समृद्धि को समर्पित उर्दू दिवस का आयोजन आज बिलासा कन्या महिला महाविद्यालय के उर्दू विभाग में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत उर्दू विभाग की प्राध्यापिका डॉ. शाजिया अली खान ने अतिथियों के स्वागत एवं छात्राओं को उनके परिचय से की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ. एच. आर. आगर ने अपने वक्तव्य में उर्दू भाषा के ऐतिहासिक विकास, साहित्यिक योगदान और सामाजिक प्रभाव पर प्रकाश डाला, जिससे छात्राओं को भाषा की गहराई और महत्ता का बोध हुआ। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाते हुए हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉ. हेमंत पाल धृतलहरे ने अपनी मधुर आवाज में उर्दू ग़ज़लें प्रस्तुत कीं और उर्दू शायरी की महान परंपरा से छात्राओं को परिचित कराया। महाविद्यालय की प्रतिभाशाली छात्राओं–मरियम, शाइस्ता, अनीशा, महक, गुलअफशा, नफीसा, आलिया, नौशीन ने अपनी शायरी और ग़ज़लों से उपस्थित जनों का दिल जीत लिया। उनकी प्रस्तुतियाँ उर्दू की कोमलता और भावनात्मक गहराई का जीवंत उदाहरण रहीं। कार्यक्रम में डॉ. कल्याणी जैन, डॉ. मंजू माधुरी बाजपेई, डॉ. राजकुमार शर्मा, डॉ. संध्या, डॉ. मीनाक्षी पांडे, डॉ. अवनीश कुमार, एवं अलका शुक्ला की उपस्थिति ने आयोजन को और भी प्रभावशाली बनाया। यह आयोजन न केवल उर्दू भाषा के प्रति सम्मान और प्रेम को अभिव्यक्त करता है, बल्कि छात्राओं को साहित्यिक अभिव्यक्ति के मंच प्रदान करने की दिशा में एक सराहनीय पहल भी है। उर्दू दिवस की यह संगीतमय और साहित्यिक संध्या सभी उपस्थितों के मन में एक अमिट छाप छोड़ गई।

गौठान में मवेशियों की मौत पर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से मांगा जवाब

बिलासपुर/नवप्रदेश। प्रदेश में चल रही गौ-संरक्षण योजनाओं के बीच सक्ती जिले के ओड़ेकेरा गौठान में प्रशासनिक लापरवाही का बड़ा मामला सामने आया है। यहां 12 मवेशियों की मौत हो गई। बताया गया कि गौठान में न तो पर्याप्त चारा था, न पानी की व्यवस्था। मवेशियों के कंकाल मिलने का वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन हरकत में आया और आनन-फानन में अवशेष हटाए गए। यह मामला अब राजनीतिक रंग भी पकड़ने लगा है। विपक्ष ने इसे गोधन न्याय के खोखले दावे से जोड़ते हुए राज्य सरकार पर संवेदनहीनता का आरोप लगाया है, वहीं पशुपालन विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। इस बीच हाईकोर्ट ने बिलासपुर के बेलतरा और सुकलकारी क्षेत्रों में गायों की मौत के मामलों पर स्वतः संज्ञान लिया है। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा की खंडपीठ ने राज्य प्रशासन और पशुपालन विभाग से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है।

आयोजन

20वीं वार्षिक जिला रैली व शिविर, द्वितीय दिवस का उत्साहपूर्ण शुभारंभ

प्रतिभागियों ने मनमोहक लोक नृत्य प्रस्तुत कर शिविर के वातावरण को उल्लासमय बनाया

बिलासपुर/नवप्रदेश। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर ज़िला स्काउट्स एवं गाइड्स संघ द्वारा आयोजित 20वीं वार्षिक जिला रैली एवं शिविर का द्वितीय दिवस आज अत्यंत उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। पूरे दिन स्काउट्स एवं गाइड्स ने रचनात्मकता, टीम भावना और स्काउटिंग कौशल का शानदार प्रदर्शन किया।

आज के दिवस में विभिन्न प्रतिस्पर्धाएँ और प्रशिक्षण गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें बिना बर्तन के खाना बनाना, रचनात्मक संरचनात्मक प्रोजेक्ट, पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता, दुल्हन सज्जा प्रदर्शन, शिविर कौशल तथा सायंकालीन कार्यक्रम प्रमुख आकर्षण रहे। सायंकालीन सत्र में आयोजित कैंप फायर के दौरान प्रतिभागियों ने मनमोहक लोक नृत्य प्रस्तुत कर शिविर के वातावरण को उल्लासमय बना दिया। बच्चों की प्रस्तुतियों में भारत की विविध लोक संस्कृतियों की झलक दिखाई दी, जिसे उपस्थित अतिथियों एवं लीडरों ने खूब सराहा। पूरा कार्यक्रम अनुराग कुमार सिंह,डीसीएम/बीएसपी एवं जिला आयुक्त (स्काउट) के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में संपन्न हो रहा है। शिविर के संचालन में जिला संगठन आयुक्त (स्काउट) दिलीप सवाई, जिला संगठन आयुक्त (गाइड) सुजाता सिंह, जिला सचिव संजय मेश्राम, (स्काउट) दिनेश यादव, (गाइड) जया बैनर्जी, एवं जी. लोकेश राव की सक्रिय भूमिका सराहनीय रही।

रूट मार्च एवं सांस्कृतिक झांकी अनेकता में एकता का संदेश

आज के शिविर की विशेष आकर्षण रही रूट मार्च परेड, जिसमें स्काउट्स एवं गाइड्स ने भारत के विभिन्न राज्यों की संस्कृति, परिधान, व्यंजन, भाषा, बोली और नृत्य का जीवंत प्रदर्शन किया। इस आकर्षक परेड का मुख्य उद्देश्य अनेकता में एकता के संदेश को समाज तक पहुँचाना था। रंग–बिरंगे परिधानों और जोशपूर्ण नारों ने पूरे परिसर का वातावरण देशभक्ति एवं एकता की भावना से सराबोर कर दिया।

सूर्योपासना का महापर्व छठ

प्रकृति की पूजा और आस्था के लोकपर्व छठ महापर्व की शुरुआत खरना यानी कल से हो चुकी है। चार दिवसीय यह पर्व प्रकृति को दैवीय सम्मान, परिवेश की स्वच्छता, नदी या जल स्त्रोत के महत्व और ऋतु परिवर्तन से जुड़ा हुआ है। वेदों से लेकर पौराणिक आख्यान में सूर्य पूजा का तो विस्तार से उल्लेख मिलता है, लेकिन छठी माता का सीधा जिक्र नहीं मिलता है। हालांकि भारत की लोक परंपरा जो कि बच्चों के जन्म से जुड़ी हुई है, उसमें षष्ठी तिथि का बहुत महत्व है और बच्चों के जन्म के पांचवें-छठें दिन उनकी छठी संस्कार की विधि की जाती है।

मुकेश ऋषि

भारत को अगर पर्व-त्योहारों का देश कहा जाये तो गलत न होगा। जितने भी पर्व-त्यौहार भारत में मनाये जाते हैं, शायद ही इतने त्यौहार किसी देश में मनाये जाते हैं। यूँ तो पर्व-त्यौहारों का सिलसिला भारत में वर्ष भर चलता रहता है, जिनकी लंबी सूचि है। इन्हीं पर्वों में एक खास पर्व है छठ महापर्व। छठ पर्व की शुरूआत आखिर कैसे हुई? छठ पर्व कैसे मनाया जाता है? कौन हैं छठी मईया? सूर्य उपासना के पर्व पर छठी मईया के जयकारे लगाकर उनकी पूजा की जाती है क्यों? भारत एक ऐसा देश है, जिसे त्यौहारों की भूमि कहा जाता है। इन्हीं पर्वो में से एक खास पर्व है दीपावली। लगातार पाँच दिनों तक चलने वाले पर्व सिर्फभैया दूज तक सीमित नहीं है, बल्कि यह महापर्व छठ महापर्व तक चलता है। भारत के विहार, झारखंड, नेपाल की तराई क्षेत्र और पूर्वी उतर-प्रदेश में मनाये जाने वाले पवों में से छठ महापर्व अहम पर्व है। धीरे-धीरे यह त्यौहार प्रवासी भारतीयों के साथ-साथ विष्वभर में प्रचलित व प्रसिद्ध हो चला है। नहाय-खाय से लेकर उगते हुए सूर्य को अर्ध्य देने तक चलने वाले इस पर्व का अपना ऐतिहासिक महत्व है। छठ पर्व की शुरूआत आखिर कैसे हुई? इसके पीछे कई ऐतिहासिक कहानियाँ प्रचलित है। पुराण में छठ पूजा के पीछे की कहानी राजा प्रियवंत को लेकर है। कहते हैं राजा प्रियवंत को कोई संतान नहीं थी। तब महर्षि कष्यप ने पुंत्र की प्राप्ति के लिए यज्ञ कराकर प्रियवंत की पत्नी मालिनी को यज्ञ की आहुति के लिए बनाई गई खीर दी। इससे उन्हें पुत्र की प्राप्ति हुई। लेकिन वह पुत्र मृत पैदा हुआ। प्रियवंत पुत्र को लेकर शमशान गये और पुत्र वियोग में प्राण त्यागने लगे, उसी वक्त भगवान की मानस पुत्री देवसेना प्रकट हुई। उन्होंने राजा से कहा- तुम्हारा पुत्र सृष्टि की मूल प्रवृति के छठे अंश में उत्पन्न हुई है। इसलिए वह षष्ठी कहलाती है। उन्होंने राजा से अपना पूजा करने और दूसरों को पूजा करने के लिए प्रेरित करने को कहा। राजा प्रियवंत ने पुत्र इच्छा के कारण देवी षष्ठी की व्रत की और उन्हें पुत्र की प्राप्ति हुई। कहते हैं कि यह पूजा कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को हुई थी। तभी से यह पूजा मनोकामना पूर्ती के लिए की जाती है। इसके अलावा एक कथा प्रभु राम और माता सीता की भी जुड़ी हुई है। पौराणिक कथाओं के अनुसार जब राम-सीता चैदह साल का वनवास के पष्चात् अयोध्या लौटे थे तो वे रावण वध के पाप से मुक्त होने के लिए उन्होंने ऋषियों-मुनियों के आदेश पर राजसूय यज्ञ करने का फैसला लिया। पूजा के लिए उन्होंने मुद्गल ऋषि को आमंत्रित किया। मुद्गल ऋषि ने माँ सीता पर गंगा जल छिडककर पवित्र किया। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को सूर्य देव की उपासना करने के लिए आदेश दिया। जिसे सीता माता ने मुद्गल ऋषि के आश्रम में ही छह दिन तक रहकर सूर्य देव की उपासना-आराधना की थी। छठ पर्व किस प्रकार मनाया जाता है। छठ पूजा चार दिवसीय पावन उत्सव है। इसकी शुरूआत कार्तिक शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को तथा समाप्ति शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को होती है। इस दौरान व्रत करने वाले 36 धंटे तक का व्रत रखते हैं। 25 अक्टूबर चतुर्थी तिथि शनिवार से आरंभ होकर 27 अक्टूबर सप्तमी तिथि सोमवार को छठ महापर्व का विश्राम होगा। नहाय-खाय-पहला दिन चतुर्थी नहाय के रूप में मनाया जाता है। सबसे पहले तो घर की सफाई करके उसे पवित्र बना लिया जाता है। इसके पष्चात् छठ व्रती स्नान कर पवित्र रहकर बने शुद्ध शाकाहारी भोजन कर व्रत की शुरूआत करते है। घर के सभी सदस्य व्रती के भोजनोंपरांत ही भोजन ग्रहण करते हैं। भोजन के रूप में कद्दू दाल और चावल ग्रहण किया जाता है। यह दाल चने की होती है। खरना और लोहंडा दूसरे दिन कार्तिक शुक्ल पंचमी को व्रतधारी दिन भर का उपवास रखने के पष्चात शाम को भोजन ग्रहण करते हैं। इसको खरना कहा जाता है। खरना का प्रसाद लेने के लिए आस-पास के सभी लोगों को अमंत्रित किया जाता है। प्रसाद के रूप में गन्ने के रस में या गुड़ में बने चावल की खीर के साथ दूध, पीठ़ा और घी चुपड़ी रोटी बनाई जाती है। इसमें नमक या चीनी का उपयोग नहीं किया जाता है। इस दौरान पूरे धर की स्वच्छता पर पूरा ध्यान दिया जाता है। संध्या, अर्घ्य-तीसरे दिन कार्तिक शुक्ल षष्ठी तिथि को दिन में प्रसाद बनाया जाता है। जिस तरह से सैकड़ों साल पहले यह पर्व मनाया जाता था, वही तरीका आज भी है। इस पर्व के लिए जो प्रसाद होता है, वे घर में तैयार किया जाता है। ठेकुआ और कसार के अलावा और भी पकवान जो बनाये जाते हैं, वे व्रत करने वाले या उनके परिजन पूरी सफाई का ख्याल रखते हुए घरों में ही तैयार करते हैं। ठेकुआ गुड़ और आटे से तैयार होता है और कसार चावल के आटे से और गुड़ से तैयार होता है। इसके अलावा उस पूजा में फलों और सब्जियों का खास महत्व है। छठ में उपयोग होने वाले वर्तन या तो वॉस के बने होते है, या तो मिटी में। ये तमाम चीजे इकोफ्रेंडली हैं। शाम को पूरी तैयारी कर और व्यवस्था कर बॉस की टोकड़ी में अर्घ्य का सूप सजाया जाता है और व्रती के साथ पूरा परिवार और पड़ोस के सारे लोग सूर्य को अर्घ्य देने घाट की ओर चल पड़ते हैं। सभी छठव्रती नियत तालाब या नदी के किनारे एकत्रित होकर सामुहिक रूप से अर्घ्य दान संपन्न करते है। सूर्य को जल और प्रसाद भरे सूप से पूजा की जाती है। इस दौरान कुछ घंटे के लिए मेले का दृष्य बन जाता है। उषा अर्घ्य चैथे दिन कार्तिक शुक्ल सप्तमी तिथि के सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। व्रती वहीं इक्टठा होते है, जहॉ पहले दिन शाम को अर्घ्यदान दिया था। पुनः पिछले शाम की प्रक्रिया की प्रुनःरावृति होती है। अंत में व्रती कच्चे दुध का सर्वत पीकर तथा थोंड़ा प्रसाद खाकर व्रत पूरा करते हैं। कौन है ठछी मईया? क्यों सूर्य उपसना के पर्व पर पूरे जयकारे लगाकर उनकी पूजा की जाती है? वेदों के मुताविक छठी मईया को उषा देवी के नाम से जाना जाता है। छठी मईया के बोरे में कहा जाता है कि छबी मईया सूर्यदेव की बहन है। उनकी पूजा करने से या उनके गीत गाने से सूर्यदेव प्रसन्न होते हैं और उनकी मनोकानायें पूरी करते हैं।

छठ विशेष

कब से शुरू हुई छठ पूजा?

छठ पूजा कबसे शुरू हुई? इस प्रश्न का ठीक सटीक जवाब देना मुश्किल हो सकता है, क्योंकि इस पर्व की मान्यता एक देवी से जुड़ी हुई है, लेकिन वास्तव में पूजा सूर्य की ही होती है.

नवजात बच्चों की सुरक्षा की लोकदेवी

छठी एक लोक देवी हैं, और माना जाता है कि वह नवजात बच्चों की सुरक्षा करती हैं. वहीं सूर्य पूजा का जिक्र भारत के दोनों प्रसिद्ध महाकाव्यों (रामायण-महाभारत) में तो मिलता ही है. हालांकि वह छठ पूजा के आज के स्वरूप जैसा नहीं है. सभी पुराणों में वर्णित जल प्रलय की पहली कथा का जो जिक्र होता है, उसकी शुरुआत सूर्यपूजा से ही होती है.

छठ महापर्व पर खरना का खास महत्व

खरना के दिन खीर गुड़ तथा साठी का चावल इस्तेमाल कर शुद्ध तरीके से बनायी जाती है। खीर के अलावा खरना की पूजा में मूली तथा केला रखकर पूजा की जाती है। इसके अलावा प्रसाद में पूरीयां, गुड़ की पूरियां तथा मिठाइयां रखकर भी भगवान को भोग लगाया जाता है। आज खरना है। छठ महापर्व के दूसरे दिन खरना होता है। खरना कार्तिक मास की पंचमी को नहाय खाय के बाद आता है। खरना को लोहंडा भी कहा जाता है। खरना खास होता है, क्योंकि व्रती इसमें दिन भर व्रत रखकर रात में खीर प्रसाद ग्रहण करते हैं। खरना का विशेष महत्व है छठ महापर्व पर। चार दिन का त्यौहार है छठ। छठ का पर्व केवल व्रत नहीं, बल्कि एक कठिन तपस्या होता है। यह व्रत केवल एक-दो दिन का नहीं बल्कि चार दिन का होता है। इसमें पहला दिन नहाय-खाय, दूसरा दिन खरना तथा तीसरा दिन शाम को अर्घ्य और चैथे दिन सुबह अर्घ्य देकर पारण किया जाता है। व्रत रखने वाली महिलाएं बहुत पवित्रता से व्रत करती हैं और उन्हें परवैतिन कहा जाता है। खरना का है खास महत्व-छठ में खरना का विशेष महत्व है, क्योंकि इस दिन प्रसाद ग्रहण करने के बाद व्रत करने वाले व्यक्ति छठ पूजा पूर्ण होने के बाद ही अन्न-जल ग्रहण करता है। छठ में खरना का अर्थ है शुद्धिकरण। यह शुद्धिकरण केवल तन का ही न होकर बल्कि मन का भी होता है। इसलिए खरना के दिन केवल रात में भोजन करके छठ के लिए तन तथा मन को व्रती शुद्ध करता है। खरना के बाद व्रती 36 घंटे का व्रत रखकर सप्तमी को सुबह अर्घ्य देता है। 25 अक्टूबर चतुर्थी तिथि शनिवार से आरंभ होकर 27 अक्टूबर सप्तमी तिथि सोमवार को छठ महापर्व का विश्राम होगा। खरना के दिन बनती है खीर। खरना के दिन खीर गुड़ तथा साठी का चावल इस्तेमाल कर शुद्ध तरीके से बनायी जाती है। खीर के अलावा खरना की पूजा में मूली तथा केला रखकर पूजा की जाती है। इसके अलावा प्रसाद में पूरियां, गुड़ की पूरियां तथा मिठाइयां रखकर भी भगवान को भोग लगाया जाता है। छठ मइया को भोग लगाने के बाद ही इस प्रसाद को व्रत करने वाला व्यक्ति ग्रहण करता है। खरना के दिन व्रती का यही आहार होता है। खरना के दिन बनाया जाने वाला खीर प्रसाद हमेशा नए चूल्हे पर बनता है। साथ ही इस चूल्हे की एक खास बात यह होती है कि यह मिट्टी का बना होता है। प्रसाद बनाते समय चूल्हे में इस्तेमाल की जाने वाली लकड़ी आम की ही होती है। दूसरे पेड़ों की लकड़ियों का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। खरना के दिन ऐसे बनाएं विशेष प्रसाद-खरना के दिन खीर खासतौर से बनायी जाती है। इसके लिए सबसे पहले आप चावल को पानी में भिगों कर रख दें। उसके बाद मिट्टी के चूल्हे पर उस बर्तन को चढ़ा दें जिसमें खीर बनानी है। ध्यान रखें खीर को स्टील के बर्तन में न बनाकर केवल मिट्टी तथा पीतल के बर्तन में ही बनाया जाता है। अब बर्तन में चावल और दूध को उबाल लें। उसके बाद हल्की आंच पर तब तक पकाएं, जब तक चावल पक न जाएं और दूध थोड़ा गाढ़ा न दिखने लगे। जब दूध गाढ़ा हो जाए तो उसमें गुड़, किसमिस, इलायची पाउडर या गन्ने का रस मिला सकते हैं। इन सारी सामग्रियों को खीर में मिलाकर चलाते रहें जब तक वह पूरा मिल न जाए। उसके बाद आप बादाम तथा पिस्ता से उसे सजा सकते हैं। खरना में प्रसाद ग्रहण करने के भी हैं नियम-खरना के दिन व्रत रखने वाला व्यक्ति प्रसाद ग्रहण करता है तो घर के सभी सदस्य शांत रहते हैं और कोई शोर नहीं करता है, क्योंकि शोर होने के बाद व्रती प्रसाद खाना बंद कर देता है। घर के सभी सदस्य व्रत करने वाले का प्रसाद ग्रहण करने के बाद ही भोजन ग्रहण करते हैं।

लोकपरंपरा में सूर्योपासना सह छठ महापर्व

जगत का प्राणदाता सूर्य को कहा जाता है। सूर्य के प्रकाश से ही समस्त सृष्टि का पोषण होता है तथा वसुधा के कण-कण में प्राण का संचार होता है। प्राण संचार करने की प्रवृति तथा प्रक्रिया के कारण ही सूर्य को जन-जन साक्षात कल्याणकारी देवता मानकर उनकी पूजा उपासना अनादि काल से करते आ रहे हैं। भारत जैसे महान देश में प्रतिदिन किसी न किसी देवता की पूजा, पर्व व त्यौहार का निरंतर क्रम चलता रहता है। इन्हीं महान पर्वो की पावन श्रृंखला के अंतगर्त लोकपरंपरागत पर्व सूर्योपासना का छठ महापर्व की महता कुछ खास है। वैदिक युग में भारतवासी सूर्य उपासना से न केवल सुपरिचित थे, बल्कि उसका गहन मर्म भी समझ चुके थे। सूर्य उपासना के महापर्व छठ में सूर्य का यही अनूठा ज्ञान-विज्ञान निहित है। दीपावली के छह दिन बाद कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि से सूर्योपासना का तीन दिवसीय अनुष्ठान मुख्यतः रोगमुक्ति, संतान प्राप्ति और सुख सौभाग्य की कामना से किया जाता है। गौरतलब है कि छठ'का प्रादुर्भाव षष्ठी तिथि से हुआ है। भारतीय परंपरा में सूर्य षष्ठी का पर्व सविता अर्थात सूर्य देवता के उपासकों को भौतिक व मानसिक अनुदान-वरदान बांटने वाला अत्यंत फलदायी सुअवसर माना जाता है। ज्योतिष शस्त्रानुसार षष्ठी तिथि को खगोलीय परिवर्तन के कारण सूर्य की पराबैगनी किरणें पृथ्वी की सतह पर सामान्य से अधिक मात्रा में आने लगती हैं। ऐसे में मान्यता है कि इस पर्व के अनुष्ठान से सूर्य की पराबैगनी किरणों के हानिकारक प्रभाव से जीवों की रक्षा होती है। हमारे ऋषि आंतरिक चेतना के ही नहीं, अपितु बाह्य प्रकृति के भी मर्मज्ञ थे। इसीलिए उन्होंने सूर्य को अर्घ्य देने का विधान बनाया था। छठ पर्व पर उदय व अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। लोक परंपरा के अनुसार, चार दिवसीय इस आयोजन का शुभारंभ 25 अक्टूबर से हो रहा है और 27 अक्टूबर को समापन होगा। इस आयोजन के पहले दिन कार्तिक शुक्ल चतुर्थी को पूरे घर की विशेष रूप से साफ-सफाई कर छठ व्रत स्नान कर 'नहाय-खाय' के रूप में मनाया जाता है। दूसरे दिन कार्तिक शुक्ल पंचमी को व्रतधारी दिनभर का उपवास रखने के बाद शाम को भोजन करते हैं। इसे 'खरना' कहा जाता है। खरना का प्रसाद लेने के लिए आसपास के सभी लोगों को निमंत्रित किया जाता है। इस प्रसाद में गन्ने के रस में बने हुए चावल की खीर के साथ दूध, चावल का पिट्ठा और घी की विशेष रोटी बनाई जाती है। तीसरे दिन कार्तिक शुक्ल षष्ठी के दिन में छठ प्रसाद बनाया जाता है। प्रसाद में ठेंकुआ, जिसे कुछ क्षेत्रों में टिकरी भी कहते हैं। चढ़ावे के रूप में फल भी छठ प्रसाद में शामिल होते हैं। छठ पूजा का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष इसकी सादगी, पवित्रता और लोकपक्ष है। इस पर्व के लिए न भव्य मंदिरों की जरूरत होती है, न ऐश्वर्ययुक्त मूर्तियों की। बांस निर्मित सूप, टोकरी, मिट्टी के बरतनों, गन्ने रस, गुड़ चावल और गेहुं जैसी प्राकृतिक वस्तुओं से निर्मित प्रसाद और सुमधुर लोकगीतों से युक्त होकर यह महापर्व लोक जीवन की सोंधी सुगंध बिखेरता है। जन सामान्य द्वारा अपने रीति-रिवाजों के रंगों में गढ़ी गई सहज-सरल उपासना पद्धति इसकी खासियत है, जिसके केंद्र में हैं किसान और ग्रामीण जीवन। इस व्रत के लिए न विशेष धन की आवष्यकता है, न पंडित-पुरोहित की। कार्तिक शुक्ल की षष्ठी को मनाया जाने वाला छठ पर्व कई मायनों में खास है। बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्र के ग्राम्य अंचलों में गहरी आस्था के साथ मनाया जाने वाला सूर्योपासना का यह लोकपर्व बीते कुछ सालों में समूचे देश ही नहीं, वरन अब देश के बाहर भी अत्यंत लोकप्रिय हो चुका है। माना जाता है कि छठ पर्व मनाने की षुरूआत महाभारत काल में कर्ण ने की थी। महाभारत काल में इसका प्रचलन काफी बढ़ गया था। एक कथा के अनुसार, कर्ण भगवान सूर्य का परम भक्त था। वह प्रतिदिन घंटों कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देता था। सूर्य की कृपा से ही वह महान योद्धा बना था।

रामायण महाभारत काल से है छठ का संबंध

पौराणिक कथाओं के मुताबिक 14 साल के बाद जब प्रभु श्री राम अयोध्या लौटे थे तो रावण वध के पाप से छुटकारा पाने के लिए उन्होंने ऋषि-मुनियों की सलाह पर राजसूय यज्ञ करने का निर्णय लिया. राजसूय यज्ञ के लिए मुद्गल ऋषि को बुलावा भेजा गया. लेकिन मुद्गल ऋषि ने आने का निमंत्रण आस्वीकार करते हुए श्री राम जी और माता सीता को अपने आश्रम में आने के लिए कहा। ऋषि के बुलाने पर भगवान श्रीराम और माता सीता मुद्गल ऋषि के आश्रम पहुंचे. आश्रम पहुंचने पर ऋषि ने माता सीता पर गंगा जल चिढ़ककर उन्हें पवित्र किया। जिसके बाद मुद्गल ऋषि के कहने पर सीता माता ने शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि पर सूर्यदेव की उपासना की और छठ का व्रत किया। पौराणिक कथाओं के मुताबिक जब पांडव अपना सब कुछ जुए में हार चुके थे, तब द्रौपदी ने छठ का व्रत किया था। छठ का व्रत करने से उनकी मनोकामना पूर्ण हुई, पांडवों को अपना राजपाट वापस मिल गया। एक और मान्यता के मुताबिक छठ पर्व महाभारत काल से ही होती आ रही है. माना जाता है कि सूर्य पुत्र कर्ण ने छठ पर्व की शुरुआत की थी। कर्ण सूर्यदेव के परम भक्तों में से एक थे। कर्ण के संदर्भ में कहा जाता है कि वे रोजाना कई घंटे पानी में खड़े होकर सूर्य देव को अर्घ्य देते थे। सूर्यदेव के आशीर्वाद से ही कर्ण एक महान योद्धा बने थे। छठ पर्व मुख्य रूप से बिहार, उत्तरप्रदेश और झारखंड का त्योहार है। लेकिन इस पर्व की महिमा को देखते हुए अब छठ देश ही नहीं विदेशों में भी मनाया जाता है। असीम आस्था से भरे इस पर्व को हिंदू धर्म के साथ अन्य धर्मों में भी श्रद्धा से भरी नजर से देखा जाता है।

बदलता परिवेश

कितना बदलेंगे अब रंग। दृश्य देख मन रहता दंग।।
सभी स्वार्थ के हैं इंसान। खुद संकट में डालें प्राण।।

काट रहे वन उपवन आज। करते महल बना कर राज।।
धधक रही जंगल में आग। लगा रहे कुदरत में दाग।।

सुबक रहे हैं शीशम साल। कहवा महुआ हैं बेहाल।।
चार चिरौंजी जामुन बेर। जाने कहाँ हुए हैं ढेर।।

बिखर गई चंदन की गंध। बिगड़ा नर-वन का संबंध।।
रेशम कीड़े करें विलाप। वन का नाश बना अभिशाप।।

खिले कहॉ से उपवन फूल। बची जहॉ बस मिट्टी धूल।।
धूमिल है इनकी पहचान। कल तक थे कानन की शान।।

नष्ट टहनियाँ पत्ते शाख। अंगारों में जलकर राख।।
भावुकता का घटता मोल। हे! मानव तू आँखें खोल।।

छुरी बगल में मुँह में राम। बेच लकड़ियाँ लेते दाम।।
मानव बिछा रहे हैं जाल। बुला रहे पर अपना काल।।

पुनः करो अब नव निर्माण। रहे सुरक्षित सबके प्राण।।
लें फिर नई कोंपलें श्वास। लाओ जग में नया उजास।।

रचनाकार
प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम, छत्तीसगढ़

आज का इतिहास

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज के दिन भी परिस्थितियां प्रतिकूल रहने वाली है शरीर साथ ना देने के कारण दिन के आरम्भ से ही कार्यो में विलंब होने लगेगा।

वृषः आज का दिन भी आपके लिये परिस्थिति अनुसार अनुकूल बना हुआ है लेकिन मन किसी अरिष्ट की आशंका से दिन भर भयभीत रहेगा।

मिथुनः आज का दिन आपके लिये धन धान्य वृद्धि कारण रहेगा। मौज शौक मनोरंजन पर खर्च भी राजसी करेंगे।

कर्कः आज का दिन उतार चढ़ाव से भरा रहेगा। बुद्धि विवेक प्रचूर रहेगा फिर भी कही न कही किसी न किसी गतिरोध का सामना करना पड़ेगा।

सिंहः आज का दिन उतार चढ़ाव से भरा रहेगा आज आप पहले से जो योजना बनाएंगे उसे अंत समय मे अन्य कारण से निरस्त करना पड़ेगा।

कन्याः आज का दिन संभावनाओं पर केंद्रित रहेगा आपके मन मे विविध योजनाए लगी रहेंगे।

तुलाः आज का दिन मिश्रित फलदायक रहेगा। प्रातः काल के समय सर भारी जैसा अनुभव करेंगे शरीर आलस्य में रहने के कारण दिनचार्य में विलंब होगा।

वृश्चिकः आज का दिन आपको मानसिक रूप से प्रसन्न रखेगा। उत्तम भोजन मिष्ठान के साथ आभूषण नवीन वस्त्र मिलेंगे।

धनुः आज का दिन प्रत्येक क्षेत्र में कुछ ना कुछ अभाव ही बनाएगा। जिस कार्यो को करने का प्रयास करेंगे ।

मकरः आज का दिन आपके लिए लाभालाभ वाला रहेगा जिस भी कार्य की योजना बनाएंगे परिस्थिति स्वतः ही उसके अनुकूल बनती चली जायेगी।

कुंभः आज के दिन सार्वजनिक क्षेत्र पर आपकी जैसी छवि रहेगी अंदर से उसके उलट होगी।

मीनः आज का दिन आपके लिये मिश्रित फलदायक रहेगा विद्या बुद्धि में थोड़ी कमजोरी रहेगी।

सूर्योदय : 06:36, सूर्यास्त : 05:46, चन्द्रोदय : 09:49, चन्द्रास्त :19:49, अयन : दक्षिणायणे (दक्षिण गोले), ऋतु : हेमन्त, शक सम्वत : 1947 (विश्वावसु) विक्रम सम्वत : 2082 (सिद्धार्थी), मास : कार्तिक, पक्ष : शुक्ल, तिथि : पञ्चमी, नक्षत्र : ज्येष्ठा, योग : शोभन (पूर्ण रात्रि), प्रथम करण : वणिज (14:34 तक), द्वितीय करण : विष्टि (27:48 तक)।

॥ गोचर ग्रहाः ॥

सूर्य : तुला, चंद्र : वृश्चिक, मंगल : तुला (उदित, पूर्व, मार्गी), बुध : वृश्चिक (उदय, पूर्व, मार्गी), गुरु : कर्क (उदित, पूर्व, मार्गी), शुक्र : कन्या (उदित, पश्चिम, मार्गी), शनिः मीन (उदय, पूर्व, वक्री), राहु : कुम्भ, केतु : सिंह।

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) 27वें अखिल भारतीय वन खेल महोत्सव 2024 में किस राज्य ने समग्र चैंपियन का खिताब जीता?

2) दुनिया की सबसे लंबी एक्सप्रेस वे सुरंग, तियानशेन शेंगिल सुरंग, किस देश में स्थित है?

3) चागोस द्वीपसमूह किस महासागर में स्थित है?

4) किस देश ने यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के प्रोबा-3 मिशन को लॉन्च किया है?

5) बिम्सटेक पारंपरिक संगीत महोत्सव 2025 कहां आयोजित हुआ था?

उत्तरमाला- (1) छत्तीसगढ़ (2) चीन (3) हिंद महासागर (4) भारत (5) नई दिल्ली

शब्द सागर

मुख्यमंत्री की पहल से पर्यटन के अंतर्राष्ट्रीय पटल पर उभर रहा है जशपुर

■ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल से जर्मन मेहमानों को जशपुर की जनजातीय संस्कृति ने किया मंत्रमुग्ध

रायपुर/ नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की प्रेरणा और राज्य सरकार की पर्यटन संवर्धन नीतियों के अंतर्गत जशपुर अब विश्व पर्यटन मानचित्र पर अपनी जगह बना रहा है। इसकी झलक हाल ही में तब देखने को मिली जब जर्मनी से आए पर्यटक बर्नहार्ड और फ्रांजिस्का जशपुर की जनजातीय संस्कृति, कला और आत्मीयता से गहराई से प्रभावित हुए।

दोनों पर्यटकों ने क्षेत्रीय स्टार्टअप ट्रिप्पी हिल्स के अनुभवात्मक पर्यटन कार्यक्रम के तहत जनजातीय जीवन की बारीकियों को समझा। यात्रा की शुरुआत मलार समुदाय से हुई, जो अपने उत्कृष्ट हस्तनिर्मित आभूषणों और शिल्पकला के लिए प्रसिद्ध है। इन कारीगरों की रचनात्मकता ने विदेशी मेहमानों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा के गांव में उन्होंने पारंपरिक जीवनशैली और प्रकृति के साथ गहरे संबंध को महसूस किया। वहीं अगरिया समुदाय के दौरे में लौह गलाने की पारंपरिक तकनीक का जीवंत प्रदर्शन हुआ, जिसने दोनों अतिथियों को आश्चर्यचकित कर दिया। यात्रा का समापन स्थानीय हाट-बाजार में हुआ, जहाँ रंगीन वस्त्र, मिट्टी की खुशबू और पारंपरिक जनजातीय संगीत ने जशपुर की जीवंत सांस्कृतिक धड़कन को अभिव्यक्त किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हमेशा इस बात पर बल दिया है कि जशपुर की जनजातीय संस्कृति केवल धरोहर नहीं, बल्कि पर्यटन विकास का सशक्त माध्यम भी है। उनके नेतृत्व में जशपुर में सड़क, संचार और सुविधाओं के प्रसार से नए पर्यटन मार्ग तैयार हो रहे हैं। कल्चर देवी और अनएक्सप्लॉरड बस्तर जैसे संगठनों के सहयोग से स्थानीय समुदायों को भी अपने हुनर को दुनिया के सामने लाने का अवसर मिला है। यह अनूठा सांस्कृतिक अनुभव इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति अब वैश्विक आकर्षण का केंद्र बन रही है, जहाँ परंपरा, प्रकृति और आधुनिकता का सुंदर संगम नजर आता है।

संक्षिप्त खबरें

संत नामदेव जयंती 9 नवंबर को सीएम व डिप्टी सीएम होंगे शामिल

रायपुर/नवप्रदेश। संतश्री नामदेव महाराज की 756वीं जयंती के अवसर पर श्रीनामदेव समाज विकास परिषद शाखा रायपुर के तत्वावधान में 9 नवंबर को कालीबाड़ी स्थित रवींद्र मंच में जयंती और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव सहित कई मंत्री और रायपुर जिले के विधायक, महापौर आदि प्रमुख रूप से शामिल होंगे। आयोजकों ने इस वृहद कार्यक्रम में राजधानी रायपुर समेत देशभर से हजारों की संख्या में नामदेव समाज के लोगों के शामिल होने की संभावना बताई है।

राज्यपाल ने सरस्वती शिक्षा संस्थान को प्रदान किए चार ई-रिक्शे

रायपुर/नवप्रदेश। राज्यपाल रमेन डेका ने आज राजभवन में सरस्वती शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़ रायपुर को चार ई-रिक्शे प्रदान किए। उन्होंने राजभवन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में अपने स्वेच्छानुदान मद से चार ई-रिक्शे की चाबी वाहन चालकों को सौंपी और हरी झंडी दिखाकर वाहनों को रवाना किया। इन वाहनों का उपयोग विभिन्न सरस्वती शिक्षा संस्थानों में किया जाएगा। इस अवसर पर डॉ. पुर्णेन्द्रु सक्सेना सहित संस्थान के पदाधिकारी उपस्थित थे।

राज्योत्सव व पीएम प्रवास के लिए बनाए नोडल अधिकारी

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्योत्सव और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन के कार्यक्रमों के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की है। अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ को राज्योत्सव व विधानसभा भवन लोकार्पण समेत प्रधानमंत्री के प्रवास से संबंधित सभी कार्यक्रमों के लिए प्रमुख नोडल अधिकारी बनाया गया है। प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा को ट्राईबल-आदिवासी संग्रहालय के लोकार्पण कार्यक्रम का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके अलावा सचिव एस. प्रकाश को नवीन विधानसभा उद्घाटन, सचिव भुवनेश यादव को राज्योत्सव शुभारंभ व राज्योत्सव मुख्य मंच व्यवस्था, सचिव एस. भारतीदासन को राज्योत्सव स्थल पर आयोजित प्रदर्शनी, क्रेडा के सीईओ राजेश सिंह राणा को श्री सत्य सांई संजीवनी हॉस्पिटल में आयोजित कार्यक्रम तथा आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. प्रियंका शुक्ला को ब्रम्हकुमारीज ध्यान केन्द्र उद्घाटन कार्यक्रम के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

5 हजार शिक्षक भर्ती से शिक्षा व्यवस्था को मिलेगी नई दिशा: शिक्षा मंत्री

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा 5000 शिक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया को वित्तीय स्वीकृति प्रदान करने पर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि यह निर्णय प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा और मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की प्राथमिकता हमेशा से ही गुणवत्तापूर्ण और सुलभशिक्षा सुनिश्चित करना रही है। शिक्षकों की कमी लंबे समय से शिक्षा प्रणाली को प्रभावित कर रही थी। ऐसे में यह भर्ती न केवल स्कूलों में शिक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ करेगी, बल्कि प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के हजारों नए अवसर भी उपलब्ध कराएगी। शिक्षा मंत्री ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और वित्त मंत्री ओपी चौधरी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस भर्ती प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शिता और योग्यता आधारित प्रणाली से संचालित किया जाएगा।

रायपुर में पुलिस कमिश्नरी प्रणाली जनवरी तक टलने के मिले संकेत

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी में पुलिस कमिश्नर प्रणाली नवंबर के बजाय जनवरी से लागू किए जाने के संकेत मिले हैं। दरअसल प्रणाली का अध्ययन करके उसे लागू करने के संबंध में एडीजी प्रदीप गुप्ता की अध्यक्षता में बनाई गई कमेटी ने अपनी रिपोर्ट तो सौंप दी है, लेकिन कुछ सदस्यों द्वारा इसे एक नवंबर से लागू करने में तकनीकी दिक्कत बताते हुए आपत्ति जताए जाने की चर्चा है। दरअसल ओडिशा और मप्र की प्रणाली के कुछ बिन्दुओं को शामिल करके उसे छत्तीसगढ़ के लिए प्रभावी बताया गया है, लेकिन विधानसभा में इसके लिए संकल्प पारित करने और जनवरी से शुरू होने वाले पुलिस के वर्किंग ईयर को इसका आधार बताया गया है। दूसरी तरफ रायपुर पुलिस कमिश्नर कार्यालय के लिए पुराने पीएचक्यू भवन को उपयुक्त माना गया है, लेकिन वहां दफ्तर शुरू करने कोई तैयारी भी 24 अक्टूबर तक नजर नहीं आई है। इस भवन में पहले से ही कई दफ्तर चल रहे हैं।

एडीजी या आईजी हो सकते हैं पहले पुलिस कमिश्नर रायपुर पुलिस कमिश्नरी के पहले कमिश्नर एडीजी या आईजी स्तर के अधिकारी हो सकते हैं। उनके अधीन दो जोन में दो एसएसपी या एसपी डीसीपी के रूप में तैनात किए जाएंगे। इनके नीचे एसीपी के रूप में एसपी या एएसपी व सीएसपी स्तर के अधिकारी काम करेंगे। जिनके जिम्मे चार से लेकर दो थानों की जिम्मेदारी होगी। वर्तमान में जिले में एसएसपी पदस्थ हैं और एएसपी सिटी, एएसपी ग्रामीण, एएसपी वेस्ट, एएसपी नवा रायपुर, एएसपी क्राइम, एएसपी महिला अपराध, एएसपी प्रोटोकाल और एएसपी ट्रैफिक पद पर 8 अधिकारी तैनात हैं।

इनके सुपरविजन में सिविललाइंस, आजाद चौक, पुरानीबस्ती, विधानसभा, माना, नवा रायपुर, उरला और डीएसपी मुख्यालय में 8 (डीएसपी) नगर पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी तैनात हैं। लेकिन कमिश्नरी के लिए कम से कम 60 अधिकारियों और अतिरिक्त स्टाफकी जरूरत पड़ेगी।

जिला व कार्यपालिक दंडाधिकारी की तरह फैसले ले पाएंगे पुलिस अफसर

पुलिस कमिश्नरी में कमिश्नर जिला दंडाधिकारी (कलेक्टर) और उनके अधीन डीसीपी और एसीपी कार्यपालिक दंडाधिकारी की तरह फैसले ले पाएंगे। इससे अपराधियों पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई संभव हो सकेगी। कानून व्यवस्था की स्थिति निर्मित होने पर लाठीचार्ज या अन्य कड़ाई के आदेश पुलिस अधिकारी जारी कर सकेंगे। जिसका अधिकार अभी तहसीलदार या एडीएम के पास है। इसी तरह धरना-प्रदर्शन समेत शहरी क्षेत्र में किसी भी तरह की सभा की अनुमति भी पुलिस अधिकारी देंगे। हिस्ट्रीशीटरों के जिला बदर के मामले भी पुलिस आयुक्त सुनेंगे। किसी को पुलिस हिरासत में लेने के अलावा गुंडा एक्ट, गैंगस्टर एक्ट और रासुका जैसी कड़ी कार्रवाई करने में पुलिस खुद सक्षम होगी। होटल, बार और हथियारों के लाइसेंस जारी करने, धरना-प्रदर्शन की अनुमति देने के लिए अभी पुलिस से रस्म अदायगी के रूप में एनओसी या राय ली जाती है। लेकिन कमिश्नर प्रणाली में ये अधिकार भी पुलिस के पास होंगे।

कैबिनेट में प्रस्ताव लाकर सरकार तय कर सकती हैं 1 नवंबर या कोई भी तारीख

पीएचक्यू सूत्रों के मुताबिक किसी भी आपत्ति को दरकिनार करने या कमिश्नर प्रणाली लागू करने की तारीख का फैसला करने का अधिकार सरकार के पास है। कैबिनेट में प्रस्ताव लाकर कमिश्नरी की तारीख की घोषणा राज्योत्सव में पीएम मोदी के जरिये कराई जा सकती है। चर्चा है कि शुरुआत में आईजी स्तर के अधिकारी को कमिश्नर की जिम्मेदारी दी जाएगी। हालांकि एडीजी की पदस्थापना का भी विकल्प रहेगा।

रिंग फाइट कैंप में खिलाड़ियों ने श्रेष्ठ प्रदर्शन करने बहाया पसीना

■ सात दिवसीय शिविर के बाद छत्तीसगढ़ रिंग फाइट एसोसिएशन की टीम 12 दिसंबर को होगी रवाना

रायपुर/नवप्रदेश। पश्चिम बंगाल में 12 से 14 दिसंबर तक होने वाले 9वें नेशनल रिंग फाइट चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए छत्तीसगढ़ रिंग फाइट एसोसिएशन तैयारी में जुट गई है। छत्तीसगढ़ रिंग फाइट एसोसिएशन और महाराष्ट्र मंडल रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में 23 अक्टूबर से मंडल के संत ज्ञानेश्वर विद्यालय में रिंग फाइट प्रशिक्षण शिविर लगाया जा रहा है। पहले दिन कैंप में पहुंचे खिलाड़ियों ने खूब पसीना बहाया।

छत्तीसगढ रिंग फाइट एसोसिएशन की उपाध्यक्ष गीता श्याम दलाल ने बताया कि एक सप्ताह तक चलने वाले इस शिविर के पहले दिन खिलाड़ियों के साथ उनके परिजनों ने भी सहभागिता निभाई। कैंप में शामिल खिलाड़ियों को एसोसिएशन के सचिव और कोच ओपी कटारिया, संत ज्ञानेश्वर स्कूल की खेल शिक्षिका ज्योति साहू ट्रेनिंग दे रहीं हैं। शिविर की समाप्ति पर छत्तीसगढ़ रिंग फाइट एसोसिएशन की अधिकृत टीम घोषित की जाएगी, जो 12 दिसंबर तक नेशनल रिंग फाइट चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए पश्चिम बंगाल रवाना होगी।गीता दलाल के मुताबिक पहले दिन पणवी ओगले, अवनीश जायसवाल, अभिमन्यु कुमार, वेदांत साहू, गौरव हेमने, आयुष्मान कालेले, विहान कालेले, वर्तिका क्षीरसागर शिविर में शामिल हुए और जमकर अभ्यास भी किया। इस अवसर पर एसोसिएशन के प्रवीण क्षीरसागर और परिजन में पवन ओगले, डा. रंजिता जायसवाल और भागीरथ कालेले शामिल हुए।

राज्य आंदोलनकारी स्थल पर छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा का अनावरण

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के 26वें राज्योत्सव का आयोजन 31 अक्टूबर से 1 नवंबर तक राजधानी रायपुर में होगा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ महतारी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण राज्य आंदोलनकारी स्थल पर होगा। छत्तीसगढ़ का गठन 1 नवंबर 2000 को स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में हुआ था, जो स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, बुद्धिजीवियों, पत्रकारों, किसानों, मजदूरों और युवाओं के संघर्ष का परिणाम था। इस बार राज्योत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ छत्तीसगढ़ी भवन के समक्ष दूध मोंगरा के 45 कलाकारों द्वारा प्रदर्शन और आतिशबाजी होगी।

राज्य आंदोलनकारियों ने छत्तीसगढ़ की वर्तमान स्थिति पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि राज्य के नेता, आईएएस और आईपीएस भ्रष्टाचार में लिप्त हैं, जो छत्तीसगढ़ का शोषण कर रहे हैं। आंदोलनकारियों ने मंत्री, संतरी, सचिव छोड़, छत्तीसगढ़वासी है सीधवा का नारा देते हुए बाहरी लोगों द्वारा संसाधनों के दुरुपयोग पर चेतावनी दी है। उनका आरोप है कि अवैध शराब और उद्योगों से सत्ताधारी दलों को सैकड़ों करोड़ रुपये मिल रहे हैं, जिससे प्रशासनिक भ्रष्टाचार बढ़ रहा है। कई अधिकारी जेल में हैं, फिर भी यह सिलसिला थम नहीं रहा।

उन्होंने रायपुर को पुलिस कमिश्नरी बनाने के फैसले पर सवाल उठाया, इसे सत्ताधारी दल की सेना बनाने की साजिश बताया। उनकी मांग है कि पहला पुलिस कमिश्नर छत्तीसगढ़ का स्थानीय व्यक्ति हो। पिछले 3 वर्ष 8 माह से गांधीवादी अहिंसा के आधार पर चल रहे आंदोलन ने भ्रष्टाचार और अवैध उद्योगों को उजागर किया है। राज्योत्सव में दीनदयाल वर्मा, हरिशंकर दुबे, अनिल दुबे सहित कई आंदोलनकारी उपस्थित रहेंगे। यह आयोजन छत्तीसगढ़ की संस्कृति और संघर्ष की गाथा को जीवंत करेगा।

मंत्रालय में बिना अनुमति के अटैच अफसरों को कक्ष आवंटन नहीं

रायपुर/नवप्रदेश। मंत्रालय (महानदी भवन) के अंतर्गत विभागों में अधीनस्थ कार्यालयों के अधिकारियों को सामान्य प्रशासन विभाग से बिना सहमति के संलग्न या पदस्थ किए जाने पर कक्ष आवंटन की पात्रता नहीं होगी। राज्य शासन ने इस संबंध में सभी विभागों के निर्देश जारी किए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग के अनुसार विभाग द्वारा मंत्रालय के अंतर्गत विभागों में अधीनस्थ कार्यालयों के अधिकारी-कर्मचारियों को संलग्न या पदस्थ करने के संबंध में पूर्व में निर्देश प्रसारित किए गए हैं। इन निर्देशों के बावजूद कुछ विभागों द्वारा बिना सामान्य प्रशासन विभाग की अनुमति के अपने स्तर पर विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों को मंत्रालय में संलग्न या पदस्थ करने की कार्यवाही की जा रही है। इसके बाद कक्ष आवंटित करने के लिए प्रस्ताव भी प्रेषित किए जा रहे हैं।

जबकि यह कार्यवाही नियम-प्रक्रिया के अनुकूल नहीं है। विभागों द्वारा इन निर्देशों का कड़ाई से पालन नहीं किए जाने और मंत्रालय में बैठक व्यवस्था के लिए कक्ष सीमित होने के फलस्वरूप अधिकारियों को कक्ष आवंटन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में मंत्रालय में शासकीय कार्यों का संपादन ई-ऑफिस के माध्यम से किया जा रहा है। इसके कारण मंत्रालय के विभिन्न विभागों में अधीनस्थ कार्यालय से पदस्थ या संलग्न अधिकारी अपने मूल कार्यालय स्थल से ई-ऑफिस के माध्यम से शासकीय कार्य संपादित कर सकते हैं।

विवाद और आरोपों के बीच ड्राइवरों की हड़ताल शुरू

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ ड्राइवर महासंघ ने 11 सूत्रीय मांगों को लेकर 25 अक्टूबर से स्टेयरिंग छोड़ चक्काजाम आंदोलन का आह्वान किया है। आंदोलन की तैयारियों को लेकर महासंघ के पदाधिकारी प्रदेश भर में एक महीने से जनसंपर्क कर रहे हैं। दो-तीन दिनों से कई ड्राइवर संगठनों और ट्रक यूनियनों द्वारा हड़ताल को समर्थन नहीं देने की घोषणा की जा रही है। वहीं गुरुवार और शुक्रवार को बलौदाबाजार, भानुप्रतापपुर, बस्तर समेत कई और जिलों में ड्राइवरों को जबरदस्ती हड़ताल में शामिल करके वाहनों को रूकवाए जाने की आशंका जताते हुए पुलिस से शिकायत की गई है। जिसमें जबरदस्ती चंदा वसूली के आरोप लगाए गए हैं।

पूर्ण शराबबंदी समेत कई मांगों से नाराजगी

हड़ताल से परिवहन संगठनों को कारोबार प्रभावित होने की आशंका है। वहीं रायपुर समेत कई यूनियनों ने महासंघ द्वारा आंदोलन को लेकर कोई चर्चा नहीं करने और समर्थन नहीं मांगने की बात कही गई है। जबकि 11 सूत्रीय मांगों में राज्य में पूर्ण शराबबंदी जैसी मांग को लेकर हड़ताल किए जाने पर भी आपत्ति जताई गई है। वहीं ड्राइवर सुरक्षा कानून, वेलफेयर बोर्ड के गठन, मृत्यु पर दस लाख और अपंगता पर 5 लाख देने, चालक हेल्थ कार्ड जारी करने, 55 वर्ष की आयु पर पेंशन, शिक्षा एवं नौकरी में ड्राइवरों के बच्चों को आरक्षण की मांग शामिल है। रायपुर, बस्तर, कोंडागांव, लखनपुरी, बलौदाबाजार समेत कई जिलों के ड्राइवर संगठनों ने जबरदस्ती वाहन रूकवाचे जाने पर तत्काल पुलिस से शिकायत करने की अपील अपने सदस्यों से की है।

खेत गीला होने से फसल की कटाई लागत हुई दोगुनी

रायपुर/नवप्रदेश। लगातार हुई बारिश के कारण इस बार खेतों में नमी सामान्य से कहीं अधिक बनी हुई है। हरहुना धान की कटाई का समय आने के बावजूद खेतों में गीलापन इतना है कि सामान्य हार्वेस्टर मशीन से कटाई संभव नहीं हो पा रही है। ऐसे में किसानों को मजबूरीवश चेन वाली हार्वेस्टर मशीनों का सहारा लेना पड़ रहा है, जिसकी कटाई दर सामान्य हार्वेस्टर से लगभग दोगुनी बताई जा रही है।

ग्रामीण अंचलों में किसानों ने बताया कि इस वर्ष धान की फसल पहले से ही बीमारी, कीट प्रकोप और तेज हवा-बारिश के चलते प्रभावित रही है। अब जब कटाई

का समय आया है, तो खेतों की स्थिति ने और मुश्किलें बढ़ा दी हैं। जिन खेतों में पहले एक एकड़ धान कटाई का खर्च सामान्य हार्वेस्टर से करीब 1500 से 1800 रुपये आता था ।

दो बाइकों की आमने-सामने भीषण टक्कर एक की मौत, महिला समेत तीन घायल

नवापारा राजिम/नवप्रदेश। नवापारा इलाके में दो बाइको की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो महिला समेत चार अन्य घायल हो गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच में जुट गई है। घटना गोबरा नवापारा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार, नवापारा-कुरुद मार्ग पर दुलना गांव के पास दो बाइकों की आमने-सामने जबरदस्त टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो महिला समेत चार अन्य घायल हो गए। घटना के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर गोबरा नवापारा पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को नवापारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पहचान 55 वर्षीय केवल साहू के रूप में हुई है, जो खिसोरा (हसदा) के रहने वाले थे। केवल अपनी पत्नी लता साहू और बेटी दीपाली साहू के साथ सवार थी। दोनों घायल हो गई। जबकि दूसरी बाइक में सवार पटेवा निवासी रिंकू ध्रुव (25), ताराचंद साहू (25) भी घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। फिलहाल पुलिस घटना की जांच कर रही है।

वोट चोर गद्दी छोड़-अंतागढ़ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का वोट चोरी रोकने हस्ताक्षर अभियान

अंतागढ़ / नवप्रदेश। लोकतंत्र की रक्षा और मतदाता के अधिकारों की सुरक्षा के उद्देश्य से अंतागढ़ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा आज ÷वोट चोर गद्दी छोड़÷ कार्यक्रम के अंतर्गत ÷वोट चोरी रोकने हेतु हस्ताक्षर अभियान÷ चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य जनता को जागरूक करना है ताकि किसी भी प्रकार की वोट चोरी, ईवीएम में छेड़छाड़ या चुनावी अनियमितताओं के खिलाफएक सशक्त जनमत तैयार हो सके।

इस हस्ताक्षर अभियान के माध्यम से भारत के चुनाव आयोग से मतदाता सूची के प्रशासन में नाम के विलोपन और जोड़ने की प्रक्रिया, शिकायत निवारण प्रणाली तथा अन्य आवश्यक सुधारो की मांग की गई है ताकि भारत के वास्तविक नागरिक को मतदाता सूची में हेर फेर के द्वारा मताधिकार के प्रयोग से वंचित न किया जा सके।

हमारा लोकतंत्र वोट की शक्ति पर टिका है और आज यह नींव ही खतरे में है। कई लोगों और कुछ चुने हुए समुदायों को निशाना बनाया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी इस वोट चोरी की निंदा करती है। चुनाव आयोग से आवश्यक सुधार की मांग करती है, ताकि किसी प्रकार की हेरा फेरी से किसी को भी वोट के अधिकार से वंचित न किया जा सके।

कार्यक्रम का शुभारंभ ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश चंदेल के नेतृत्व में किया गया। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, युवजन कांग्रेस, महिला कांग्रेस, एवं एनएसयूआई के पदाधिकारी इस मौके पर उपस्थित रहे। नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए हस्ताक्षर कर लोकतंत्र की रक्षा का संकल्प लिया।

इस अवसर पर विश्राम सिंह गावड़े ने कहा कि वर्तमान समय में लोकतंत्र और जनता की आवाज पर हमला किया जा रहा है। सत्ता में बैठे लोग जनता के वोट की ताकत को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगी और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी।

न्यूज गैलरी

अर्धनग्न हालत में मिला युवक का शव, हत्या या हादसा जांच में जुटी पुलिस

अभनपुर/नवप्रदेश। अभनपुर इलाके में एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना रायपुर जिले के अभनपुर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, शनिवार को अभनपुर के उपरपारा श्मशान घाट के पास स्थानीय लोगों ने एक युवक का शव देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। बताया जा रहा है कि मृतक मानसिक रूप से बीमार था। वह पहले एक प्राइवेट गोदाम में काम करता था और शराब का आदी था। पुलिस ने शव का शुरुआती मुआयना कर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।पुलिस का कहना है कि मौत का असली कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा। शुरुआती जांच में लग रहा है कि मौत ज़्यादा शराब पीने से हुई होगी। फ्लिहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है।

वृद्ध से 7 लीटर महुआ शराब जब्त

महासमुंद/ नवप्रदेश। सरायपाली पुलिस ने ग्राम बालसी में 7 लीटर अवैध शराब के साथ ने एक वृद्ध को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पानी टंकी के पास एक व्यक्ति को घेराबंदी कर पकड़ा। उन्होंने नाम-पता पूछने पर ग्राम नूनपानी निवासी सुरेश भारती (64) बताया। उसके कब्जे से एक जरकीन में 7 लीटर महुआ शराब (कीमत 1400 रुपए) जब्त कर 34(2) के तहत कार्रवाई की गई है।

ड्राइवर महासंघ का मांगों को लेकर नगरी में जंगी प्रदर्शन

- मूलभूत सुविधाओं की कमी से जूझ रहे ड्राइवर वर्ग ने सरकार को चेताया, मांगे नहीं मानी गईं तो उग्र आंदोलन की चेतावनी
- बस, ट्रक और गाड़ियों के पहिए थमे

नगरी/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ ड्राइवर महासंघ (पंजीयन क्रमांक 115796) ब्लॉक नगरी (सिहावा क्षेत्र), जिला धमतरी के बैनर तले शनिवार को ड्राइवर समुदाय ने अपनी प्रमुख मांगों को लेकर नगरी के रावणभाठा मैदान में जोरदार प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में पहुंचे ड्राइवरों ने शासन-प्रशासन का ध्यान अपनी समस्याओं की ओर आकर्षित कराया और कहा कि यदि जल्द ही समाधान नहीं हुआ, तो प्रदेशभर में वाहन संचालन बंद करने को वे बाध्य होंगे।

महासंघ के पदाधिकारियों ने बताया कि ड्राइवर वर्ग वर्षो से मूलभूत सुविधाओं की कमी से जूझ रहा है। शासन को कई बार ज्ञापन दिए जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इसी कड़ी में महासंघ द्वारा पूर्व में 21 अक्टूबर 2024 और 19 मई 2025 को भी ज्ञापन सौंपे गए थे, परंतु सरकार की ओर से कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई।महासंघ के अध्यक्ष चरण लाल साहू ने कहा कि ड्राइवर समाज प्रदेश के परिवहन तंत्र की रीढ़ है, लेकिन उनकी सुरक्षा, सुविधा और सम्मान की लगातार अनदेखी की जा रही है। उन्होंने कहा कि शासन से बार-बार निवेदन के बावजूद कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया, जिससे ड्राइवर वर्ग में भारी असंतोष व्याप्त है।

ज्ञापन में रखी गई मुख्य मांगें इस प्रकार हैं –

छत्तीसगढ़ राज्य परिवहन निगम की पुनः स्थापना की जाए।. ड्राइवरों के लिए बीमा सुविधा एवं सुरक्षा कानून लागू किया जाए।

. ड्राइविंग लाइसेंस नवीनीकरण प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया जाए।. ड्राइवर व उनके परिवारों को स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में शामिल किया जाए।

त्योहारों के अवसर पर विशेष भत्ता प्रदान किया जाए।महासंघ ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि 25 अक्टूबर 2025 तक शासन द्वारा ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो पूर प्रदेश में प्रदशन किया जायेगा जिसमें प्रदर्शन के दौरान नगरी सहित आसपास के क्षेत्रों में बस, ट्रक, मोटर, डंपर, हाईवा और अन्य वाहनों के पहिए थमे रहे, जिससे परिवहन व्यवस्था कुछ समय के लिए ठप पड़ गई।ड्राइवर समुदाय ने कहा कि यह आंदोलन किसी राजनीतिक उद्देश्य से नहीं, बल्कि अपने अधिकारों और सम्मान के लिए है। उन्होंने आशा जताई कि शासन उनकी मांगों पर संवेदनशीलता दिखाएगा, ताकि आंदोलन की नौबत न आए।

अधिकारी एवं कर्मचारी संगठन का सफल सांस्कृतिक कार्यक्रम

राजिम/नवप्रदेश। ग्राम-भैंसातरा में मातर महोत्सव के अवसर पर अधिकारी एवं कर्मचारी संगठन द्वारा एक भव्य सम्मान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन सरपंच अंजलि ध्रुव के आतिथ्य एवं ओम प्रकाश साहू की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य के लिए गांव के वृद्धजनों, कर्मचारियों, बच्चों एवं ग्राम पंचायत व ग्राम विकास समिति के सदस्यों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गयाद्य सांस्कृतिक प्रस्तुति में सुवा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति द्वारा छत्तीसगढ़ की संस्कृति की झलक प्रस्तुत की गईद्य अंत में सरपंच द्वारा कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए संगठन की सराहना की गई साथ ही अध्यक्ष महोदय द्वारा सभी प्रतिभागियों, समस्त ग्राम वासियों का हृदयतल से आभार व्यक्त किया और संगठन की सहयोग की भावना की सराहना करते हुए सभी सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में महती भूमिका निभाने वाले विभिन्न विभागों के कर्मचारी धन्नाराम साहू, अशोक मानिकपुरी, नूतन साहू, उमेन्द्र साहू, टोमन ध्रुव, बेदराम साहू, पुहुप मानिकपुरी, रणजीत सेन, नारायण साहू, डिगेश्वर साहू (राज्यपाल सम्मानित शिक्षक) जितेंद्र साहू, रामगुलाल दीवान,

छिपली में 26 को भव्य राज्य स्तरीय डीजे डांस प्रतियोगिता का आयोजन

नगरी/नवप्रदेश। दीपावली के पावन अवसर पर नगरी विकासखंड के ग्राम छिपली में उत्सव का माहौल देखने को मिलेगा। जय बजरंग युवा संगठन के तत्वावधान में आगामी 26 अक्टूबर 2025, रविवार की रात्रि 8 बजे से भव्य राज्य स्तरीय डी.जे. डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से नृत्य दल एवं कलाकार भाग लेंगे। आयोजन समिति ने बताया कि प्रतियोगिता में सामूहिक, युगल और एकल नृत्य श्रेणियों में प्रतिभागियों को अपनी कला प्रदर्शन का सुनहरा अवसर मिलेगा। मंच को आकर्षक रूप से सजाया जाएगा और निर्णय के लिए अनुभवी निर्णायकों को आमंत्रित किया गया है। पुरस्कार विवरण - सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता प्रथम पुरस्कार – 15,001 द्वितीय पुरस्कार – 10,001 तृतीय पुरस्कार – 7,001 चतुर्थ पुरस्कार – 3,001युगल नृत्य प्रतियोगिता प्रथम पुरस्कार 6,001 द्वितीय पुरस्कार – 5,001 तृतीय पुरस्कार 4,001 चतुर्थ पुरस्कार – 2,501एकल नृत्य प्रतियोगिता प्रथम पुरस्कार – 4,001 द्वितीय पुरस्कार – 3,001 तृतीय पुरस्कार – 2,001 चतुर्थ पुरस्कार – 1,001क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के दौरान महाकालेश्वर क्रिकेट क्लब छिपली द्वारा आयोजित नौ दिवसीय पंचायत स्तरीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह भी किया जाएगा। विजेता टीमों को आकर्षक पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा।

जिसमे आयोजन को सफल बनाने में जुटे पदाधिकारी आयोजन को भव्य बनाने में समिति के अध्यक्ष वामन साहू, उपाध्यक्ष पारसमणि, सचिव गीतेश्वर निषाद, सहसचिव लुकेश कश्यप, कोषाध्यक्ष लक्ष्मीकांत देव, संरक्षक हरिश साहू, सुमित देव सहित संगठन के सभी सदस्य तैयारी में जुटे हुए हैं।

ग्राम छिपली में दीपावली की रात्रि सांस्कृतिक झंकार और खेल सम्मान के इस आयोजन से गांव में उल्लास और उत्साह का माहौल रहेगा।

बालाजी होटल को पुलिस ने किया सील

- कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की मौजूदगी पुलिस ने की कार्रवाई, मौके से होटल संचालक रहा गायब

महासमुंद। जिला मुख्यालय के रायपुर रोड पर स्थित बालाजी होटल के तीसरी मंजिल में बुधवार की रात जुआ खेलाने के मामले में कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पुलिस ने शनिवार को होटल को सील कर दिया गया है। पुलिस होटल का कमरा खाली कराने दौरान संदिग्ध रूप से चेहरा ढंकी हुई 6-7 युवतियों को भी होटल से बाहर निकाला गया।

कार्यपालिक मजिस्ट्रेट जुगल किशोर पटेल, डीएसपी अजय शंकर त्रिपाठी, सिटी कोतवाली प्रभारी शरद दुबे पुलिस बल समेत शनिवार के करीब 2.30 बजे कोयला घोटाले के आरोपी सूर्यकांत तिवारी के करीबी अजय नायडू के रायपुर रोड स्थित बालाजी होटल पहुंची। पुलिस टीम ने पहले तो होटल के सभी कमरे को खाली कराया। रिसेप्शनिस्ट के साथ पुलिस ने लाइट बंद कराई फिर डायनिंग हॉल को लॉक किया। पूरे होटल स्टाफ को बाहर निकाला और मेन गेट को सील कर दिया। इस पूरी कार्रवाई के दौरान बालाजी होटल के संचालक अजय नायडू गायब रहे। नव प्रदेश ने होटल संचालक अजय नायडू को छोड़कर 18 जुआरियों पर अपराधिक मामला कायम कर गैर जमानती धाराओं में थाने से रिहा किए जाने की खबर प्रकाशित करने के बाद हरकत में आई पुलिस ने 4 दिन बाद बालाजी होटल पर कार्रवाई करते हुए सील किया है। होटल का कमरा खाली कराने के दौरान स्टाफ के अलावा पुलिस ने होटल कमरे से चेहरा ढंकी हुई 6-7 संदिग्ध युवतियों को भी निकाला। पुलिस ने बालाजी होटल को सील की कार्रवाई करने से पहले होटल का रजिस्ट्रेड डॉक्यूमेंट नगर पालिका से मंगाया गया। इसकी जानकारी सब डिविजनल मजिस्ट्रेट के पास भेजा गया। इसके बाद सील की कार्रवाई की गई।

बालाजी होटल में 22-23 तारीख की दरमियानी रात बालाजी होटल में जुआ चलने की सूचना मुखबिर के जरिए मिली। पुलिस टीम ने रेड किया, वहां से 18 जुआरी से 7.64 लाख कैश, 10 वाहन और 19 मोबाइल फोन जब्त किया था। इन जुआरियों पर छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3 (2), 5 और बीएनएस 2023 की धारा 111, 112 के तहत बालाजी होटल को भी सील किया गया है। फिलहाल होटल संचालक अजय नायडू की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

संत रामपाल जी महाराज की 'अन्नपूर्णा मुहिम' के तहत असहाय परिवार को मिला नया पक्का आवास,

अन्नपूर्णा मुहिम' पूरे देश में मानवता की सेवा का प्रतीक बनी – इन्द्र साव

भाटापारा/नवप्रदेश मानवता ही सच्ची सेवा है जैसे भाव के साथ संत रामपाल जी महाराज की अन्नपूर्णा मुहिम पूरे देश में मानवता की सेवा का प्रतीक बन चुकी है,उक्त बाते विधायक इन्द्र साव ने नगर के शहीद वीर नारायण वार्ड हाऊसिंग बोर्ड कालोनी के पास में निवासरत बेसहारा गरीब जानकी यादव और बेटी मिलापा यादव को उनके नए मकान की चाबी सौंपते हुए कही,अपना नया आशियाना पाकर मां बेटी बहुत प्रसन्न होकर संत रामपाल जी की इस सेवा को नमन किया।

विदित हो कि संत रामपाल जी महराज के नेतृत्व में संचालित विशाल सामाजिक उत्थान अभियान के तहत भाटापारा शहर में एक अत्यंत निर्धन और असहाय परिवार को एक सुरक्षित और गरिमापूर्ण पक्का आवास की चाबी विधायक इन्द्र साव के मुख्य आतिथ्य में उन्हें सौंपी गई। यह मानवीय पहल उनके 'रोटी, कपड़ा, चिकित्सा, शिक्षा और मकान' के पंच-संकल्प के तहत 'अन्नपूर्णा मुहिम' का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य देशभर के जरूरतमंद परिवारों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना है।इस दौरान विधायक इन्द्र साव ने कहा कि

जिस परिवार को यह घर सौंपा गया, वह वर्षों से एक जर्जर झोपड़ी में रह रहा था, जो हर बारिश और तूफान में ढहने के खतरे में रहता था। संत रामपाल जी महाराज की प्रेरणा से, उनके अनुयायियों ने सामूहिक श्रमदान और आर्थिक सहयोग से इस परिवार के लिए एक मजबूत, सम्मानजनक आवास का निर्माण किया। यह केवल ईंट और सीमेंट का ढांचा नहीं, बल्कि उस परिवार के लिए सुरक्षा, सम्मान और नई जिंदगी की शुरुआत का प्रतीक है जिसके लिए संत रामपाल जी महराज की सेवा मानवता की यही सच्ची सेवा है। विधायक इन्द्र साव ने कहा कि संत रामपाल जी की अन्नपूर्णा।मुहिम पूरे देश में मानवता की सेवा का प्रतीक बन चुकी है।

पेज 1 का शेष

पंडवानी से प्रदेश को दुनिया भर...

विधायक साजा श्री ईश्वर साहू, राज्य तेल घानी बोर्ड के अध्यक्ष श्री जितेंद्र साहू, पूर्व मंत्री श्रीमती रमशीला साहू एवं श्री जागेश्वर साहू, पूर्व विधायक श्री लाभ चंद बाफना एवं डॉ. दयाराम साहू, जिला पंचायत दुर्ग की अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती बंजारे, दुर्ग नगर निगम की महापौर श्रीमती अलका बाघमार भी सम्मलित हुए।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि पंडवानी एक ऐसी विधा है, जिसके माध्यम से छत्तीसगढ़ को दुनिया भर में पहचान मिली है। दुनिया के हर कोने में हमारे पंडवानी कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया है। न्यूयार्क से लेकर पेरिस और लंदन तक महाभारत की कथाओं पर आधारित हमारे पंडवानी गायन को लोगों ने सुना और सराहा है। पद्मश्री डा. उषा बारले जी हमारे बीच मौजूद हैं। उन्होंने अपने पंडवानी गायन के माध्यम से आप सभी का मनोरंजन किया होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मुझे पंडवानी के पुरोधा स्वर्गीय झाडूराम देवांगन जी की स्मृति भी हो रही है। हाथ में तंबूरा लेकर जब वे अपनी रोचक प्रस्तुति देते थे तो दर्शक गण मंत्र मुग्ध हो जाते थे। पंडवानी गायन में हमारी महिला कलाकारों को भी विशेष सफलता मिली है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मुझे विशेष रूप से स्वर्गीय लक्ष्मी बंजारे जी का स्मरण हो रहा है। पद्म पुरस्कार देश की विभूतियों को प्राप्त होते हैं। यह छत्तीसगढ़ का सौभाग्य है कि हमारी धरती पर तीजन बाई जैसी कलाकार हुई हैं जिन्हें पद्मश्री, पद्मभूषण और पद्मविभूषण तीनों ही सम्मान प्राप्त हुए हैं। जब तंबूरा लेकर वे आलाप भरती हैं तो आकाश के देवी-देवता भी उन्हें जरूर सुनते होंगे। उन्होंने बताया कि अनेक अवसरों पर तीजन बाई जी की पंडवानी मैंने सुनी है। श्याम बेनेगल की भारत एक खोज में तीजन बाई के पंडवानी गायन के दृश्य अपार आनंद और उत्सुकता से भर देते हैं। पंडवानी हमारी धरोहर है। आज पंडवानी महासम्मेलन के कार्यक्रम का आयोजन कर आप लोगों ने इस धरोहर को सहेजने और आने वाली पीढ़ी तक इसे बढ़ाने के लिए बहुत अच्छा कार्य किया है। हम लोगों ने बचपन से रामलीला मंडलियों के माध्यम से रामायण की कहानियां सुनी और पंडवानी के माध्यम से महाभारत की कहानियां सुनी। पीढ़ी दर पीढ़ी रामायण और महाभारत की कहानियां इन्हीं लोककलाकारों के माध्यम से आम जनता तक पहुंचती रही है।

राजधानी घूमने आएंगे सरेंडर ...

अपने परिजनों से बात कर सकें इसके लिए सरकार हर एक सरेंडर नक्सली को फ्री में मोबाइल भी देगी। गृहमंत्री विजय शर्मा ने जल्द ही फोन उपलब्ध कराने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। गृहमंत्री शर्मा ने कहा कि हथियार छोड़े आए नक्सलियों को समाज की मुख्यधारा से जोडने की यह एक कोशिश है।

भारत ने यूएन में पाक...

अपने कब्जे वाले कश्मीर में सेना के माध्यम से जनता का दमन कर रहा है। उन्होंने कहा कि पीओके की जनता अब पाकिस्तानी सैन्य उत्पीडन और संसाधनों के अवैध दोहन के खिलाफ खुले विद्रोह पर उतर आई है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि हरीश परवथनेनी ने कहा, 'पाकिस्तान अपने अवैध कब्जे वाले क्षेत्रों में जारी गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों को रोके, जहां जनता उसकी सैन्य बर्बरता और शोषण के खिलाफ सड़कों पर उतर आई है।

पीयूष गोयल ने बर्लिन में ...

नीतिगत पहल और सुधरे हुए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस का लाभ उठाकर अपनी साझेदारी को कैसे मजबूत कर सकता है।

जल्दबाजी में नहीं होगा कोई व्यापार सौदा

गोयल ने साफ किया कि भारत किसी भी व्यापार समझौते पर 'जल्दबाजी' में हस्ताक्षर नहीं करेगा। उन्होंने जोर दिया कि नई दिल्ली व्यापार समझौतों को गहरा विश्वास और साझेदारी बनाने के अवसर के रूप में देखती है। उन्होंने कहा भारत कभी भी जल्दबाजी में या उस क्षण के दबाव में फैसले नहीं लेता है। उन्होंने माना कि टैरिफ उन पर हैं, और वे इससे उबरने के तरीकों पर विचार कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि भारत नए बाजारों की तलाश कर रहा है और देश के अंदर 'मजबूत मांग प्रोत्साहन' पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। गोयल ने पैनल डिस्कशन के दौरान अमेरिकी टैरिफ का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हम ये देख रहे हैं कि टैरिफ को कैसे दूर किया जाए और हम नए बाजारों की तलाश कर रहे हैं, साथ ही भारतीय अर्थव्यवस्था के अंदर मजबूत मांग प्रोत्साहन पर भी ध्यान दे रहे हैं।

अटूट साझेदारी के साथ ...

बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी में 2 चौके शामिल रहे, जबकि कैरी ने 37 गेंदों में 24 रन बनाए। इनके अलावा, कूपर कोनोली ने 23 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। भारत की तरफ से हर्षित राणा ने 39 रन देकर 4 शिकार किए, जबकि वाशिंगटन सुंदर ने 2 सफलताएं हासिल कीं। इसके जवाब में शुभमन गिल और रोहित शर्मा की सलामी जोड़ी ने 10.2 ओवरों में 69 रन की साझेदारी की। गिल 26 गेंदों में एक छक्के और 2 चौकों की मदद से 24 रन बनाकर आउट हुए। यहां से रोहित शर्मा ने विराट कोहली के साथ मिलकर मोर्चा संभाला। इन दोनों बल्लेबाजों ने 169 गेंदों में 168 रन की अटूट साझेदारी करते हुए भारत को महज 38.3 ओवरों में जीत दिलाई। रोहित 125 गेंदों में 121 रन बनाकर नाबाद रहे। उनकी इस पारी में 3 छक्के और 13 चौके शामिल रहे। वहीं, कोहली ने 81 गेंदों में 7 चौकों के साथ 74 रन बनाए।

गडकरी के पास ...

(ग्रे साड़ी) एक ही सोफे पर बैठी थीं। अचानक दोनों के बीच विवाद बढ़ा और मधले ने जोशी को कोहनी से धक्का दिया, उनका हाथ झटका और यहां तक कि चिकोटी भी काट दी। यह पूरा वाकया कैमरे में कैद हो गया और सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

न्यूज गैलरी

स्वास्थ्य केंद्र को दान में मिली दो आधुनिक व्हीलचेयर

भिलाई। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई-3 में स्व राधेलाल तिवारी और स्व देवकी तिवारी मोरिद निवासी के पुत्र केशव नंदन तिवारी पदमुनगर भिलाई 3 ने नवीन आधुनिक दो नग व्हील चेयर दान की। बीईईटीओ सैय्यद असलम ने बताया कि अस्पताल में वयोवृद्ध मरीजों को गेट से अस्पताल परिसर लाने और घर तक लेकर छोड़ने में व्हील चेयर मददगार साबित होगी। इस आधुनिक व्हील चेयर पर में बुजुर्गों की सहूलियत को देखते हुए बेडपान लगाया गया है। सैय्यद असलम और अस्पताल प्रबंधन ने केशव नंदन तिवारी परिवार का आभार व्यक्त करते हुए लोगों से मरीजों के आवश्यक जरूरतों सामान के दान करने का संकल्प लेने अपील की है। इस अवसर पर आरएमए प्रज्ञा कुशवाहा, डा अर्चना पांडेय और एल एच व्ही श्रीमती आर विश्वास सहित स्टाफमौजूद थे।

आज भिलाई में जुटेंगे पूर्व साक्षरता सेवी, सम्मानित होंगे श्रेष्ठ कार्यकर्ता

भिलाई। पूर्ववर्ती दुर्ग ज़िले में 90 के दशक में संचालित साक्षरता अभियान में अपनी निःस्वार्थ स्वंयसेवी भागीदारी देने वाले साक्षरता सेवियों का सम्मेलन 26 अक्टूबर को भिलाई में आयोजित होगा। साक्षरता मित्र मंच द्वारा यह आयोजन भिलाई सेक्टर-6 स्थित जैन भवन में प्रातः 9.30 से शाम 5 बजे तक संपन्न होगा।

इस आयोजन में पूर्व की जिला साक्षरता समिति दुर्ग द्वारा संचालित हुए साक्षरता, उत्तर साक्षरता अभियान के अलावा जनशाला, स्वास्थ जागरूकता, जलग्रहण क्षेत्र विकास, निशक्तजन परामर्श केंद्र, महिला परिवार परामर्श केंद्र, मितानिन जैसे विविध कार्यक्रमों में स्वैच्छिक सेवाएँ देने वाले प्रमुख कार्यकर्ता भी शामिल होंगे। इस आयोजन में दिवंगत साक्षरता सेवियों जैसे जमुनालाल कसार, डा सुरेन्द्र दुबे, मुकुंद कौशल, विजय शंकर चौबे, निशा गौतम, बीएल परगनिहा, एमएम वशिष्ठ जैसे 42 दिवंगत विशिष्ट साक्षरता सेवियों की स्मृति में श्रेष्ठ साक्षरता कार्यकर्ताओं को सम्मानित भी किया जाएगा। इस एक दिवसीय मिलन कार्यक्रम की गतिविधियों के अन्तर्गत आयोजित सम्मान समारोह में महापौर अलका बाघमार, नीरज पाल, शशि सिन्हा व निर्मल कोसरे श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं को सम्मानित करेंगे। इस अवसर पर दिवंगत साक्षरता सेवियों को श्रृद्धांजलि भी दी जाएगी।

कलेक्टर ने एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीयन की ली जानकारी, दिये आवश्यक निर्देश

- **कलेक्टर पहुंचे सिरसाखुर्द, करंजा-भिलाई, कोड़िया और अहिवारा सहकारी समिति**
- **पटवारी और समिति प्रबंधक को कारण बताओं नोटिस**

दुर्ग/नवप्रदेश। जिले के किसानों के एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन हेतु सभी सेवा सहकारी समितियों में 24 से 26 अक्टूबर तक शिविर आयोजित किये जा रहे है। शिविर के प्रथम दिवस कलेक्टर अभिजीत सिंह ने सेवा सहकारी समिति मर्यादित सिरसाखुर्द, करंजा-भिलाई, कोड़िया और अहिवारा का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर में एग्रीस्टैक पर किसानों के पंजीयन और अब तक पंजीयन नहीं होने संबंधी कारणों की जानकारी ली। कलेक्टर ने उक्त शिविर को गंभीरतापूर्वक नहीं लेने पर सीबीसी के अधिकारियों, समिति प्रबंधकों और कम्प्यूटर ऑपरेटर को कड़ी फटकार भी लगाई। उन्होंने करंजा-भिलाई की पटवारी अनिता साहू और सेवा सहकारी समिति अहिवारा के समिति प्रबंधक देवेन्द्र साहू को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने समितियों के निरीक्षण के दौरान कहा कि पंजीयन हेतु व्यक्तिगत जानकारी के अभाव में किसानों की सूचीबद्ध पंजी संधारित कर उनके मोबाईल नंबरों पर पंजीयन की जानकारी उपलब्ध कराये। साथ ही ऋण पुस्तिका, आधार नंबर एवं आधार से लिंकेड मोबाईल नंबर के साथ शिविर में उपस्थित होकर

पंजीयन कराने प्रेरित किया जाए। शिविर स्थल पर पंजीयन हेतु थम्ब, आधार नंबर एवं लिंकेड मोबाईल नंबर की आवश्यकता संबंधी फ्लैक्स के माध्यम से सूचना प्रदर्शित की जाए। शिविर के दौरान फौती, नामांतरण, आधार में नाम त्रुटि, मृत्यु प्रमाण पत्र आदि की उपलब्धता अधिकारी अपने स्तर से सुनिश्चित कर कृषकों का पंजीयन कराये। राजस्व पटवारी फौती-नामांतरण नहीं कराने वालों किसानों को प्रेरित कर फौती-नामांतरण कराये ताकि किसान अपने नाम से धान का विक्रय कर सकें।

कलेक्टर ने समितियों में कृषक पंजीयन प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने मौके पर पंजीयन हेतु पहुंचे किसानों का रू-ब-रू चर्चा कर धान विक्रय हेतु एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन की आवश्यकता के संबंध में अवगत कराया। कलेक्टर को समिति प्रबंधकों ने अवगत कराया कि सेवा सहकारी समिति सिरसाखुर्द में 1196 पंजीकृत कृषक है। जिसमें 1090 का पंजीयन हो चुका है। व्यक्तिगत जानकारी के अभाव में 106 शेष है। सेवा समिति करंजा भिलाई में 1161 पंजीकृत किसानों में से 24 का पंजीयन होना शेष है। सेवा सहकारी समिति कोड़िया में पंजीकृत 2037 कृषकों में से 17 कृषकों का एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन होना शेष है। इसी प्रकार सेवा सहकारी समिति अहिवारा में पंजीकृत 1616 कृषकों में 1600 का पंजीयन हो चुका है, 16 किसान पंजीयन हेतु शेष है। यहां पर 152 कृषकों का व्यक्तिगत जानकारी अप्राप्त है। उक्त कृषकों से जानकारी प्राप्त करने और शिविर के माध्यम से पंजीयन कराने में उदासीनता बरतने पर समिति प्रबंधक देवेन्द्र साहू को कारण बताओ नोटिस जारी करने सीबीसी के नोडल अधिकारी को निर्देशित किया। इसी प्रकार मृत्यु प्रमाण पत्र होने के बावजूद भी मृत कृषक के फौती उठाने के कार्यवाही लंबित रखने पर पटवारी अनिता साहू को नोटिस जारी करने तहसीलदार गुप्ता को निर्देशित किया है। इस अवसर पर एसडीएम उत्तम ध्रुव, एसडीएम महेश राजपूत, तहसीलदार प्रफुल्ल कुमार गुप्ता एवं सीबीसी के अधिकारी, समिति प्रबंधक और कृषक उपस्थित थे।

सिनेमाहाल में महिला से छेड़छाड, विरोध करने पर बेटे-पति को पीटा, पांच आरोपी गिरफ्तार

पुलिस चौकी में भी जारी रही दबंगई, बीच-बचाव में आरक्षक का हाथ फ्रैक्चर, मुंशी की उंगली टूटी

भिलाई/नवप्रदेश। जिले में ट्रांसपोर्टर की दबंगई का मामला सामने आया है। दुर्ग से अपने परिवार के साथ भिलाई के मॉल में मूवी देखने आई महिला के साथ ट्रांसपोर्टर ने पहले तो छेड़छाड़ की फिर बाहर निकलते ही महिला के बेटे और उसके पति को मारा। बताया जा रहा है सीट पर बैठने को लेकर विवाद हुआ था। मामला स्मृति नगर चौकी का है। सूचना पर पहुंची पुलिस के साथ भी ट्रांसपोर्टर और उसके रिश्तेदारों ने मारपीट की। पुलिस जैसे-तैसे आरोपियों को पकड़कर थाने लाई तो यहां पर दबंगों ने पुलिसकर्मियों पर भी हमला कर दिया। इस दौरान 3 पुलिसकर्मियों को चोटें आई हैं। इनमें एक पुलिसकर्मी का हाथ फ्रैक्चर हुआ है, एक की उंगली टूटी है।

पुलिस ने बताया कि मॉल के पास बीच-बचाव कर रहे प्रधान आरक्षक पकंज चौबे के साथ धक्का-मुक्की की गई। जिससे वो नीचे गिर गए और उनको चोट लग गई। इसके बाद जब 15 से 20 लोग थाने आए। यहां पर

विवाद के दौरान सिपाही कौशलेंद्र के साथ मारपीट की। इस मारपीट से सिपाही कौशलेंद्र का हाथ फ्रैक्चर हो गया। पुलिस चौकी में ही आरोपियों ने मुंशी आत्मराम कोसले के साथ भी मारपीट की। इससे उनकी उंगली टूट गई है। पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर गुरुवार (23 अक्टूबर) को कोर्ट में पेश किया, जहां से सभी को जेल भेज दिया गया।

स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने सभी आरोपियों को पकड़कर स्मृति नगर चौकी लेकर आ गई। लेकिन यहां भी आरोपियों की दबंगई जारी रही। पुलिस के अनुसार चौकी में आरोपी सुजीत साव और उसके साथी अंदर घुस आए और वहां मौजूद मुंशी आत्माराम और आरक्षक कौशलेंद्र पर हमला कर दिया।

पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपियों को पकड़ा

पुलिस ने तत्काल सभी आरोपियों के खिलाफ महिला से छेड़छाड़, मारपीट, शासकीय कार्य में बाधा समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। इस मामले में अफसरों के निर्देश पर आरोपियों को पकड़ने के लिए टीम गठित की गई। पुलिस ने आरोपियों को घेराबंदी कर पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों में सुजीत साव (49 साल), सुजीत कुमार (32 साल), शिवपूजन कुमार (20 साल), सागर साव (29 साल) और जिगर साव (28 साल) शामिल हैं। पूछताछ में सभी आरोपियों ने जुर्म स्वीकार कर लिया। उन्हें गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया और न्यायिक रिमांड में केंद्रीय जेल दुर्ग भेज दिया गया।

सीसीटीवी में कैद हुई घटना

घटना मॉल के अंदर और बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो चुकी है, जिसके आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की है। बताया जा रहा है कि देर रात 11 बजे से करीब 1 बजे तक मॉल और चौकी दोनों जगह हंगामा चलता रहा। पुलिस ने गिरफ्तार हुए सभी आरोपियों का जुलूस निकाला और उसके बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

संस्कार प्रश्नोत्तरी से लोगों ने परखा आध्यात्मिक ज्ञान

दुर्ग/नवप्रदेश। श्री गुर्जर क्षत्रीय गुजराती समाज की जनकल्याण समिति द्वारा नूतन वर्ष अभिनंदन समारोह में बाल संस्कार शाला के बच्चों से माइक पर संस्कार प्रश्नोत्तरी द्वारा खुली परीक्षा ली। सभा में उपस्थित लगभग 1000 से ज्यादा परिजनों ने सुनकर धर्म ग्रंथो आध्यात्मिक ज्ञान को परखा और प्रतिभागी छात्रों में अपने जवाब उत्तर पुस्तिका में लिखकर जमा किया। समिति प्रभारी नरेंद्र भाई राठौड़ ने बताया कि जनवरी माह से हर सप्ताह रविवार को 2 घंटे चलने वाली बाल संस्कार शाला के बच्चों ने सभा में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। भव्य चौहान और अक्षरा मिश्रा ने शंख ध्वनि करके श्रीगणेश किया। तत्पश्चात भारतीय संस्कृति की परंपराओं और संस्कारो महापुरुषों से संबंधित प्रश्न माइक पर किया। जिसमें चार विकल्पों से सही का चुनाव करना और ये सारे प्रश्न माइक पर भी पूछे गए लेकिन श्रोताओं से जवाब प्रतिबंध था। केवल सुनकर ज्ञान की परख करना था जो प्रभावित किया। निर्णायक जज के रूप में जयश्री चावडा, किशोर परमार एवं चंद्रेश भाई परमार ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्तकर्ता के नाम घोषित किया। व्यवस्था में शाला शिक्षिका वनिता सोलंकी, हेमा सोलंकी, उषा टांक, पूनम वाघेला, मीनाक्षी चौहान, मयूरी वेगढ़ सहित संस्था अध्यक्ष तुषार चौहान, सचिव दिलीप पडियार, सहसचिव उमेश चौहान, रविलाल वाघेला, चंदू राठौड़ का सराहनीय योगदान रहा। संचालन धीरजलाल टांक ने किया।

रजत महोत्सव: गर्ल्स कॉलेज में एड्स जागरूकता पर आयोजन

दुर्ग/नवप्रदेश। शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.) में छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 2025 के अवसर पर रेड रिबन द्वारा एड्स जागरूकता के विभिन्न कार्यक्रम के अन्तर्गत एचआईवी/एड्स रोगियों के प्रति सामाजिक उत्तरदायित्व पर व्याख्यान, एड्स जागरूकता पर फिल्म युवाओं की मनो-सामाजिक समस्याओं के लिए उपचारात्मक रणनीतियाँ पर व्याख्यान, प्रतिरक्षा बढ़ाने के लिए आहार पर व्याख्यान, नुक्कड़ नाटक, एचआईवी/ एड्स पर विशेषज्ञ का दृष्टिकोण, युवा रेड-क्रॉस स्वयंसेवक अंतर्ग्रहण का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव के निर्देशन में किया गया। डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि इस सप्ताह का उद्देश्य एचआईवी/एड्स से संबंधित मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, एचआईवी से संक्रमित लोगों के प्रति सहानुभूति व्यक्त करना और सुरक्षित प्रथाओं को बढ़ावा देना है। नोडल अधिकारी प्रो. रेशमा लाकेश ने जागरूकता कार्यक्रम से छात्राओं को एड्स के लक्षण, एड्स कैसे फैलता है। एड्स से बचाव हेतु आई.सी.टी. सेंटर तथा ए.आर.टी. सेंटर के बारे में बताने का प्रयास किया गया। विद्यार्थियों को एड्स संबंधी जानकारी प्राप्त करने हेतु टोल फ्री नंबर 1097 के बारे में बताया गया। इस दौरान महाविद्यालय प्राध्यापक प्रो. मीनाक्षी अग्रवाल, राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रभारी प्रो. सुषमा यादव, प्रो. यशेश्वरी ध्रुव, डॉ. मिलिन्द अमृतफले, ज्योति भरणे, मोनिया राकेश सिंह, चाँदन अफसना, वैभवशंकर सोनी, दीपक कश्यप, कमलेश चेलक, कु. तबस्सुम उपस्थित थे।

आचार्य मिश्र की कृति में भारतीय शिक्षा, संस्कृति और वैदिक परम्परा का समावेश

- **भोपाल में लेखक आचार्य मिश्र ने भेंट की अपनी किताब 'भारतीय ज्ञान परम्परा विविध आयाम'**

भिलाई/नवप्रदेश। भारतीय शिक्षा, संस्कृति और वैदिक परम्परा पर आधारित आचार्य प्रभु दयाल मिश्र की पुस्तक 'भारतीय ज्ञान परम्परा विविध आयाम' इन दिनों शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच विशेष लोकप्रिय है। अट्ठारह अध्याय और प्रायः पौने दो पृष्ठों की ये किताब, राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 पर केन्द्रित है। वैदिक साहित्य, रामायण, महाभारत, कालिदास, तुलसीदास और स्वामी विवेकानंद के विचारों की पृष्ठभूमि पर पाठ्यक्रम की विषय वस्तु को रोचक, ज्ञानवर्धक और सरल

भाषा में आचार्य मिश्र ने प्रस्तुत किया है। हाल ही में अपने भोपाल के सांस्कृतिक प्रवास के दौरान शिक्षाविद आचार्य डॉ. महेश चंद्र शर्मा को यह कृति भेंट की। डॉ.शर्मा ने बताया कि शैक्षणिक संस्थानों में जब इस के आधार पर उन्होंने व्याख्यान दिये तो प्राध्यापकों और विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। पुस्तक के लेखक आचार्य प्रभु दयाल मिश्र महर्षि अगस्त्य वैदिक संस्थान भोपाल के अध्यक्ष और तुलसी मानस प्रतिष्ठान मध्यप्रदेश भोपाल की पत्रिका तुलसी मानस भारती के प्रधान संपादक हैं। लेखक ने भारतीय ज्ञान -विज्ञान परम्परा के साथ गूगल, विकिपीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) आदि सुलभ स्रोतों का भी यथास्थान उपयोग किया है। श्रीराम तिवारी, निदेशक, महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ, संस्कृति विभाग, म.प्र. शासन, उज्जैन ने भूमिका में बताया है कि असत्य से सत्य की ओर, अंधकार से प्रकाश की ओर एवं मृत्यु से अमरता की ओर जाने को ही भारतीय ज्ञान परम्परा का सार माना गया है। वहीं सप्रे संग्रहालय भोपाल के संस्थापक - संयोजक पद्मश्री विजय दत्त श्रीधर के अनुसार पुस्तक पाठकों को अस्मिता,अस्तित्व और आत्मबोध के अमृत सरोवर में अवगाहन करायेगी। आचार्य डॉ. शर्मा ने भी पठन-पाठन के पश्चात् उपर्युक्त विचारों से सहमति व्यक्त करते हुवे इसे प्राध्यापकों और विद्यार्थियों के लिये विशेष उपयोगी बताया।

बैडमिंटन प्रतियोगिता में भाग लेने चयन स्पर्धा

भिलाई/नवप्रदेश। कबीरधाम जिला बैडमिन्टन संघ द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य जूनियर बालक एवं बालिका बैडमिन्टन प्रतियोगिता का आयोजन एकल एवं युगल वर्ग में 11 से 14 नवम्बर 2025 तक कबीरधाम में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में भिलाई इस्पात संयंत्र की टीम भी भाग ले रही है। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिये खिलाड़ियों के चयन हेतु भिलाई क्लब सिविक सेंटर के बैडमिन्टन कोर्ट पर 28 एवं 29 अक्टूबर 2025 को सुबह 9 बजे से दोनों वर्ग टीम के गठन हेतु चयन स्पर्धा आयोजित की गयी है। अतः संयंत्रकर्मियों के पाल्य बच्चे तथा भिलाई परिधीय क्षेत्र के प्रतिभागी जो इस चयन स्पर्धा में भाग लेना चाहते हैं वे 25 अक्टूबर 2025 तक निम्न चयनकर्ताओं प्रवीण उपाध्याय तथा विजय भानु के पास अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। यह प्रतियोगिता प्लास्टिक शटल कॉक से खेली जायेगी। इच्छुक प्रतिभागी अपने साथ अपना फेदर शटल कॉक लेकर आ सकते है।

दिव्यांग दृष्टिबाधित बच्चों के जगराता ने किया मंत्रमुग्ध

दुर्ग/नवप्रदेश। पुलगांव स्थित जय सहाड़ा देव लक्ष्मी उत्सव समिति द्वारा माता लक्ष्मी पंडाल में सुर धारा म्यूजिकल फाउंडेशन दुर्ग के दिव्यांग दृष्टिबाधित बच्चों के लिए विशेष जगराता आयोजित किया गया। इस दौरान बच्चों ने माता की प्रतिमा और पंडाल की सजावट को छूकर महसूस किया और माता की महिमा को गाया जोहर जोहर पचरा गीत और राउत नाचा जैसे गीतों ने ग्राम वासियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस पर

ग्रामवासियों ने कहा ऐसी प्रतिभा नेत्रहीन बच्चों की कही नहीं देखी। सुरधारा म्यूजिकल अध्यक्ष ज्योति ध्रुव की कार्यशैली ऐसे बच्चों के लिए सराहनीय है। जिन्होंने ऐसे बच्चों को काबिल बनाया। इस दौरान सचिव उमेश यादव, कोषाध्यक्ष राजेश गुप्ता और संस्था विशेष सलाहकार राजू ऊके और सपना साहू उपस्थित रहे। नेत्रहीन बच्चों में विवेक यादव, लेमन बोरकर, आयुष गुप्ता, लोचन कुमार, तारा सहारे, विश्वकांत साहू प्रियांशु साहू, नन्हे कलाकार रुचि, हिमांशु, कनिष्का और रचित उपस्थित थे। उपस्थितजनों कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में दिव्यांगों के प्रति जागरूकता और सहानुभूति बढ़ती है और हमें उनके साथ सहयोग करने प्रेरित करता है। समिति पदाधिकारी गणों में विनोद निषाद, कैलाश यादव, रूपेश निषाद, आकाश यादव, हेमंत निषाद, किशोर निषाद उपस्थित रहे।

अपात्र हितग्राहियों से दावा आपत्ति आमंत्रित

दुर्ग/नवप्रदेश। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार पीएम आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत जिले की स्थायी प्रतीक्षा सूची, आवास प्लस की सूची व मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की सूची के ऐसे हितग्राहियों जो विभिन्न कारणों से अपात्र हैं तथा जिन्हें योजना के नियमानुसार लाभान्वित किया जाना संभव नहीं है, उनकी सूची संबंधित ग्राम सभा तथा जिला स्तरीय अपीलीय समिति से अनुमोदन पश्चात् विलोपित किया जाना है। जिपं मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे ने जिले के प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत 2615 अपात्र हितग्राहियों की सूची का संबंधित ग्रामसभा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जपं द्वारा प्राप्त प्रतिवेदन उपरांत जिला स्तरीय अपीलीय समिति के अनुमोदन प्राप्त करते हुए दावा आपत्ति हेतु प्रकाशन किया जा रहा है। दावा आपत्ति प्रस्तुत करने अंतिम तिथि 31 अक्टूबर तक प्रस्तुत कर सकते हैं।

स्वच्छता ही सेवा... अभियान के तहत टीए बिल्डिंग परिसर में वृहद स्वच्छता अभियान आयोजित

स्वच्छता केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा बनाने की आवश्यकता : उत्पल

भिलाई/नवप्रदेश। इस्पात संयंत्र में जारी (स्वच्छता ही सेवा) अभियान के अंतर्गत टीए बिल्डिंग परिसर में वृहद स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभाग के सभी कार्मिकों ने एकजुट होकर श्रमदान किया और परिसर को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने में अपना सक्रिय योगदान दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक नगर सेवाएं एवं निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व उत्पल दत्ता ने किया। इस दौरान उन्होने कहा कि स्वच्छता को केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने जन जागरूकता बढ़ाने में महाप्रबंधक टीएसडी जन स्वास्थ्य

विभाग के के यादव की भूमिका की सराहना की और कहा कि स्वच्छता का यह महायज्ञ तभी सफल होगा जब प्रत्येक नागरिक इसमें अपनी भागीदारी निभाए।

अभियान के दौरान जन स्वास्थ्य विभाग के अपशिष्ट प्रबंधन संस्थान एसएलआरएम सेंटर नेवई द्वारा कचरे से निर्मित उच्च गुणवत्ता वाले ऑर्गेनिक खाद का निःशुल्क वितरण भी किया गया।

इस पहल का उद्देश्य स्रोत.स्तर पर अपशिष्ट प्रबंधन के महत्व को बढ़ावा देना तथा बागवानी प्रेमियों को पर्यावरण अनुकूल विकल्प प्रदान करना था।

इस वृहद स्वच्छता अभियान की परिकल्पना एवं संचालन जन स्वास्थ्य विभाग के महाप्रबंधक टीएसडी.पीएचडी केके यादव द्वारा किया गया। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत संयंत्र के विभिन्न क्षेत्रों में नियमित रूप से सफाई, कचरा पृथक्करण, वृक्षारोपण और जन.जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं।

इस अवसर पर उप महाप्रबंधक टीएसडी राघवेंद्र गर्ग, वाईके साहू, सहायक महाप्रबंधक एचआर जया रॉय, सहायक महाप्रबंधक पीएचडी रमेश गुप्ता, उप प्रबंधक पीएचडी मिलिंद कुमार बंसोड व विवेक मिश्रा, सहायक प्रबंधक स्वर्ण लता साहू, देवानंद चौहान, इंस्पेक्टर नागराजू, जीतेन्द्र वर्मा, प्रकाश बंछोड़, सुभास चंद्र महाराणा, वीसी लहरे, नीना मलिक, शिखा ताम्रकार, ए सुजाता सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सामग्री प्रबंधन विभाग में विक्रेता मिलन समारोह

सतर्कता जागरूकता पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत बीएसपी के सामग्री प्रबंधन विभाग द्वारा सतर्कता विभाग के सहयोग से विक्रेताओं के लिए संवादात्मक मिलन समारोह का आयोजन इस्पात भवन में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सभी प्रतिभागियों द्वारा सत्यनिष्ठा की शपथ ग्रहण से हुई। उपस्थित अधिकारियों और विक्रेताओं ने अपने सभी लेन-देन में निष्पक्षता और नैतिकता बनाए रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक सामग्री प्रबंधन एके चक्रवर्ती मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक सतर्कता व एसीवीओ सुनील सिंघल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

तिरगा-सिलोदा में धूमधाम से मना मातर महोत्सव

- **विधायक ललित चंद्राकर ने की भगवान श्रीकृष्ण की पूजा**

दुर्ग/नवप्रदेश। ग्राम तिरगा-सिलोदा में मातर महोत्सव का आयोजन पारंपरिक उत्साह और भक्ति के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक ललित चंद्राकर शामिल हुए। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की। मातर महोत्सव के दौरान यादव समाज के लोग अपने घरों से काछन निकालकर दइहान पहुंचे और खोड़हर देव की पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने अखाड़ा कला और दांड़ खेलकर शौर्य प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में गौधन को सोहई बांधने की पारंपरिक विधि पूरी की गई और प्रसादी के रूप में खीर और दूध

का वितरण किया गया। इस मौके पर 8वीं, 10वीं और 12वीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं, साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले गणमान्य नागरिकों का सम्मान किया गया। विधायक ललित ने कहा कि मातर महोत्सव हमें भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति, प्रेम और शिक्षाओं का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि समाज को श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपनाते हुए भक्ति, कर्म और सदाचार के मार्ग पर चलना चाहिए। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष कुलेश्वरी देवांगन, जनपद सदस्य नंदू साहू, जिला मंत्री गिरेश साहू, पूर्व केंद्रीय बैंक अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन, जनपद सदस्य दामिनी साहू, मंडल अध्यक्ष हेमंत सिन्हा, सरपंच धसिया राम, मुकेश बेलचंदन, भूपेंद्र बेलचंदन, नंदू निर्मलकर, सुरेंद्र बेलचंदन, सुखदेव देवांगन, नारायण साहू, चमन यादव, श्वेता राजपूत, बुधराम यादव, प्रकाश निषाद, जीवन यादव उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

एसपी ने किए चार थाना प्रभारियों में फेरबदल

खैरागढ़/नवप्रदेश। जिला पुलिस कप्तान लक्ष्य शर्मा द्वारा जारी थाना प्रभारियों की नई पदस्थापना आदेश के बाद यातायात थाना संभाल रहे निरीक्षक शक्ति सिंह को छुईखदान थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है । एसपी लक्ष्य शर्मा ने चार थानो के प्रभारियो के फेरबदल के आदेश शुक्रवार को जारी किए । जारी आदेश मे रक्षित केन्द्र मे तैनात निरीक्षक जितेन्द्र बंजारे को साल्हेवारा थाना प्रभारी, साल्हेवारा थाना प्रभारी रहे शिवशंकर गेंदले को यातायात थाना प्रभारी, छूईखदान थाना प्रभारी उपनिरीक्षक बिलकिस बेगम को महिला सेल का प्रभारी नियुक्त किया गया है ।

भाटापारा में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत कार्यशाला का आयोजन

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अन्तर्गत नगर पालिका भाटापारा में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अश्विनी शर्मा, उपाध्यक्ष दिलीप छबड़िया, विभिन्न वार्डो पार्षद गण , मुख्य नगर पालिका अधिकारी, विद्युत विभाग से कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता गण, कनिष्ठ अभियंता गण, वेंडर्स अन्य जनप्रतिनिधि एवं हितग्राही गण उपस्थित रहे।कार्यशाला में योजना के सम्बन्ध में विद्युत विभाग अधिकारीयों द्वारा विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। हितग्राहियों एवं पार्षदों के योजना से सम्बंधित प्रश्नों के उत्तर भी दिए गए। सभी वार्ड पार्षदों को योजना का लाभ बताते हुये उनके क्षेत्र के लोगों में जागरूकता लाने में सहयोग करने एवं प्रचार प्रसार करने का आग्रह किया गया।प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर पैनल इंस्टॉल कराने पर 3 किलोवाट एवं उससे अधिक के पैनल पर केन्द्र सरकार द्वारा 78 हजार एवं राज्य सरकार द्वारा 30 हजार कुल एक लाख आठ हजार रुपये तक सब्सिडी दी जा रही है।इसके साथ ही बैंक से आसानी से 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज पर ऋण की भी सुविधा हैं। अधिक जानकारी के लिए नजदीकी बिजली ऑफिस से संपर्क कर सकते हैं।

पीएम ई-विद्या के तहत डीटीएच चैनल के माध्यम से शैक्षिक कार्यक्रमों का प्रसारण

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। पीएम ई-विद्या योजना के तहत राज्य में कक्षा 9वीं से 12वीं के समस्त विषयों की सामाग्रियों के शैक्षिक कार्यक्रमों का प्रसारण डीटीएच चैनल सहित अन्य टेलीविजन चैनलों में किया जा रहा है।इस योजना अंतर्गत कार्यक्रमों के प्रसारण की समय सारणी विद्यार्थियों को प्रदान करने के उद्देश्य से माह अक्टूबर 2025 के लिए मासिक कैलेंडर का क्लिकेबल पीडीएफ पोस्टर तैयार किया गया है। जिसमें किसी भी तिथि को टच करने से उस तिथि में प्रसारित होने समस्त शैक्षिक कार्यक्रमों की सारणी कक्षावार और विषयवार खुल जाता है। इससे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को प्रसारण की सही जानकारी प्राप्त करने में सहायता मिलती है। जिला शिक्षा अधिकारी संजय गुहे ने सभी विद्यालयों के प्राचार्यो एवं शिक्षकों के साथ-साथ विद्यार्थी कार्यक्रम का अधिक से अधिक लाभ लेने अपील की गई।

जिले में वाहनों के प्रदूषण जांच केन्द्र की स्थापना की जाएगी

गरियांबद/नवप्रदेश। जिले में वर्ष 2025 तक कुल 1 लाख 61 हजार 422 वाहन पंजीकृत है। इनके विरूद्ध पीयूसी केन्द्रों की संख्या न के बराबर है। जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि केन्द्रीय मोटरयान नियम, 1989 के नियम 115 के उपनियम (7) तहत समस्त मोटरयान को प्रदूषण प्रमाण पत्र पीयूसीसी प्राप्त करना अनिवार्य है। प्रदूषण जांच प्रमाण पत्र जारी करने हेतु प्रदूषण जांच केन्द्र की आवश्यकता होती है।

अर्जुनी में करीब 18 करोड़ की लागत से बनेगा धमतरी का हाईटेक बस स्टैंड

■ **टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में : विजय मोटवानी**

धमतरी/नवप्रदेश। लंबे समय से धमतरी में आधुनिक बस स्टैंड की मांग आखिरकार पूरी होने जा रही है। करीब 18 करोड़ रुपए की लागत से अर्जनी क्षेत्र में 5 एकड़ जमीन पर हाईटेक बस स्टैंड बनने जा रहा है, जिसका 3ष्ठ डिज़ाइन भी तैयार कर लिया गया है। यह बस स्टैंड न केवल शहर की खूबसूरती को निखारेगा, बल्कि यात्रियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। इस परियोजना को लेकर शहरवासियों में उत्साह देखने को मिल रहा है गौरतलब है कि यह बस स्टैंड सीसीटीवी, वाइड स्क्रीन, एसी वेटिंग हॉल, महिला एवं पुरुष रेस्ट रूम, ई-रिक्शा स्टॉपेज और पार्किंग जैसी सभी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा। इसके साथ ही यहां स्थानीय उत्पादों के लिए मिनी शॉपिंग कॉम्प्लेक्स भी बनाया जाएगा ताकि यात्रियों को यात्रा के दौरान स्थानीय पहचान और सुविधाएं दोनों मिल सकें।नगर निगम धमतरी के पीडब्ल्यूडी सभापति विजय मोटवानी ने बताया कि महापौर जी का आभार धमतरी के लिए यह एक ऐतिहासिक कदम है। वर्षों से लोगों की मांग थी कि शहर में एक नया, बड़ा और हाईटेक बस स्टैंड बने। पुराना बस स्टैंड अब क्षमता से कहीं अधिक भार झेल रहा है और यातायात व्यवस्था भी बाधित होती है। इसलिए नई जगह पर इसे बसाने का निर्णय लिया गया। फिलहाल परियोजना टेंडर प्रक्रिया में है और अगले 2 से 3 दिनों में टेंडर खुलने वाला है। इसके बाद निर्माण कार्य की शुरुआत होगी मोटवानी ने आगे बताया कि नगर निगम प्रोजेक्ट को समय पर पूरा करने की तैयारी में जुटे हैं। निर्माण के बाद यह बस स्टैंड धमतरी की पहचान बनेगा और प्रदेश के अन्य शहरों के लिए भी मिसाल पेश करेगा। उन्होंने कहा कि नई बिल्डिंग को मजबूती के साथ डिज़ाइन किया गया है, ताकि आने वाले दशकों तक किसी बड़े पुनर्निर्माण की आवश्यकता न पड़े।धमतरी से रोजाना 250 से अधिक बसें गुजरती हैं, जो रायपुर, कांकेर, नगरी, दुर्ग, बालोद और अन्य जिलों से जुड़ी हुई हैं। मौजूदा बस स्टैंड में जगह की कमी और बढ़ते ट्रैफिक के कारण यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं, शहर के बीचोबीच स्थित पुराने बस स्टैंड से धूल, ध्वनि और यातायात अव्यवस्था की शिकायतें लगातार आती रही हैं।विजय मोटवानी ने बताया कि नए बस स्टैंड से न केवल धमतरी का यातायात सुगम होगा बल्कि शहर के मध्य क्षेत्र में भीड़भाड़ कम होगी। इसके साथ ही स्थानीय रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे, क्योंकि निर्माण के दौरान और बाद में बस स्टैंड के रखरखाव व संचालन में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी।उन्होंने यह भी कहा कि बस स्टैंड निर्माण के लिए जो 5 एकड़ भूमि निर्धारित की गई है, वहां पहले से सभी बुनियादी सुविधाएं मौजूद हैं – सड़क कनेक्टिविटी, ड्रेनेज सिस्टम और बिजली व्यवस्था को ध्यान में रखकर प्लान तैयार किया गया है।मोटवानी ने शहरवासियों से अपील की कि वे इस परियोजना को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण रखें क्योंकि यह धमतरी को नए विकास अध्याय की ओर ले जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि एक बार निर्माण कार्य शुरू हो जाने के बाद नगर निगम तय समयसीमा में बस स्टैंड जनता को समर्पित करेगा।

राज्योत्सव समारोह के सफल आयोजन सुनिश्चित करने अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारी

बालोद/नवप्रदेश। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा के आदेशानुसार बालोद जिले में 02 से 04 नवंबर तक आयोजित होने वाली राज्योत्सव समारोह के सफल आयोजन सुनिश्चित करने हेतु अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जारी आदेश में समारोह के सफल आयोजन हेतु अपर कलेक्टर श्री चंद्रकांत कौशिक को नोडल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर श्रीमती प्राची ठाकुर को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इसी तरह पुलिस अधीक्षक श्री योगेश कुमार पटेल को सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है। लोक निर्माण विभाग एवं ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन अभियंता को मंचीय व्यवस्था, फ्लैक्स एवं आवश्यक टेंट पंडाल, दो स्वागत द्वार की व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह कार्यपालन अभियंता छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण मण्डल एवं अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग (विद्युत यांत्रिकी) को विद्युत व्यवस्था, लाईटिंग, माईक व्यवस्था, सहायक संचालक उद्यानिकी एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग को फुलमाला, गुलदस्ता, गमला, स्वागत द्वार व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को स्वास्थ्य सुविधा, जिला सेनानी होमगार्ड को फायर ब्रिगेड, मुख्य नगरपालिका अधिकारी बालोद को साफ-सफाई की व्यवस्था, जिला खनिज अधिकारी को मुख्य कार्यक्रम स्थल पर मैदान समतलीकरण की जिम्मेदारी सौंपीं गई है। इसी तरह सहायक आयुक्त आदिवासी विकास एवं जिला शिक्षा अधिकारी को सांस्कृतिक कार्यक्रम, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी बालोद को कलाकारों के ठहरने की व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह जिला आबकारी अधिकारी, जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता को सांस्कृतिक कार्यक्रम के कलाकारों की भोजन व्यवस्था, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना बालोद के कार्यपालन अभियंता को सांस्कृतिक दल मोमेंटो, प्रमाण पत्र, प्रशस्ति पत्र की व्यवस्था, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास, जिला परिवहन विभाग एवं जिला मिशन समन्वयक को कलाकारों को लाने व ले जाने हेतु वाहन की व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह जिला खाद्य अधिकारी को मंच पर स्वल्पाहार, उप संचालक, पंचायत को आमंत्रण पत्र, छपाई, वितरण, सभी तहसीलदारों को आमंत्रण पत्र वितरण, जिला मिशन समन्वयक राजीव गांधी शिक्षा मिशन को मंच संचालन, उद्घोषक, वन मंडलाधिकारी को कार्यक्रम स्थल पर आवश्यक बास-बल्ली की व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह कृषि विभाग एवं उद्यानिकी विभाग, जिला पंचायत एवं ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, स्वास्थ्य विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग, श्रम विभाग, सी.एस.एस.डी.ए. विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, खाद्य विभाग, समाज कल्याण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जल संसाधन विभाग, जिला पंचायत एन.आर.एल.एम., पशु चिकित्सा विभाग, शक्कर कारखाना, खादी ग्रामोद्योग हथकरघा, राजस्व विभाग, उद्योग विभाग, जिला अंत्यावसायी विभाग, नगरपालिका परिषद बालोद, वन विभाग, जनसम्पर्क विभाग को प्रदर्शनी हेतु स्टॉल की व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

फसल का भौतिक सत्यापन करने कलेक्टर पहुंचे खेत में

■ **किसान की मौजूदगी में किया एप्प से सत्यापन**

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। कलेक्टर दीपक सोनी शुक्रवार को किसान द्वारा लागए गए फसल का सत्यापन करने किसान के खेत पहुंचे। उन्होंने ग्राम कोकड़ी में किसानों की उपस्थिति में फिजिकल वेरिफिकेशन एप्प के माध्यम से खेत के रकबे में लगे धान फसल का सत्यापन किया और किसानों को उनके दावा आपत्ति निराकरण के बारे में जानकारी दी।

कलेक्टर ने उपस्थित किसानों से इस वर्ष धान की खेती, एग्रीस्टेक पंजीयन आदि के बारे में पूछताछ कर जानकारी ली। किसानों ने बताया कि इस बार उन्होंने अपने खेत में महामाया धान लगाया हैं। फसल की पैदावार अच्छी हैं और कुछ दिनों में कटाई शुरू करना हैं।उन्होंने यह भी बताया कि एग्रीस्टेक में पंजीयन हो गया हैं। पंजीयन में कोई दिक्कत नहीं हुई। उन्होंने कहा कि शासन के निर्देशानुसार समर्थन मूल्य में धान खरीदी होगी ,इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारी कि जा रही हैं।

बताया गया कि बलौदाबाजार विकासखंड के ग्राम कोकड़ी के किसान कृषक संतोष राउतराय पहन 16 में खसरा नंबर 37/1,37/3,37/4 कृषि भूमि स्थित हैं। किसान संतोष के द्वारा उक्त कृषि भूमि में धान फसल लगाया गया हैं। किसान द्वारा विगत 5 उक्त भूमि में कोई फसल नहीं ली जा रही थी। इस वर्ष महामाया धान लगाया गया हैं।

25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा के आयोजन की तिथि में संशोधन

बालोद/नवप्रदेश। लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जिला मुख्यालय बालोद में आयोजित 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता के आयोजन की तिथि में आंशिक संशोधन की गई है। इसके अंतर्गत वर्ष 2025-26 में जिला मुख्यालय बालोद में आयोजित 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता के आयोजन की तिथि 01 से 04 नवंबर को संशोधित कर 08 से 11 नवंबर तक कर दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला मुख्यालय बालोद में 25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता के अंतर्गत खो-खो बालक-बालिका 14 वर्ष, फुटबाल बालक-बालिका 14 वर्ष एवं नेटबाल बालक-बालिका 19 वर्ष का आयोजन 08 से 11 नवंबर तक जिला मुख्यालय बालोद में आयोजित की जाएगी।

ड्राइवर महासंघ के आव्हान पर थमे बसों मालवाहकों के पहिए

■ **यात्रियों की बढ़ी मुसीबत, मालवाहक भी बंद होने से माल ढूलाई रही प्रभावित**

खैरागढ़/नवप्रदेश। छग ड्रायवर महासंघ के आव्हान अपनी मांगों को लेकर सडक़ पर उतरे चालको की हड़ताल के चलते जिले मे परिवहन व्यवस्था शनिवार को बुरी तरह प्रभावित रही । यात्री बसों के साथ साथ मालवाहक भी खड़े कर दिए गए । जिसके चलते यात्रियो की आवाजाही प्रभावित हूइ तो मालवाहको के पहिए भी थमने से मालो की ढूलाई और परिवहन पूरी तरह बाधित रहा ।

ड्राइवर महासंघ द्वारा प्रदेश मे पूर्ण शराबबंदी, ड्राइवर वेलफेयर बोर्ड का गठन, ड्राइवर आयोग के तहत सुरक्षा कानून, दूर्घटना मे मौत अथवा विकलांगता होने पर आर्थिक मदद, ड्राइवर दिवस की स्थापना, बच्चो की शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं मे विशेष आरक्षण जैसे मांगो को लेकर लगातार प्रदर्शन की तैयारी मे जूटा था । सरकार की ओर से कोई संकेत नही मिलने के बाद महासंघ ने शनिवार को हड़ताल का एलान किया था । एलान का व्यापक असर दिखा और वाहनो के पहिए थम गए ।

यात्री बसें नहीं चली भटकते रहे यात्री

ड्राइवर महासंघ की हड़ताल के चलते शहर से होकर गुजरने वाले सभी मार्गो, दुर्ग, धमधा, रायपूर, कवर्धा, राजनांदगांव, डोंगरगढ़, गातापार लांजी सहित सभी मार्गो के बसो की आवाजाही पूरी तरह बंद रही । इसके चलते त्योहारो के साथ साथ भाईदूज मनाने आए लोगो को गंतव्य तक जाने के लिए बस स्टैण्ड मे भटकना पड़ा । कई निजी वाहनो, छोटे यात्री वाहनो ने इसका जमकर फायदा उठाया और मनमानी दरो पर यात्रियो को गंतव्य तक जाना पड़ा । इसी तरह मालवाहको के पहिए भी थमने से राजनांदगांव, रायपूर, दूर्ग की ओर से रोजाना शहर और जिले मे आने वाले मालवाहक नही आए । इसके चलते रोजाना शहर पहुँचने वाले माल और सामान की ढुलाई प्रभावित रही । मालवाहक संघ के भी हड़ताल मे शामिल होने के चलते सब्जी वाहनों की आवाजाही भी बंद होने से सब्जी विक्रेताओ को परेशानियों का सामना करना पड़ा । बस स्टैण्ड मे भी गंतव्य जाने पहुँचे यात्रियो ने इस हड़ताल को परेशानियों भरा बताते कहा कि उन्हे समय पर पहुँचने मे परेशानी उठानी पड़ी ।

आऊटरो मे सक्रिय रहा संघ, मालवाहक चालको को दी जानकारी

शहर के आऊटरो मे भी महासंघ के पदाधिकारी सुबह से सक्रिय रहे और बड़े मालवाहको के चालको को महासंघ के आंदोलन की जानकारी देकर महासंघ द्वारा चालको के पक्ष मे किए जा रहे आंदोलन मे शामिल होने, वाहनो को रोककर आंदोलन मे समर्थन मांगते रहे । इसका भी खासा प्रभाव पड़ा और शहर के आऊटरो मे मप्र, महाराष्ट, गुजरात, छग से जाने वाले और आने वाले वाहनो के पहिए पूरी तरह थमे रहे । चालको ने भी महासंघ के आंदोलन को पूरा समर्थन दिया ।

विगत 04 दिनों में अवैध शराब एवं जुआ एक्ट व असामाजिक तत्वों के विरूद्ध की गई कार्यवाही

■ **आबकारी एक्ट के तहत 14 प्रकरणों में 17 आरोपियों के विरूद्ध आबकारी एक्ट के तहत की गई कार्यवाही**

राजनांदगांव/नवप्रदेश। जिले में अपराधों की रोकथाम एवं अपराधियों पर नकेल कसने व सुरक्षा/शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिये पुलिस अधीक्षक श्री मोहित गर्ग के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में जिले के समस्त थाना/चौकी प्रभारियों को आबकारी एक्ट एवं जुआ एक्ट व असामाजिक तत्वों के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिया गया है। जिस पर आज दिनांक 20.10.2025 से 23.10.2025 तक सायगर सेल एवं थाना डोंगरगांव पुलिस द्वारा 34 (2) आबकारी एक्ट के 01 प्रकरण में 01 आरोपी के पास से 336 पौवा प्लेन शराब कीमती 26880/-रूपये व ब्रिकी रकम 960/-रूपये, सायबर सेल एवं थाना घुमका पुलिस द्वारा 34(2), 34(1) आबकारी एक्ट के 02 प्रकरण में 02 आरोपी के पास से 70 पौवा देशी प्लेन शराब कीमती 6000/-रूपये एवं 18 पौवा अंग्रेजी शराब कीमती 2400/-रूपये, नगदी रकम 300/-रूपये व 36(च) आबकारी एक्ट 01 प्रकरण में 01 आरोपी, थाना बसंतपुर में 36(च) आबकारी एक्ट 04 प्रकरण 04 आरोपी, थाना छुरिया में 36(च) आबकारी एक्ट 03 प्रकरण में 06 आरोपी, थाना डोंगरगढ़ में 36(च) आबकारी एक्ट के 01 प्रकरण में 01 आरोपी, पुलिस चौकी चिचोला में 34 (1) आबकारी एक्ट के 01 प्रकरण 01 आरोपी के पास से 20 पौवा अंग्रेजी शराब कीमती 2400/-रूपये एवं 36(च) आबकारी एक्ट के 01 प्रकरण 01 आरोपी। इस प्रकार कुल आबकारी एक्ट के तहत 14 प्रकरणों में 17 आरोपियों के विरूद्ध आबकारी एक्ट के तहत की गई कार्यवाही।

जिला स्तरीय बैठक में गौधाम संचालन के लिए मिले आवेदनों के अनुमोदन पर हुई चर्चा

■ **जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय समितियों की संयुक्त बैठक**

खैरागढ़/नवप्रदेश। शासन द्वारा संचालित गौधाम संचालन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं प्राप्त आवेदनों के अनुमोदन हेतु जिला स्तरीय एवं दोनों विकासखण्ड स्तरीय समितियों की संयुक्त बैठक कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चंद्रवाल ने की। बैठक में जिला पंचायत सीईओ प्रेम कुमार पटेल, जिला पशुधन विकास विभाग, कृषि विभाग के अधिकारी तथा संबंधित समिति सदस्य उपस्थित रहे। कलेक्टर चंद्रवाल ने कहा कि गौधाम संचालन का उद्देश्य केवल गौवंश की सुरक्षा नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना और जैविक खेती को बढ़ावा देना है। उन्होंने निर्देश दिए कि शासन के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करते हुए प्रत्येक गौधाम का संचालन पारदर्शी एवं व्यवस्थित रूप से किया जाए। जिपं सीईओ प्रेमकुमार पटेल ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार प्राप्त आवेदनों का परीक्षण किया जा रहा है, तथा समिति सदस्यों द्वारा स्थलीय निरीक्षण के बाद अंतिम अनुमोदन की प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि गौधामों में गौवंश के लिए आहार व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने हेतु किसानों को पैरादान के लिए जागरूक किया जाएगा। इसके लिए ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा, ताकि किसान फसल अवशेष पैरा दान करने के लिए प्रेरित हों। समिति सदस्यों ने गौधामों में पैरा कुट्टी मशीन की व्यवस्था का सुझाव भी रखा, जिससे गौवंश हेतु आहार तैयार करने में सुविधा होगी।

न्यूज गैलरी

छपरवा में टीबी एवं कुष्ठ उन्मूलन के लिए जनजागरूकता शिविर

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले के सुदूर वनांचल स्थित बैगा ग्राम छपरवा में टीबी एवं कुष्ठ उन्मूलन के लिए जनजागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिला क्षय नियंत्रण अधिकारी डॉ. सुदेश रात्रे ने बताया कि शिविर में ग्रामीणों का टीबी, कुष्ठ, शुगर, रक्तचाप आदि की जांच की गई तथा आवश्यक दवाइयां एवं परामर्श निःशुल्क प्रदान किए गए। शिविर में कुल 67 मरीजों की जांच की गई, जिनमें टीबी संदिग्ध 06, सर्दी-जुकाम 11, बुखार 02, दाद-खुजली 09, बीपी-शुगर 07, एएनसी 02, हड्डी-पैर दर्द 12 सहित अन्य मरीज शामिल थे। शिविर में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा ग्रामीणों को टीबी और कुष्ठ रोग के लक्षणों, उपचार और बचाव संबंधी पाम्पलेट वितरण कर जानकारी दी गई। संदिग्ध मरीजों के नमूने जांच हेतु भेजे गए। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के डीपीपीएमसी अमित सिंह, पीएमडीटी समन्वयक धीरज रात्रे, सेक्टर सुपरवाइजर मणिलाल पैकरा, आरएचओ संजू भास्कर, एएनएम योगेश मरकाम सहित मितानिन और विभागीय अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

किसानों के लिए पहल एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीयन अब अनिवार्य

मुंगेली/नवप्रदेश। राज्य शासन द्वारा किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। अब सभी किसानों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीयन कराना अनिवार्य किया गया है। सहायक आयुक्त सहकारिता ने बताया कि एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीयन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर निर्धारित की गई है, जो किसान पंजीयन से छूटे हों, वे शीघ्र ही अपना पंजीयन करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय कृषि क्षेत्र के लिए एक डिजिटल इकोसिस्टम है, जिसे भारतीय सरकार ने विकसित किया है। जिसका उद्देश्य किसानों के लिए एक संपूर्ण डेटाबेस बनाना है, जिसमें उनकी पहचान, भूमि रिकॉर्ड, आय, ऋण, फसल की जानकारी और बीमा इतिहास के बारे में जानकारी शामिल है। एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीयन कराने से किसानों को धान खरीदी सहित शासन की अन्य योजनाओं का लाभ मिलेगा। एग्रीस्टैक पोर्टल पर किसान आईडी बनवाने से किसानों को धान खरीदी, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, किसान क्रेडिट कार्ड, उर्वरक अनुदान, प्रधानमंत्री किसान सिंचाई योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, कृषि मशीनीकरण योजना एवं मुख्यमंत्री किसान सहायता योजना जैसी अनेक केंद्र एवं राज्य शासन की योजनाओं का लाभ सीधे प्राप्त होगा। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिले के सभी किसानों से अपील की है, कि वे शीघ्रता से एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन कराएँ, ताकि किसी भी योजना का लाभ लेने में उन्हें कठिनाई न हो।

कलेक्टर ने राज्योत्सव, यूनिटी मार्च और धान खरीदी कार्य की तैयारियों को लेकर विभागीय अधिकारियों की ली बैठक

2 से 4 नवम्बर तक तीन दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रम का होगा आयोजन

सक्ती/नवप्रदेश। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अमृत विकास तोपनो ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय सभाकक्ष में धान खरीदी कार्य, राज्योत्सव और यूनिटी मार्च की तैयारियों को लेकर सभी विभागीय अधिकारियों की बैठक ली तथा आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर द्वारा बैठक में बताया गया कि जिला मुख्यालयों में 02 नवम्बर से 04 नवम्बर तक तीन दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रम का आयोजन कराया जाना है। जिसके लिए उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर राज्य शासन के विभिन्न विभागों की महत्वपूर्ण योजनाओं एवं सफल परियोजनाओं का प्रदर्शन करने और विभिन्न विभागों को उनके विभाग अंतर्गत हुवे विकास कार्यों तथा विभागीय उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी लगाए जाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने स्थानीय कलाकारों के द्वारा शालीनतापूर्वक सांस्कृतिक कार्यक्रम कराये जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने 01 नवम्बर से 05 नवम्बर 2025 तक की रात्रि में जिला मुख्यालय में स्थित शासकीय भवनों पर रोशनी भी कराये जाने सहित अन्य आवश्यक निर्देश सभी संबंधित विभागों को दिए है। बैठक में कलेक्टर द्वारा शासन से प्राप्त निर्देशानुसार लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की 150वीं जयंती के अवसर पर यूनिटी मार्च का आयोजन कराने के लिए स्थल को चिन्हांकित करने सहित अन्य सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश सभी संबंधित विभागों को दी गई है। कलेक्टर ने कहा की युवाओं में राष्ट्रीय गौरव जगाने, समाज के प्रति जिम्मेदारी बढ़ाने और एकता की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से युवाओं की भूमिका पर विशेष ध्यान देते हुए हमें यूनिटी मार्च का आयोजन करना है। यह कार्यक्रम लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वीं जयंती को समर्पित है। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में एकता, देशभक्ति और कर्तव्य भावना को जागृत करना है। बैठक में यूनिटी मार्च के आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की गई तथा सभी संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए गए। इसी क्रम में कलेक्टर द्वारा आगामी दिनों में किसानों से होने वाले धान खरीदी कार्य की तैयारियों की समीक्षा की गई तथा सभी संबंधित अधिकारियों को धान खरीदी से संबंधित सभी कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतते हुए निर्धारित समय सीमा में सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही बैठक में कलेक्टर द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के कार्यों की अद्यतन स्थिति, आदि कर्मयोगी अभियान, छात्रवृत्ति स्वीकृति एवं वितरण, प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना अंतर्गत प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना सहित अन्य विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई तथा आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में अपर कलेक्टर बीरेन्द्र लकड़ा, अपर कलेक्टर बालेश्वर राम सहित सभी एसडीएम, तहसीलदार और सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

देशभर के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों ने सम्मेलन में भाग लिया

'विशेष गहन पुनरीक्षण' की तैयारियों को लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारियों का सम्मेलन आयोजित

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों का दो दिवसीय सम्मेलन आज नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल मैनेजमेंट में संपन्न हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने की, इस दौरान निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी भी उपस्थित रहे। देशभर के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों ने इस सम्मेलन में भाग लिया। बैठक में आगामी 'विशेष गहन पुनरीक्षण' की तैयारियों की समीक्षा की गई। आयोग ने सभी मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को अपने-अपने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर की तैयारियों को शीघ्र अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों ने एसआईआर की प्रक्रिया पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया और मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का समाधान किया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक पारदर्शी, सटीक और त्रुटिरहित बनाना है, ताकि प्रत्येक योग्य नागरिक का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित हो सके। आयोग ने पूर्व में जारी दिशा-निर्देशों पर हुई प्रगति की समीक्षा करते हुए वर्तमान मतदाता सूची की तुलना पिछले एसआईआर के आंकड़ों से करने पर भी जोर दिया। आयोग ने आगामी चुनाव वाले राज्यों असम, तमिलनाडु, पुदुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ अलग-अलग बैठकें कर राज्यवार तैयारियों का मूल्यांकन किया। यह सम्मेलन 10 सितंबर 2025 को आयोजित एसआईआर तैयारी बैठक की अनुवर्ती कार्रवाई के रूप में आयोजित किया गया। उस बैठक में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा मतदाताओं की संख्या, पिछली अर्हता तिथि और मतदाता सूची के अद्यतन की स्थिति पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी। आयोग ने सभी मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से अपेक्षा की है कि आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण को समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पूरा किया जाए, ताकि आगामी निर्वाचन प्रक्रियाओं के लिए अद्यतन और त्रुटिहीन मतदाता सूची तैयार हो सके।

शासकीय उचित मूल्य दुकान महुली के संचालक पर एफआईआर दर्ज

*खाद्यान्न सामग्री वितरण में अनियमितता

*कई मृतकों के नाम पर किया राशन का उठाव

बलरामपुर/नवप्रदेश। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नीरनिधि नन्देहा ने जानकारी दी है कि विकासखण्ड वाड्रफनगर अंतर्गत ग्राम महुली के शासकीय उचित मूल्य दुकान के संचालक उमाशंकर जायसवाल के द्वारा फर्जी तरीके से लगभग 87,488 रुपये के खाद्यान्न सामग्री का उठाव कर अनियमितता बरतने संबंधी आवेदन प्राप्त हुआ था। जिस पर प्रथम दृष्टया जांच में पाया गया की उमाशंकर जायसवाल के द्वारा खाद्यान्न सामग्री में अनियमितता बरती गई। जिस पर उमाशंकर जायसवाल निवास ग्राम महुली के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है।इस संबंध में खाद्य निरीक्षक के जांच में पाया गया कि मृतक रामवृक्ष पण्डो की मृत्यु पश्चात उमाशंकर जायसवाल के द्वारा मृतक के पोते के रूप में अगस्त 2024 से नाम जुड़वाकर राशन का उठाव किया गया। इसी प्रकार मृतक राधिका निवासी ग्राम महुली के राशनकार्ड में उमाशंकर जयसवाल ने पोते के सदस्य के रूप में जनवरी 2024 से अपना नाम जुड़वाकर राशन का उठाव तथा मृतक दुलारो निवासी ग्राम महुली के राशनकार्ड में उमाशंकर जायसवाल ने जनवरी 2024 से अपने भाई विशाल जायसवाल को पोता के रूप में नाम जुड़वा कर राशन का उठाव किया गया। उमाशंकर जायसवाल के द्वारा मृतक रामवृक्ष पण्डो, मृतक राधिका, मृतक दुलारो के राशनकार्ड से फर्जी तरीके से राशन का उठाव किया गया। उमाशंकर जायसवाल के द्वारा लगभग 19-25 क्विंटल चावल, 55 किलोग्राम शक्कर, 110 किलोग्राम चना खाद्यान्न का फर्जी तरीके से उठाव किया गया है। जिसका बाजार मूल्य लगभग 87,488 रुपये है।ग्राम महुली निवासी उमाशंकर जायसवाल के द्वारा शासकीय उचित मूल्य के दुकान के संचालन में अनियमितता बरती गई। जो छत्तीसगढ़ राज्य सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश का स्पष्ट उल्लंघन है। जो आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत दण्डनीय है। जिस पर एफआईआर दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

किसानों को दी गई आधुनिक कृषि तकनीक व योजनाओं की जानकारी

बलरामपुर/नवप्रदेश। रजत जयंती के अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र बलरामपुर में जिला स्तरीय किसान मेला का आयोजन किया गया। मेले में कृषि विभाग, कृषि विज्ञान केंद्र, उद्यानिकी विभाग, पशुपालन विकास विभाग, मत्स्य पालन विभाग एवं रेशम पालन विभाग द्वारा विभिन्न विभाग के योजनाओं की जानकारी किसानों के साथ साझा की गई। साथ ही समस्त विभागों के द्वारा विभागीय योजनाओं की स्टॉल के माध्यम प्रदर्शनी भी लगाई गई, ताकि किसान अधिक से अधिक योजनाओं से संबंधित जानकारी लेकर लाभ उठा सकें। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष धीरज सिंहदेव, जनपद अध्यक्ष सुमित्रा चेरवा, जिला पंचायत सदस्य बद्री यादव, गणमान्य नागरिक गोपाल कृष्ण मिश्रा, सहित कृषि समिति के सदस्य, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।किसान मेले में किसानों को ड्रोन का प्रदर्शनी कर ड्रोन के बारे में बताया गया। किसान मेला के प्रथम सत्र में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा खेती में नवाचार, आधुनिक तकनीकी कृषि यंत्रों का उपयोग सिर्फ फसलों में जल प्रस्थान प्रकृति खेती एवं जैविक खेती इत्यादि विषयों में जानकारी प्रदान की गई तत्पश्चात संचालक कृषि द्वारा विभागीय योजनाओं की विस्तृत चर्चा की गई तथा संबंधित अधिकारियों के द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों के द्वारा जैविक एवं प्रकृति खेती को संरक्षण एवं बढ़ावा देने के साथ ही पशुपालन एवं अन्य कृषि संबंधी उद्यम को अपनाकर अतिरिक्त आमदनी प्राप्त करने हेतु कृषकों का प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के अंत में किसानों को मिनी किट, जाल, आईस बॉक्स, बीज सहित विभिन्न सामग्रियों का वितरण किया गया। साथ ही किसान मेले में प्रतिशील किसानों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 600 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

कार्यों में लापरवाही पटवारी निलंबित

बलरामपुर/नवप्रदेश। विकासखण्ड कुसमी के तहसील चांदो के अंतर्गत पटवारी शैलेष कुमार मिंज के द्वारा ऑनलाईन नामांतरण प्रकरण मे बिलंब करते हुए लापरवाही बरती गई जो की छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 (1) (दो), 3-क (ख) एवं 3-क (ग) का उल्लंघन है। जिस पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कुसमी श्री करण डहरिया के द्वारा मिंज को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा नियम 1966 के नियम 9 (1) (क) के तहत् तत्काल प्रभाव से निलंबित कर इनका मुख्यालय निर्वाचन शाखा कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कुसमी में नियत किया गया है।

खड़े ट्रकों से 680 लीटर डीजल चोरी कर ले उड़े अज्ञात चोर, मामला दर्ज

लखनपुर/नवप्रदेश। लखनपुर थाना क्षेत्र में वाहनों से डीजल चोरी का मामला कुछ अरसे बंद हो चुका था लेकिन अब एक बार फिर डीजल चोरी का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सोनू प्रसाद यादव वल्द शंभू यादव 24 वर्ष साकिन अधौरा थाना मेराल जिला गढ़वा (झारखंड) पेशा ड्राइवर ने 24 अक्टूबर दिन शुक्रवार को थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि 23 अक्टूबर दिन गुरुवार को ट्रक क्रमांक सीजी 04क्यू एल 3477 में रायपुर से सामान लोड कर अन्य लोड साथी ट्रकों के साथ औरंगाबाद जाने के लिए निकले थे। सभी ट्रकों में कलेकर लोड था। रात्रि होने कारण लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सीगीटाना में नरेंद्र ढाबा के पास हम सभी ट्रक चालक साथी अपने अपने ट्रक को खड़ी कर, खाना बना खाकर ट्रकों में सो रहे थे। 24 अक्टूबर की सुबह करीब 3 बजे कोई अज्ञात चोर द्वारा ट्रक क्रमांक सीजी 04क्यू एल 3477 से 300 लीटर डीजल कीमत 28500/- रूपये ,साथी ट्रक क्रमांक सीजी 15 ई ए 8004 से करीब 180 लीटर डीजल कीमती 17100/- रूपये ,ट्रक क्रमांक सीजी 15 इ ए 7004 से 200 लीटर डीजल किमती 19000/- कुल डीजल 680 लीटर- किमती 64600/ रू को अज्ञात चोर द्वारा ट्रकों के डीजल टैंक का ढक्कन तोड़ चोरी कर ले जाया गया। शिकायत पर लखनपुर पुलिस धारा सदर 305 (सी) बीएनएस का मामला दर्ज कर विवेचना कार्यवाही में लिया है।

तृतीय वर्ग कर्म. संघ 29 को पूरे प्रदेश में करेंगे प्रदर्शन

घरघोड़ा/नवप्रदेश। प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष पवन शर्मा एवं प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष पाण्डेय ने बताया कि ,आपको विदित ही है कि इस प्रदेश के अधिकारी व कर्मचारियों एवं पेंशनरों को केन्द्र की तिथि से महंगाई भत्ता व महंगाई राहत प्राप्त नहीं हो रहा है जबकि महंगाई दर लगातार बढ़ रही है ऐसी स्थिति में कर्मचारियों को बहुत ज्यादा आर्थिक नुकसान हो रहा है। प्रदेश के कर्मचारियों को केन्द्र की तिथि से महंगाई भत्ता पूर्व की एरियर्स राशि सहित देने का वादा किया था। इस सरकार का लगभग दो वर्ष का कार्यकाल पूरा होने जा रहा है किन्तु महंगाई भत्ता के लिए की गई घोषणा, चार स्तरीय समयमान वेतनमान लागू करने क्रियान्वयन तथा सातवें वेतनमान के अनुसार गृहभाड़ा भत्ता सहित अन्य भत्तों के पुनरीक्षण पर अमल नहीं किया जा रहा है हम अभी भी केन्द्रीय कर्मचारियों से 3% प्रतिशत पीछे हैं। देश के अन्य भाजपा शासित राज्य अपने कर्मचारियों को केन्द्र के समान जुलाई 2025 से महंगाई भत्ते के भुगतान का घोषणा/आदेश कर चुकी है। इसके साथ ही हमारी सरकार ने प्रदेश के अनियमित एवं संविदा कर्मचारियों को भी कमेटी गठित कर 100 दिनों के भीतर नियमित करने का वादा किया था जिस पर भी निर्णय नहीं लिया गया है। शिक्षकों के सेवा गड़ना नियुक्ति तिथि किया जाए,सहायक शिक्षक को समयमान वेतनमान प्रदान किया जाए,छत्तीसगढ़ राज्य बनने पर प्रदेश के कर्मचारियों को उम्मीद थी कि मध्यप्रदेश से बेहतर आर्थिक स्थिति होगी लेकिन 25 साल बाद भी कर्मचारियों की आर्थिक समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ। अतः सरकार के कर्मचारियों के लिए की गई घोषणा के सभी मुद्दों को लेकर संघ एवं इस संघ से संबद्ध संगठनों द्वारा दिनांक 29 अक्टूबर 2025 को भोजनावकाश में प्रदेश के सभी सुविधानुसार जिला एवं ब्लॉक मुख्यालयों में प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के नाम कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा जावेगा। जिला शाखा अध्यक्ष संतोष पाण्डेय ने बताया कि जिला मुख्यालय रायगढ़ में ,शेख कलीमुल्ला, जेम्स वर्गिस शैलेश शर्मा, नरेन्द्र पर्वत,संजीव शेट्टी , एल बी एस जटवार, विकास तिवारी, अनिल डनसेना सुखदेव, विजय लक्ष्मी देवांगन धर्मजयगढ़- अनिल गाभेल,अजीत नायक , हकीउल्लाह, लैलूंगा पी आर भारद्वाज लाल साय भगत, तमनार -प्रफुल पटनायक, सुशील बोहिदर राजेशपटनायक,राम पॉल राठिया,विकाश सिंह,विक्रम शर्मा, जीतेश्वर प्रधान,हितेश देवांगन, अंजन चौहान,घरघोड़ा -केशव पटेल आशीष शर्मा रोहित डनसेना, सुरेन्द्र भाटिया,विनोद मेहर ,अश्वनी दर्शन सर्वेश मरावी खेम सागर पैंकरा सूरज पैंकरा ऋषिकेश साहू एवं पदाधिकारियों के नेतृत्व में प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा जाएगा।

मांग

ग्राम नरकालो में वन भूमि पर अवैध कब्जे को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त

वनभूमि पर दबंगों का अवैध कब्जा, ग्रामीणों ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

लखनपुर/नवप्रदेश। सरगुजा वन परिक्षेत्र लखनपुर अंतर्गत ग्राम नरकालो में वन भूमि पर अवैध कब्जे को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।

ग्रामवासियों ने बताया कि ग्राम जुड़वानी चुकनडाँड निवासी कलमसाय पिता धनेश्वर रजवार द्वारा ग्राम नरकालो स्थित वन भूमि (नर्सरी) खसरा नंबर 738 और 739, कुल रकबा 3.461 एकड़ में गैरकानूनी रूप से कब्जा कर लिया गया है। यह भूमि वन विभाग के अधिकार क्षेत्र में आती है, जिस पर किसी भी प्रकार का निजी स्वामित्व वैध नहीं है।ग्रामीणों के अनुसार उक्त व्यक्ति ने लंबे समय से इस भूमि पर अवैध कब्जा जमाकर खेती सहित अन्य निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया है। इस नाजायज कब्जे को लेकर ग्रामवासियों ने कई बार आपत्ति दर्ज कराई, किंतु दबंग व्यक्ति द्वारा कब्जा नहीं छोड़ा गया। इस पर नाराज ग्रामीणों ने ग्राम सरपंच प्रेमचंद सिंह के नेतृत्व में शनिवार को लखनपुर तहसील कार्यालय पहुँचकर तहसीलदार अंकिता पटेल के नाम पर एक ज्ञापन लिपिक भगवान सिंह को सौंपा।ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि ग्रामसभा में भी इस संबंध में प्रस्ताव पारित कर दबंग को नोटिस जारी किया गया था। इसके अलावा वन विभाग द्वारा भी दो बार नोटिस देने के बावजूद आरोपी ने कब्जा नहीं छोड़ा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि प्रशासन शीघ्र हस्तक्षेप कर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करे, ताकि वन भूमि को पुनः मुक्त कराया जा सके। ज्ञापन सौंपने के दौरान पूर्व जनपद सदस्य गिरीश सिंह, विक्रम सिंह, परमेश्वर सिंह, प्रभु सिंह, मुकुट दास, आनंद सिंह, गोरेलाल सिंह, शाहिद सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।ग्रामीणों का कहना है कि यदि प्रशासन जल्द कार्रवाई नहीं करता तो वे सामूहिक रूप से आंदोलन करने को विवश होंगे। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि संबंधित दबंग पर राजस्व एवं वन अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई करते हुए वन भूमि को मुक्त कराया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

संभागायुक्त ने किया वाड्रफनगर का दौरा

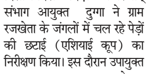

बलरामपुर, 24 अक्टूबर 2025/ सरगुजा संभाग आयुक्त नरेन्द्र कुमार दुग्गा बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने विकासखण्ड वाड्रफनगर अंतर्गत राजस्व एवं वन विभाग द्वारा किए गए संयुक्त वन सर्वेक्षण कार्यों का स्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया।

संभाग आयुक्त श्री दुग्गा ने ग्राम मेंढारी, स्याही, गोंदला का भ्रमण कर वहां की नारंगी भूमि का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। उन्होंने वन विभाग एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों से सर्वेक्षण की प्रगति की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। तत्पश्चात् संभाग आयुक्त दुग्गा ने ग्राम रजखेता के जंगलों में चल रहे पेड़ों की छटाई (एशियाई कूप) का निरीक्षण किया। इस दौरान उपायुक्त शारदा अग्रवाल, अपर कलेक्टर आर. एस. लाल, अनुविभागीय अधिकारी नीर नंदेहा, तहसीलदार, एसडीओ फॉरेस्ट, नायब तहसीलदार, रेंजर, पटवारी, फॉरेस्ट गार्ड आदि उपस्थित रहे।

जवाली नाले के अवैध निर्माण पर निगम का चला बुलडोजर

अवैध कमर्शियल बिल्डिंग पर कार्रवाई नहीं, लोगों ने नगर निगम पर भेदभाव का लगाया आरोप

बिलासपुर/नवप्रदेश। शहर में नगर निगम ने दिवाली पर्व के बाद एक बार फिर से अवैध कब्जा हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी है। शनिवार (25 अक्टूबर) को जवाली नाले के पास बनाए गए दुकान और मकानों पर बुलडोजर चलाया गया। इस दौरान लोगों ने निगम के अफसरों पर भेदभावपूर्ण कार्रवाई करने का आरोप लगाकर जमकर हंगामा मचाया। वहीं निगम के अफसरों ने कहा कि अभी अवैध निर्माण पर कार्रवाई नहीं की जा रही है। केवल सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करने वालों का अतिक्रमण हटाया जा रहा है। बता दें कि यहां एक व्यापारी ने बिना अनुमति के चार मंजिला कमर्शियल कॉम्प्लेक्स बना लिया है, जिस पर अब तक कार्रवाई नहीं की गई है।

करीब एक महीने पहले नगर निगम ने जवाली पुल के पास नजूल की जमीन पर किए गए अवैध निर्माण पर निगम ने बुलडोजर चलाने का दावा किया। इस दौरान अवैध कब्जा हटाने की कार्रवाई की गई। लेकिन, राजनीतिक दबाव में कार्रवाई रोक दी गई। दरअसल, निगम की इस कार्रवाई पर व्यापारियों ने सिंधी समाज के लोगों को टारगेट करने का आरोप लगाया और महापौर पूजा विधानी से शिकायत की, जिससे नाराज मेयर पूजा विधानी ने निगम के अफसरों पर कड़ी नाराजगी जाहिर की थी। दिवाली पर्व के बाद नगर निगम के अतिक्रमण शाखा और भवन शाखा की टीम एक बार फिर से एक्टिव हो गई है। 25 अक्टूबर को पुलिस बल की मौजूदगी में अतिक्रमण विभाग की टीम बुलडोजर लेकर जवाली नाला पहुंची, जहां चिन्हित अवैध कब्जे पर बुलडोजर चलाया गया। इस कार्रवाई के दौरान व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने बड़े कब्जाधारियों पर कार्रवाई करने की मांग की। साथ ही निगम पर भेदभाव तरीके से छोटे व्यापारियों पर कार्रवाई करने का आरोप लगाया।

बड़े कब्जाधारियों पर अफसर मेहरबान

बताया जा रहा है कि प्रकाश आडवाणी ने नगर निगम से आवासीय भवन के लिए नक्शा पास कराया था, लेकिन मौके पर लगभग निर्धारित से अधिक जगह में चार मंजिला कमर्शियल कॉम्प्लेक्स खड़ा कर दिया। साथ की नाले की बाउंड्री से लेकर इमारत तक की लगभग 3.9 मीटर जमीन और उससे आगे की करीब 11 मीटर नजूल भूमि पर भी अवैध कब्जा कर लिया गया है। नाले की ओर अवैध रूप से एक एंट्री गेट भी बना दिया गया है। नियमों के मुताबिक, इस जगह पर सिर्फ दो मंजिला आवासीय भवन की ही अनुमति थी, लेकिन इसका उल्लंघन करते हुए चार मंजिला कमर्शियल निर्माण कर दिया गया। इस अवैध निर्माण में निगम अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठ रहा है। नगर निगम की इस भेदभावपूर्ण कार्रवाई पर भवन शाखा प्रभारी अनुपम तिवारी का कहना है कि अभी नगर निगम ने सरकारी जमीन पर अवैध कब्जाधारियों को चिन्हांकित किया है और उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। कई व्यापारी ऐसे हैं, जिन्होंने बिना अनुमति अवैध निर्माण किया है, उनके खिलाफ कार्रवाई करने से पहले उन्हें नोटिस दिया जाएगा।

44 अवैध कब्जाधारियों को नोटिस

नगर निगम की जमीन पर अवैध कब्जा कर निर्माण करने वालों पर जिला प्रशासन ने करीब 6 महीने पहले सख्ती दिखाई थी। जवाली नाले के पास अवैध निर्माण का मामला सामने आने के बाद निगम और राजस्व विभाग की टीम बनाई थी। इस दौरान नजूल की जमीन का सीमांकन कराया गया। जिसके बाद निगम ने करीब 44 अवैध कब्जाधारियों को नोटिस भी जारी किया था।

■ न्यूज गैलरी

थथान्त मार्शल आर्ट के लिए बोदरी के दो खिलाड़ियों का चयन

बिलासपुर/नवप्रदेश। गोवा में होने वाली राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में नगर पालिका परिषद बोदरी के दो खिलाड़ियों का चयन राज्य शासन द्वारा थथान्त मार्शल आर्ट खेल के लिये किया गया है। नगर पालिका कार्यालय परिसर में इनके लिए सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दोनों खिलाड़ियों साक्षी ध्रुव पिता सुंदर लाल वार्ड 9 व भावना धुरी पिता देवी लाल धुरी वार्ड 4 को अध्यक्ष नीलम विजय वर्मा द्वारा प्रोत्साहन राशि देकर, नगर पालिका परिषद बोदरी के वरिष्ठ नेता कृष्ण कुमार कौशिक द्वारा शाल श्री फल से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में दोनों खिलाड़ियों का सम्मान करने के लिये सभापति फिरतुराम बनवरे, सभापति विजय वर्मा, पार्षद हीरालाल लोधी, पार्षद सुरेश केंवट, पार्षद रोहित साहू, सुनील वर्मा, पार्षद जोहित धुरी, विष्णु साहू, द्वारका सूर्यवंशी, रामक्लेश साहू आदि उपस्थित जनों ने दोंनो खिलाड़ियों को हार पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामनाएं की।

अनिश्चितकालीन चक्काजाम शुरू, शराबबंदी समेत दस प्रमुख मांगें रखीं

ड्राइवर महासंघ ने किया महाबंद चक्काजाम सुरक्षा कानून और वेलफेयर बोर्ड की मांग

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ ड्राइवर महासंघ के तत्वावधान में 25 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन महाबंद चक्काजाम शुरू कर दिया गया है। ड्राइवर सुरक्षा कानून, वेलफेयर बोर्ड गठन और राज्य में पूर्ण शराबबंदी को लेकर यह प्रदर्शन किया जा रहा है।

महासंघ का कहना है कि ड्राइवरों की जान की सुरक्षा और उनके परिवारों के अधिकारों के लिए ये कदम जरूरी है। संघ ने अपनी प्रमुख मांगों में ड्राइवरों की दुर्घटना में मृत्यु या विकलांग होने पर मुआवजा, ड्राइवर दिवस की घोषणा, बच्चों के लिए शिक्षा आरक्षण, हेल्थ कार्ड, और 55 वर्ष के बाद पेंशन सहित अन्य दस मांगें रखी हैं। महासंघ का संदेश है कि जब तक ड्राइवर सुरक्षा कानून लागू नहीं होगा, चक्का जाम जारी रहेगा। महासंघ का कहना है कि सड़क पर जान देने वाले ड्राइवर अब अपने हक के लिए आवाज उठाएंगे। उनका दावा है कि सुरक्षित ड्राइवर, सुरक्षित परिवहन और ड्राइवर की इज्जत सुनिश्चित करने के लिए ही यह आंदोलन किया जा रहा है। महासंघ ने अपने सदस्यों और जनता से सहयोग की अपील की है।

शहर में वाहन रोकने जैसी कोई घटना नहीं : करियारे

इस संबंध में ट्रैफिक एडिशनल एसपी रामगोपाल करियारे ने बताया कि जिला पुलिस ने वाहनों की सुगम आवाजाही और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक जगहों पर ड्यूटी लगाई है। उन्होंने कहा कि अभी तक बिलासपुर में कहीं भी वाहन रोकने जैसी कोई घटना नहीं हुई और सभी जगह वाहनों का संचालन निर्बाध रूप से चल रहा है।

अपराध नियंत्रण, अनुशासन और डिजिटल पुलिसिंग के दिए निर्देश

■ आईजी डॉ. संजीव शुक्ला ने जीपीएम पुलिस का किया वार्षिक निरीक्षण

बिलासपुर/नवप्रदेश। बिलासपुर रेंज के आईजी डॉ. संजीव शुक्ला ने दो दिवसीय प्रवास के दौरान जिला गौरेला-पेंड्रा- मरवाही पुलिस की सभी इकाइयों का वार्षिक निरीक्षण किया। उन्होंने थाना गौरेला, रक्षित केंद्र और एसपी कार्यालय का भ्रमण कर पुलिसिंग व्यवस्था की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान आईजीपी ने सस्पेक्ट रजिस्टर, हिस्ट्री शीट और निगरानी रजिस्टरों की जांच कर अद्यतन रखने के निर्देश दिए। साथ ही नवीन कानूनों और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के उपयोग पर विशेष बल दिया। रक्षित केंद्र पेंड्रा में बलवा ड्रिल और परेड की समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों कर्मचारियों को बेहतर अनुशासन, फिटनेस और जनता से संवेदनशील व्यवहार अपनाने की सीख दी। निरीक्षण में एसपी एस.आर. भगत और जिले के सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

लंबित प्रकरणों को शीघ्र निराकरण करने के निर्देश

■ सीजे सिन्हा ने रायगढ़, जांजगीर और सक्ती जिले की न्यायालयों का किया निरीक्षण

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा निरीक्षण करने के लिए रायगढ़ पहुंचे। रायगढ़ से वापसी के समय उनके द्वारा खरसिया, सक्ती न्यायालय के साथ ही जिला न्यायालय जांजगीर-चांपा का भी निरीक्षण किया गया। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में उच्च न्यायालय में दीपावली पर्व के अवकाश चल रहे हैं। अवकाश के दौरान भी मुख्य न्यायाधीश द्वारा विभिन्न जरूरी प्रकरणों पर सुनवाई की जा रही है तथा सुदृढ व सुचारू न्यायालयीन व्यवस्था हेतु विभिन्न न्यायालयों का आकस्मिक निरीक्षण भी किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला न्यायालय, रायगढ़ के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश जितेन्द्र कुमार व अन्य न्यायिक अधिकारीगण उपस्थित रहे। साथ ही जिले के अन्य प्रशासनिक अधिकारीगण भी उपस्थित थे। विदित हो कि मुख्य न्यायाधीश श्री सिन्हा द्वारा पूर्व में भी जिला रायगढ़ का निरीक्षण किया जा चुका है। पूर्व निरीक्षण में पायी गयी कमियों के निराकरण पर उनके द्वारा संतोष व्यक्त किया गया। मुख्य न्यायाधीश ने रायगढ़ में अधिवक्ताओं से भी मुलाकात की। अधिवक्ताओं द्वारा उनके आगमन पर हर्ष व्यक्त किया गया। तदुपरांत मुख्य न्यायाधीश ने न्यायिक अधिकारियों के साथ बैठक की। उनके न्यायालय में पुराने लंबित प्रकरणों की जानकारी ली और जन प्रकरणों की नियमानुसार निराकृत करने के निर्देश दिये गये। इसके बाद उनके द्वारा सिविल कोर्ट खरसिया के कोर्ट भवन का निरीक्षण किया गया। न्यायिक अधिकारियों की भी बैठक ली गई।

अधिकारियों को आवश्यक निर्देश

अधिवक्तामणों द्वारा बहुत ही हर्षोल्लास के साथ उनका स्वागत किया गया। अंत में मुख्य न्यायाधीश द्वारा जिला न्यायालय जांजगीर-चांपा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान न्यायिक अधिकारीगण व प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। न्यायिक अधिकारीगणों को न्यायालयीन प्रकरणों के निराकरण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। न्यायालय भवन में साफ सफाई पर संतोष व्यक्त किया गया। अधिवक्तागण भी उपस्थित रहे तथा उनसे चर्चा की गई।

नवाह्न परायण यज्ञ शुरु

बिलासपुर/नवप्रदेश। ग्राम सेलर, मटियारी-बेलतरा मार्ग पर 24 अक्टूबर से 3 नवंबर तक मानस मण्डली (हिन्दु समाज) ग्राम में अखिल ब्रह्माण्ड नियंता की असीम कृपा से प्रतिवर्षानुसार अखण्ड नवाह्न परायण यज्ञ (मानसगान एवं प्रवचन) का आयोजन किया जा रहा है। ग्राम में अखण्ड नवाह्न परायण यज्ञ का यह आयोजन विगत 80 वर्षों से निरंतर जारी है । कहा जाता है कि जन-जन के मन में राम रखें, हर प्राण-प्राण में सीता है, कंकर कंकर शंकर इसका, हर श्वांस-श्वांस में गीता है।

स्टेट बार काउंसिल चुनाव में 6901 वोटों की गिनती पूरी, साहू सबसे आगे

बिलासपुर /नवप्रदेश। बिलासपुर स्टेट बार काउंसिल चुनाव में मतगणना का काम जारी है। अब तक बिलासपुर, दुर्ग सहित 16 जिलों की गिनती पूरी हो चुकी है। कुल 23 हजार वकीलों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था, जिनमें से अब तक 16 हजार 901 वोटों की गिनती पूरी कर ली गई है। मतगणना के दौरान 68 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। गौरतलब है कि मतगणना का कार्य 13 अक्टूबर से शुरू हुआ था। जिला अधिवक्ता संघ के सचिव रवि पांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि दीपावली अवकाश के चलते 20 से 23 अक्टूबर तक यह प्रक्रिया स्थगित रही, जिसके बाद 24 अक्टूबर से पुनः मतगणना शुरू की गई।

अब तक 25 पदों के लिए 105 प्रत्याशियों के बीच मुकाबला जारी है, जबकि कई जिलों की मतगणना अभी बाकी है। अब तक प्राप्त परिणामों के अनुसार भास्कर साहू 300 वोटों के साथ सबसे आगे चल रहे हैं। दूसरे स्थान पर राहुल सिंह साहू 292 वोटों के साथ हैं, जबकि शैलेश दुबे 257 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। इसके अलावा गणेश राम गुप्ता को 252, प्रभाकर सिंह चंदेल को 228 और नरेंद्र कुमार साहू को 226 वोट मिले हैं। शेष जिलों की मतगणना पूर्ण होते ही अंतिम परिणाम घोषित किए जाएंगे। संभावना जताई जा रही है कि स्टेट बार काउंसिल चुनाव का परिणाम 15 नवंबर के बाद घोषित किया जाएगा। मतगणना शांतिपूर्ण तरीके से जारी है। वकीलों में इन चुनावों को लेकर उत्साह का माहौल बना हुआ है और सभी की निगाहें अंतिम नतीजों पर टिकी हैं।

सूर्या ने मां काली का आशीर्वाद लेकर क्षेत्र की खुशहाली की कामना की

ग्राम पंचायत देवरी, गतौरा व अन्य ग्रामों में विराजी मां काली

मस्तूरी/नवप्रदेश। मस्तूरी विधानसभा में जगह-जगह मां काली विराजमान है, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष चंद्र प्रकाश सूर्या क्षेत्र में मां काली का आशीर्वाद लेकर क्षेत्र की खुशहाली एवं समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। ग्राम पंचायत देवरी पहुंचकर सभी वरिष्ठ जनों से मिलकर आशीर्वाद लियाएवं दीपावली की बधाई दी, काली माता का पूजा अर्चना किया, बाहर से आए हुए सभी माता सेवा समिति के द्वारा जगराता के गीत से समा बांध के रखा टोली अपनी बारी आने पर जस गीत गाकर सुनाया।

चंद्रप्रकाश सूर्या ने इस अवसर पर सभी से अपील किया कि वे धर्म के रास्ते पर चलें धर्म ही है जो हमें संस्कृति और संस्कार सिखाता है, माता-पिता का सेवा हमारा धर्म है, भाई बहन के प्रति हमारा धर्म हो, मानवता के प्रति हमारा धर्म हो, सूर्या ने कहा कि हम गीत संगीत के माध्यम से, अपनी पहचान बना सकते हैं जिन्हें गाने बजाने का रूचि है वह संगीत टीचर बनकर अपना जीवन संवार सकते है। सूर्या ने उपस्थित बच्चों से अपील किया कि वह अपनी माता-पिता की बातों को जरूर सुने, माता-पिता से अच्छा शुभचिंतक बच्चों के लिए कोई नहीं हो सकता जो सदैव उनके भलाई के लिए उनका मार्गदर्शन करते रहते हैं, शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि, आगे बढ़ने के लिए शिक्षा ही वह हथियार है जिससे हम गरीबी, भुखमरी, को हराकर अच्छा व्यक्तित्व का निर्माण करना है, आगे बढ़ सकते, शिक्षा ही जीवन का सार है, पढ़े लिखे व्यक्ति का हर जगह सम्मान होता है।

एनएसयूआई के प्रवेश उत्सव में हजारों छात्रों ने की शिरकत

बिलासपुर/नवप्रदेश। रतनपुर महामाया धर्मशाला में एनएसयूआई का प्रवेश उत्सव धूमधाम से मनाया गया, जिसमें हजारों की संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व मंडी अध्यक्ष संदीप शुक्ला, अध्यक्षता पीसीसी सदस्य नीरज जायसवाल ने की। वहीं विशिष्ट अतिथि आशीष शर्मा, राजा रावत, रवि रावत और स्वप्निल श्रीवास्तव उपस्थित रहे। नेताओं ने छात्र राजनीति के अपने अनुभव साझा करते हुए छात्रों को देश का भविष्य बताया। एनएसयूआई प्रदेशाध्यक्ष नीरज पांडे ने वीडियो संदेश के जरिए संबोधित किया। कार्यक्रम का सफल आयोजन मानस ताम्रकार और टीम ने किया। समापन पर अतिथियों को माँ महामाया का चित्र और गमछा भेंट कर सम्मानित किया गया।

महोत्सव

रजत जयंती महोत्सव सह जिला स्तरीय जैविक कृषि मेला का आयोजन

राज्य की उपलब्धियों को प्रदेश के कोने-कोने तक पहुंचाना उद्देश्य

बिलासपुर/नवप्रदेश। राज्य गठन के 25 वीं वर्षगांठ पर कृषि विभाग द्वारा कृषि महाविद्यालय परिसर में रजत जयंती महोत्सव सह परम्परागत कृषि विकास योजनांतर्गत जिलास्तरीय जैविक कृषि मेला का आयोजन किया गया। इस महोत्सव के आयोजन का उद्देश्य राज्य की उपलब्धियों को प्रदेश के कोने-कोने तक पहुंचाना है।

कार्यक्रम में जैविक प्रदर्शनी कृषि संवर्गीय विभागों के द्वारा स्टाल लगाकर किया गया तथा कार्यक्रम में ड्रोन का प्रदर्शन कर किसानों को खेती में ड्रोन का उपयोग करने प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के करकमलों से छ.ग. महतारी के छायाचित्र मे दीप प्रज्जवलन कर कृषि महाविद्यालय परिसर सभागार में किया गया। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र बिलासपुर के प्रमुख वैज्ञानिक डां.गीत शर्मा द्वारा किसानों को जैविक खेती की तकनीकी की जानकारी देते हुए कृषि उत्पादकता बढ़ानें, जैविक उत्पादन हेतु नवाचार एवं नवीन वैज्ञानिक पध्दतियों की विस्तृत जानकारी दी गई। उप संचालक कृषि पी.डी. हथेश्वर द्वारा रजत जयंती महोत्सव सह जिलास्तरीय जैविक कृषि मेला में वर्ष 2000 से वर्ष 2025 के बीच जिलें में कृषि एवं संवर्गीय विभाग की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से कृषकों की खेती में हुए नवाचार, आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकी का उपयोग, फसलों का विविधीकरण इत्यादि के माध्यम से किसानों के फसल उत्पादन एवं उनकी आर्थिक स्थिति में हुई वृध्दि का प्रदर्शन एवं प्रचार प्रसार किया जाकर कार्यक्रम में योजनाओं के लाभार्थीयों, महिलाओं, किसानों, श्रमिकों, भूमिहीन मजदूरों एवं कृषि आदान विक्रेताओं आदि को विशेष रूप से शामिल किया गया।

स्व-सहायता समूहों के निर्मित कृषि व जैविक उत्पादों का प्रदर्शन

आज रजत जयंती महोत्सव कार्यक्रम के माध्यम से कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मतस्य पालन, कृषि महाविद्यालय, कृषि विज्ञान केन्द्र, किसान बीज उत्पादक संस्था रिस्दा एवं महिला स्व सहायता समूहों द्वारा निर्मित कृषि तथा जैविक उत्पादों का प्रदर्शन तथा योजनाओं का प्रचार-प्रसार किसानों के मध्य किया जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुसुईया जागेन्द्र कश्यप, सभापति कृषि स्थाई समिति द्वारा किया गया।

न्यूज गैलरी

अमेरिका के 7 शहरों में रहते हैं दुनिया के सबसे ज्यादा अमीर लोग

नईदिल्ली। दुनिया के सबसे ज्यादा धनी निवासियों वाले शीर्ष 10 शहरों में से 7 शहर अमेरिका में हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इसमें उन लोगों को शामिल किया गया है जिनकी कुल संपत्ति 3 करोड़ डॉलर (लगभग 260 करोड़ रुपये) से अधिक है। रिपोर्ट में जून, 2025 तक के आंकड़े दिए गए हैं और बताया गया है कि अमेरिका में अरबपतियों की संख्या पिछले साल की तुलना में तेजी से बढ़ी है। न्यूयॉर्क 21,380 अमीर निवासियों के साथ वैश्विक सूची में पहले स्थान पर है, जो पिछले साल की तुलना में 23.4 प्रतिशत अधिक है। लॉस एंजिल्स 11,680 निवासियों के साथ तीसरे और सैन फ्रांसिस्को 8,270 के साथ चौथे स्थान पर है। इसके बाद शिकागो, डलास, वाशिंगटन डीसी और ह्यूस्टन हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि इन सभी अमेरिकी शहरों में अमीर लोगों की आबादी में 2 अंकों की तेज वृद्धि देखी गई है। अमेरिका के अलावा हांगकांग 17,215 अति-धनवान लोगों के साथ दूसरे स्थान पर है। टोक्यो 6,940 और लंदन 6,660 अमीर निवासियों के साथ सूची में शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हांगकांग का उदय आईपीओ गतिविधियों में बढ़ोतरी और शेयर बाजार के तेज प्रदर्शन से जुड़ा है। टोक्यो और लंदन जैसे शहर अब भी अपने पुराने आर्थिक प्रभाव और वैश्विक वित्तीय स्थिति के कारण शीर्ष 10 में मजबूती से बने हुए हैं। रिपोर्ट बताती है कि जिनकी संपत्ति 3 करोड़ डॉलर से अधिक है, वे कुल वैश्विक करोड़पति आबादी का सिर्फ 1 प्रतिशत हैं, लेकिन उनके पास पूरी संपत्ति का लगभग एक-तिहाई हिस्सा है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में इस समय लगभग 5 लाख अति-धनवान व्यक्ति हैं और 2030 तक इनकी संख्या बढ़कर करीब 6.7 लाख तक पहुंचने का अनुमान लगाया गया है, जिससे वैश्विक संपत्ति में और असमानता बढ़ सकती है।

अमेरिका और चीन की व्यापार वार्ता कुआलालंपुर में शुरू

बिजनेस डेस्क। चीन और अमेरिका व्यापार युद्ध को रोकने के लिए कुआलालंपुर में वार्ता शुरू की। इस चर्चा का मकसद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच मुलाकात का रास्ता साफ करने का है। रिपोर्ट के अनुसार यह महत्वपूर्ण बातचीत टैरिफ पर अंतरिम राहत, प्रौद्योगिकी नियंत्रण और अमेरिकी सोयाबीन की चीनी खरीद के इर्द-गिर्द घूम सकती है। व्यापार युद्ध को रोकने के लिए अमेरिका और चीन के बीच कुआलालंपुर में वार्ता शुरू की। मलेशिया के शीर्ष आर्थिक अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। इस चर्चा का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अगले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच एक मुलाकात है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ के शिखर सम्मेलन से इतर होने वाली ये बातचीत ट्रंप द्वारा चीनी वस्तुओं पर 100 प्रतिशत नए टैरिफ लगाने की धमकी के बाद आगे की राह तय करेगी। यह नया टैरिफ और अन्य व्यापार प्रतिबंध 1 नवंबर से शुरू होंगे।

21 नवंबर तक यही स्थिति बनी रह सकती है, मगर इसके बाद इसमें कमी आने लगेगी

रूस के बदले अमेरिका और पश्चिम एशिया से ज्यादा तेल खरीदेगा भारत

नई दिल्ली। अभी भारत रोज रूस से 17 लाख बैरल कच्चे तेल का आयात करता है और केंद्र सरकार के सूत्रों का कहना है अमेरिकी प्रतिबंध लागू होने की तिथि 21 नवंबर तक यही स्थिति बनी रह सकती है। मगर इसके बाद इसमें कमी आने लगेगी। अमेरिका की ओर से रूस के दो बड़े तेल उत्पादकों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद भारत अब रूस के बदले पश्चिम एशिया, अमेरिका, लैटिन अमेरिका, कनाडा, ब्राजील आदि से कच्चे तेल की खरीद बढ़ा सकता है।

हालांकि यहां से ढुलाई की लागत बढ़ जाएगी जिससे आयात बिल में वृद्धि होगी। अभी भारत रोज रूस से 17 लाख बैरल कच्चे तेल का आयात करता है और केंद्र सरकार के सूत्रों का कहना है अमेरिकी प्रतिबंध लागू होने की तिथि 21 नवंबर तक यही स्थिति बनी रह सकती है। मगर इसके बाद इसमें कमी आने लगेगी। भारत के सरकारी और निजी रिफाइनरियां अभी रोसनेफ्ट और लुकोइल से करीब 12 लाख बैरल तेल प्रतिदिन खरीदती हैं। इनमें से अधिकांश मात्रा निजी रिफाइनरियों, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायरा एनर्जी की है। प्रतिबंध लागू होने के बाद यह खरीद बंद करनी होगी क्योंकि रूस की इन कंपनियों के साथ प्रत्यक्ष या परोक्ष खरीद करने वाली कंपनियां भी अमेरिकी प्रतिबंध के दायरे में आ जाएंगी। केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक (रिफाइनिंग एवं मॉडलिंग) सुमित रिटोलिया ने कहा कि 21 नवंबर तक रूसी कच्चे तेल का प्रवाह 16 से 18 लाख बैरल प्रतिदिन बना रह सकता है। लेकिन इसके बाद रोसनेफ्ट और लुकोइल से आने वाले तेल की मात्रा में प्रत्यक्ष गिरावट दिखेगी, क्योंकि

भारतीय रिफाइनर अमेरिकी प्रतिबंधों के किसी भी जोखिम से बचना चाहेंगे। सूत्रों ने बताया कि रिलायंस पेट्रोकेमिकल्स, जिसका रोसनेफ्ट के साथ 5 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल खरीदने का 25 साल का अनुबंध है, इस अनुबंध से बाहर आने वाली पहली कंपनी हो सकती है। इसी तरह यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के कारण अन्य जगहों से आपूर्ति कम होने के बाद पूरी तरह रूसी तेल पर निर्भर नायरा के पास भी बहुत कम विकल्प बचेंगे। रिटोलिया ने कहा, फिर भी, रिफाइनर तीसरे पक्ष के मध्यस्थों के माध्यम से अप्रतिबंधित रूसी तेल प्राप्त करना जारी रखेंगे, हालांकि इसमें पूरी सावधानी बरती जाएगी। रिटोलिया ने बताया, रूसी तेल का सबसे बड़ा आयातक, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) सबसे तात्कालिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। रोसनेफ्ट के साथ अपने अनुबंधों के प्रभावित होने के कारण, आरआईएल को परिचालन निरंतरता बनाए रखते हुए ओएफएसी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए तीसरे पक्ष से तत्काल खरीद की ओर रुख करना होगा। उसे अपनी आपूर्ति और वित्तीय श्रृंखलाओं को फिर से तैयार करना होगा। रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. ने कहा, हमने ईयू, ब्रिटेन और अमेरिका की ओर से रूसी कच्चे तेल खरीद और तैयार उत्पाद के यूरोप में निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों को देखा है। रिलायंस अभी नए कंप्लाएंस अनिवार्यताओं समेत अन्य प्रभाव का आकलन कर रही है। हम तैयार उत्पाद के यूरोप निर्यात के बारे में ईयू के दिशा-निर्देशों का पालन करेंगे। इस बारे में जब भी भारत सरकार की तरफ से कोई निर्देश मिलेगा, हम हमेशा की तरह उसका भी पूरी तरह पालन करेंगे।

कमजोर मांग से निजी क्षेत्र की वृद्धि दर घटकर पांच महीने में सबसे कम

सर्दियों में हर हफ्ते संचालित होंगी 26,495 फ्लाइटें नए शेड्यूल में 126 हवाईअड्डों को जोड़ा गया

बिजनेस डेस्क। देश में विमानन कंपनियां इस साल 26 अक्तूबर से शुरू हो रहे शीतकालीन कार्यक्रम में हर सप्ताह 26,495 उड़ानें संचालित करेंगी, जो पिछले साल की तुलना में लगभग 6 प्रतिशत अधिक है। यह शीतकालीन शेड्यूल 26 अक्तूबर से शुरू होकर 28 मार्च 2026 तक लागू रहेगा। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार, इन उड़ानों से 126 हवाईअड्डों को जोड़ा जाएगा।

पिछले ग्रीष्मकालीन शेड्यूल-25 में 129 हवाई अड्डों से 25,610 उड़ानें संचालित हो रही थीं। अमरावती, हिसार, पूर्णिया और रुपसी नए हवाई अड्डों के रूप में शामिल किए हैं।अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (ढ्ढरूस्न) का पूर्वानुमान है कि भारत की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2025-26 में 6.6% की दर से बढ़ेगी। विश्व आर्थिक परिदृश्य (डब्ल्यूईओ) की रिपोर्ट के अनुसार ढ्ढरूस्न ने कहा है कि भारत सबसे तेजी से बढ़ते %उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं% में से एक बना रहेगा। पहली तिमाही में मजबूत आर्थिक प्रदर्शन के कारण भारत की स्थिति बेहतर हुई है। भारतीय वस्तुओं पर बढ़े हुए अमेरिकी टैरिफ का असर भी काफी हद तक संतुलित हो गया है। आईएमएफ का अनुमान है कि भारत चीन से आगे निकलने वाला है। चीन का विकास दर 4.8% रहने का अनुमान है। हालांकि, आईएमएफ ने पहली तिमाही की गति मंद पड़ने का हवाला देते हुए 2026 के लिए अपने अनुमान को घटाकर 6.2% कर दिया है। टैरिफ का कम असर होने का उल्लेख करते हुए आईएमएफ ने 2025 में वैश्विक विकास दर 3.2% रहने का अनुमान लगाया है। कमजोर मांग और उत्पादन की बढ़ती कीमतों के कारण निजी क्षेत्र की वृद्धि दर अक्तूबर में घटकर पांच महीने के निचले स्तर पर आ गई। एचएसबीसी का फ्लैश इंडिया कंपोजिट खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) अक्तूबर में गिरकर 59.9 पर आ गया। सितंबर में यह 61.0 पर था। हालांकि, मई के बाद से सबसे निचले स्तर पर पहुंचने के बावजूद वृद्धि दर मजबूत रही। मौसमी रूप से समायोजित सूचकांक विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के संयुक्त उत्पादन में मासिक आधार पर बदलाव को मापता है।

रिपोर्ट के अनुसार, अक्तूबर में वृद्धि दर में गिरावट मुख्य रूप से सेवाओं की वृद्धि में मंदी के कारण रही। विनिर्माण गतिविधि सितंबर में चार महीने के निचले स्तर से उबर गई। विनिर्माण पीएमआई सितंबर के 57.7 से बढ़कर 58.4 हो गया। सेवा व्यवसाय गतिविधि सूचकांक 60.9 से घटकर 58.8 हो गया। नए ऑर्डर सूचकांक में मजबूती से वृद्धि हुई।

दीपिंदर गोयल ने इंसानी उम्र बढ़ाने पर शोध के लिए करोड़ों का फंड किया जारी

नईदिल्ली। जोमैटो के सीईओ दीपिंदर गोयल ने अपनी नई शोध योजना कंटिन्यू के तहत 2.5 करोड़ डॉलर (लगभग 220 करोड़ रुपये) का फंड शुरू किया है। इस फंड का मकसद वैज्ञानिकों की मदद करना है, जो मानव उम्र बढ़ने के तरीके समझने का काम करते हैं। यह पैसा पूरी तरह से गोयल खुद देंगे। इस योजना का लक्ष्य दुनियाभर के शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करना है, ताकि वे साधारण सवाल पूछें और उम्र बढ़ने के पुराने तरीकों को चुनौती दें। कंटिन्यू रिसर्च शोधकर्ताओं की मदद करेगा, ताकि वे ऐसे आसान सवाल खोज सकें जो उम्र बढ़ने से जुड़ी जटिल बातें चुनौती दें। गोयल का मानना है कि मानव शरीर एक सिस्टम की तरह है और इसमें कुछ खास बिंदु हैं। अगर इन बिंदुओं को समझकर सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए, तो हमारी उम्र और जीवन शैली में बड़े बदलाव आ सकते हैं। इस योजना का मकसद सिर्फ स्वस्थ रहने की क्षमता बढ़ाना है, मौत को रोकना नहीं। कंटिन्यू फंड 2 प्रकार

की परियोजनाओं का समर्थन करेगा। मूनशॉट्स उच्च जोखिम वाले प्रारंभिक विचारों के लिए 50,000 से 2.50 लाख डॉलर (लगभग 40 लाख रुपये से 2.20 करोड़ रुपये) तक फंडिंग देगा। डीप डाइव्स शोधकर्ताओं को 3 साल तक परिकल्पनाओं को सत्यापित या अस्वीकृत करने के लिए 2.50 लाख से 20 लाख डॉलर (लगभग 18 करोड़ रुपये) तक का अनुदान प्रदान करेगा। सभी शोध परिणाम ओपन सोर्स होंगे और फंडिंग के लिए पूर्व प्रकाशन की आवश्यकता नहीं होगी। गोयल ने बताया कि कंटिन्यू रिसर्च किसी कंपनी या स्टार्टअप के रूप में नहीं, बल्कि अगले वर्ष के लिए एक शोध दल और सीड फंड के रूप में काम करेगा।

एन एम डी सी लिमिटेड (NMDC LIMITED)
(भारत सरकार का उद्यम) (A Government of India Enterprises)
बैलाडीला आयरन ओर माइन किरन्दुल काम्पलेक्स
Bailadila Iron Ore Mine, Kirandul Complex
(आईएसओ 9001:2015 एवं आईएसओ-14001:2015, आईएसओ 45001:2018, एसए 8000:2014 प्रमाणित एकक)
किरन्दुल-494556, जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छत्तीसगढ़) भारत
KIRANDUL- DISTT.- SOUTH BASTAR DANTEWADA (C.G.) INDIA

क्रमांक केसी/प्र. एवं सु./2025/ अधिसूचना दिनांक 26/10/2025

अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग के लिए वाक इन इंटरव्यू की अधिसूचना

एनएमडीसी लिमिटेड, बैलाडीला आयरन ओर माईन किरंदुल काम्प्लेक्स अप्रेंटिसशिप एक्ट 1961 (अभी तक संसोधित) अप्रेंटिसशिप नियम 1992 एवं बी.ओ.ए.टी. (एन.ए.टी. एस./एन. ए.पी.एस.) के दिशा निर्देश के अंतर्गत ग्रेजुएट अप्रेंटिस, तकनीशियन (डिप्लोमा) अप्रेटि, और ट्रेड अप्रेंटिस के लिए वाक-इन-इंटरव्यू का आयोजन कर रहा है। रिक्तयों का विवरण नीचे दिया गया है।

क्र. सं.	वर्ग	रिक्तियों की संख्या	अर्हता	वाक इन इंटरव्यू की तिथि
(अ) ट्रेड आपरेंटिस				
1.	मशीनिष्ट	04	मशीनिष्ट में ट्रेड सर्टिफिकेट	12/11/2025
2.	फिटर	12	फिटर में ट्रेड सर्टिफिकेट	
3.	वेल्डर	23	वेल्डर में ट्रेड सर्टिफिकेट	13/11/2025
4.	मेकनिक डीजल	22	मेकनिक डीजल में ट्रेड सर्टिफिकेट	14/11/2025
5.	मेकेनिक मोटर व्हीकल (एमएमवी)	12	मेकेनिक मोटर व्हीकल (एमएमवी) में ट्रेड सर्टिफिकेट	
6.	इलेक्ट्रीशियन	27	इलेक्ट्रीशियन में ट्रेड सर्टिफिकेट 1	17/11/2025
7.	कोपा	47	कोपा में ट्रेड सर्टिफिकेट	18/11/2025
(ब) स्नातक अपरेंटिस				
8.	केमिकल इंजीनियरिंग	01	केमिकल इंजीनियरिंग/तकनीकी में डिग्री	19/11/2025
9.	कम्प्यूटर इंजीनियरिंग	01	कम्प्यूटर इंजीनियरिंग/ तकनीकी में डिग्री	
10.	फारमेसी में स्नातक	01	फारमेसी साईंस में डिग्री	
11.	बी.बी.ए. (बेचलर आफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन)	02	बी.बी. ए. में डिग्री	20/11/2025
12.	इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रानिक इंजीनियरिंग (ई. ई.)	02	ई. ई. इंजीनियरिंग/ तकनीकी में डिग्री	
13.	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	06	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग/ तकनीकी में डिग्री	
14.	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	10	मैकेनिकल इंजीनियरिंग/ तकनीकी में डिग्री	21/11/2025
15.	मइनिंग इंजीनियरिंग	10	मइनिंग इंजीनियरिंग/ तकनीकी में डिग्री	
16.	सिविल इंजीनियरिंग	07	सिविल इंजीनियरिंग/ तकनीकी में डिग्री	
(स) तकनीशियन (डिप्लोमा) आपरेंटिस				
17.	सिविल इंजीनियरिंग	01	सिविल इंजीनियरिंग/ तकनीकी में डिग्री	21/11/2025
18.	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	04	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग/ तकनीकी में डिग्री	20/11/2025
19.	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	04	मैकेनिकल इंजीनियरिंग/ तकनीकी में डिग्री	21/11/2025
20.	माईनिंग इंजीनियरिंग	01	माईनिंग इंजीनियरिंग / तकनीकी में डिग्री	

योग्यता मानदंड :-
1. उपरोक्त तालिका में उल्लेखित (अ) ट्रेड (आईटीआई) आपरेंटिस के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के पास आवेदन के समय राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीटी) / राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (एससीवीटी) द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से आईटीआई ट्रेड योग्यता प्रमाणपत्र (राष्ट्रीय व्यापार प्रमाणपत्र / राज्य व्यापार प्रमाण पत्र) होना चाहिए।
2 उपरोक्त तालिका में उल्लेखित (ब) ग्रेजुएट अप्रेंटिसशिप के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के पास इंजीनियरिंग में डिग्री होना चाहिए। संस्थान से प्रौद्योगिकी और साक्षात्कार के समय डिग्री प्रमाण पत्र का उत्पादन करना होगा।
3 उपरोक्त तालिका में उल्लेखित (स) तकनीशियन (डिप्लोमा) अप्रेंटिसशिप के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास इंजीनियरिंग में डिप्लोमा सर्टिफिकेट होना चाहिए। संस्थान से प्रौद्योगिकी और साक्षात्कार के समय डिप्लोमा प्रमाण पत्र का उत्पादन करना होगा। उम्मीदवारों को केवल विज्ञापन में उल्लेखित निर्धारित योग्यता के लिए साक्षात्कार दिया आधार जाएगा।

पात्रता मानदंड :-
1 ट्रेड अप्रेंटिसशिप के वॉक-इन-इंटरव्यू में शामिल होने के इच्छुक उम्मीदवारों को राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रमोशन स्कीम (एनएपीएस) वेब पोर्टल (http://www.apprenticeshipindia.gov.in) पर पहले से पजीकरण कराना होगा और उसे अनुमोदित कराना होगा
2. ग्रेजुएट अप्रेंटिस और तकनीशियन (डिप्लोमा) अप्रेंटिसशिप के लिए राष्ट्रीय शिक्षुता प्रशिक्षण योजना (एन.ए.टी.एस.) वेब पोर्टल (https://nats.education.gov.in) पर पहले से पंजीकरण कराना होगा और उसे अनुमोदित कराना आवश्यक है।
3. इंजीनियरिंग स्नातक या डिप्लोमा धारक या व्यावसायिक प्रमाणप्रत्र धारक, जिन्होंने इन योग्यताओं को प्राप्त कर लिया है/कर रहे हैं/ पहले से ही अनुबंधित है या इन योग्यताओं को प्राप्त करने के बाद एक वर्ष या उससे अधिक समय तक नौकरी का अनुभव रखते हैं. वे प्रशिक्षु अधिनियम 1961 के तहत प्रशिक्षुता के लिए पात्र नहीं होंगे।
4. कृपया सुनिश्चित करें कि परीक्षा उत्तीर्ण करने की तारीख से अनुबंध निर्माण की तारीख तक अंतर 5 वर्ष से अधिक नहीं है। यदि अनुबंध निर्माण की तारीख में यह अंतर 5 वर्ष से अधिक है, तो अनुबंध पोर्टल द्वारा नहीं बनाया जाएगा और प्रशिक्षु के रूप में जुडाव संभव नहीं होगा। इसलिए 5 वर्ष से अधिक के अंतर वाले उम्मीदवार को आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है।
5. उम्मीदवारों की आयु अधिसूचना की तिथि के अनुसार 16 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए।
6. अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछड़ा वर्ग का चयन शिक्षुता नियम 1992 के अनुसार और भारत सरकार द्वारा निर्धारित कोटा के अनुसार होगा।
7. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का जाति प्रमाण पत्र वांछिन्य प्रारूप में प्रस्तुत करना होगा। वांछिन्य प्रारूप एनएमडीसी की वेबसाइड (www.nmdc.co.in.) पर उपलब्ध हैं। यह नोटिफिकेशन एनएमडीसी वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। यदि साक्षात्कार के समय जाति प्रमाण प्रत्र वांछिन्य प्रारूप में प्रस्तुत नहीं किया जाता है, तो आपकी उम्मीदवारी पर संबंधित श्रेणी के लिए आरक्षित सीटों के लिए विचार नहीं किया जाएगा। जाति प्रमाण पत्र के प्रारूप के लिए एनएमडीसी वेवसाइट पर पब्लिस्ड नोटिफिकेशन अवश्य देखें।
8. ओबीसी श्रेणी (नॉन क्रीमी लीयर) के लिए जाति प्रमाण वांछिन्य प्रारूप में प्रस्तुत करना होगा। वांछिन्य प्रारूप एनएमडीसी की वेबसाइड (www.nmdc.co.in.) पर उपलब्ध है। यह नोटिफिकेशन एनएमडीसी वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। यदि साक्षात्कार के समय जाति प्रमाण प्रत्र वांछिन्य प्रारूप में प्रस्तुत नहीं किया जाता है, तो आपकी उम्मीदवारी पर संबंधित श्रेणी के लिए आरक्षित सीटों के लिए विचार नहीं किया जाएगा। जाति प्रमाण पत्र के प्रारूप के लिए एनएमडीसी वेबसाइट पर पब्लिस्ड नोटिफिकेशन अवश्य देखें।
9. केवल भारतीय नागरिक ही आवेदन करने के पात्र है।
10. उपरोक्त सभी दस्तावेजों की जांच साक्षात्कार सहायता डेस्क के सदस्यों और साक्षात्कार बोर्ड के सदस्यों द्वारा की जाएगी। विज्ञापन के अनुसार सभी मानदंडों को पूरा करने के बाद ही उम्मीदवार का साक्षात्कार लिया जाएगा।
11. तथ्यों को दबाने से किसी भी स्तर पर उम्मीदवारों को खारिज किया जा सकता है। शिक्षुता प्रशिक्षण योजना शिक्षुता प्रशिक्षण पूरा होने पर किसी रोजगार की गारंटी नहीं देती है। शिक्षुता प्रशिक्षण की अवधि एक वर्ष के लिए होगी।
12. एन.एम.डी.सी. लिमिटेड बी.आई.ओ.एम. किरंदुल कॉम्पलेक्स, बिना कोई कारण बताए, यदि परिस्थितियां ऐसी हों तो विज्ञापन/चयन प्रकिया वापस लेने/रद्द करने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित रखता है।
13. ऊपर उल्लेखित रिक्तियों की संख्या केवल सांकेतिक है और प्राप्त पात्र आवेदकों के अंतिम मूल्यांकन के आधार पर बाद में इसमें बदलाव हो सकता है।
14. दस्तावेजों के संतोषजनक सत्यापन एवं साक्षात्कार के आधार पर चयन किया जाएगा।

साक्षात्कार से पहले, उम्मीदवारों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे निम्नलिखित दस्तावेज लेकर आएं :-
क. संबंधित वेब पोर्टल (एन.ए.पी.एस / एन.ए.टी.एस.) में पंजीकरण प्रमाण के प्रोफाइल पृष्ठों की अनुमोदित प्रति।
ख. बायोडाटा फॉर्म (एक पासपोर्ट साइज फोटो के साथ)।
ग. आयु प्रमाण के लिए 10 वीं कक्षा के प्रमाण पत्र/ जन्म प्रमाण पत्र। सत्यापन उद्देश्य के लिए मूल प्रमाण पत्र लाना आवश्यक है।
घ. योग्यता प्रमाण पत्र और जाति प्रमाण पत्र आवश्यक है। सत्यापन उद्देश्य के लिए मूल प्रमाण पत्र लाना आवश्यक है। इन प्रमाण पत्रों को प्रस्तुत न करने पर आपको कमसः साक्षात्कार और आरक्षित सीटों के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा।
ड. उम्मीदवार को साक्षात्कार की तिथि पर हेल्प डेस्क द्वारा उपलब्ध कराए गए ऑनलाइन गूगल फॉर्म को भरना होगा।
उपयुक्त विषयों के लिए वॉक-इन-इंटरव्यू प्रशिक्षण संस्थान, बीआईओएम, किरंदुल कॉम्प्लेक्स, किरंदुल परिसर, जिला-दंतेवाड़ा (सीजी-494556) में प्रत्येक श्रेणी के सामने उल्लेखित तारीखों पर ही सुबह 9.00 बजे से शाम 5.30 बजे तक आयोजित किया जाएगा। वॉक-इन-इंटरव्यू में उपस्थित होने के लिए उम्मीदवार को साक्षात्कार हेल्प डेस्क पर खुद को पंजीकृत करने के लिए दोपहर 01.00 बजे से पहले साक्षात्कार स्थल पर पहुंचना होगा। दोपहर 1.00 बजे के बाद की रिपोर्टिंग पर विचार नहीं किया जाएगा। साक्षात्कारके लिए उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों को किसी प्रकार के भुगतान या टी.ए./डीए की प्रतिपूर्ति नहीं की जाएगी।
स्टाइपेंड का भुगतान अप्रेंटिसशिप नियम, 1992 के अनुसार किया जाएगा। प्रशिक्षुता प्रशिक्षण अवधि के दौरान आवास एवं भोजन की व्यवस्था प्रशिक्षुओं को स्वयं करनी होगी।

सहायक महाप्रबंधक (खनन)
प्रशिक्षण एवं सुरक्षा विभाग

खेल, मनोरंजन

गाथा शिव परिवार की-गणेश कार्तिकेय दिव्यता और इंसानी भावनाओं के बीच संतुलन बनाए रखता है: श्रेणु पारिख

सोनी सब का गाथा शिव परिवार कीङ्क गणेश कार्तिकेय दर्शकों को भगवान शिव (मोहित मलिक), माता पार्वती (श्रेणु पारिख), और उनके पुत्र भगवान गणेश (एकांश कठरोतिया) एवं भगवान कार्तिकेय (सुभान खान) की दिव्य दुनिया में एक भावनात्मक और आध्यात्मिक यात्रा पर ले जाता है। यह शो पौराणिकता को भावनाओं से खूबसूरती से जोड़ता है, और इस अलौकिक परिवार के रिश्तों, चुनौतियों और सीखों को दर्शाता है। श्रेणु का माता पार्वती के रूप में भावपूर्ण और संतुलित अभिनय ङ्क जिसमें शक्ति, सौम्यता और मातृत्व की गरिमा है ङ्क दर्शकों द्वारा खूब सराहा जा रहा है। श्रेणु पारिख ने खासखबर डाट काम से बातचीत में, अपने इस किरदार की यात्रा, तैयारी और अनुभवों को साझा किया जो उन्होंने इस भूमिका को निभाते हुए महसूस किए।

सवालः आपने माता पार्वती की भूमिका निभाने के लिए हाँ क्यों कहा?

जवाबः मुझे हमेशा ऐसे किरदारों की ओर आकर्षण रहा है, जिनमें शक्ति, सौम्यता और भावनात्मक गहराई हो – और माता पार्वती में ये सब खूबियाँ पूरी तरह से हैं। जब मुझे यह भूमिका आफर हुई, तो मैं उत्साहित भी थी और जिम्मेदारी का एहसास भी था। एक ऐसे देवी स्वरूप को निभाना जो व्यापक रूप से पूजनीय है, एक दुर्लभ अवसर है, और यह मेरे लिए एक कलाकार के रूप में चुनौतीपूर्ण था। पहले तो निर्णय लेना आसान नहीं था, लेकिन जब मैंने किरदार की गहराई और शो के दृष्टिकोण को समझा, तो मुझे लगा यह मौका नहीं गंवाना चाहिए। विकास वहीं होता है जहां आप अपने कम्फर्ट ज़ोन से बाहर आते हैं, और इस किरदार ने मुझे भावनात्मक, आध्यात्मिक और कलात्मक रूप से आगे बढ़ाया।

सवालः गाथा शिव परिवार की ङ्क गणेश कार्तिकेय अन्य पौराणिक शोज़ से कैसे अलग है?

जवाबः अधिकतर पौराणिक शो भव्यता और दृश्य प्रभावों पर केंद्रित होते हैं, लेकिन यह शो दिव्यता के साथ-साथ इंसानी भावनाओं को भी सामने लाता है। यह परिवार के भीतर प्रेम, संघर्ष और रिश्तों को उजागर करता है, जिससे दिव्य पात्र भी दर्शकों को करीब और सजीव लगते हैं। इसकी कहानी में जीवन के पाठ और भावनात्मक उतार-चढ़ाव होते हैं, जिससे लोग आसानी से जुड़ जाते हैं – यही बात इसे आज के टीवी शोज़ में अलग बनाती है।

अमिताभ बच्चन ने जयपुर पिंक पैंथर्स टीम की स्पोर्ट्समैनशिप को किया सलाम

नई दिल्ली। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपने बेटे और बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन की कबड्डी टीम जयपुर पिंक पैंथर्स की स्पोर्ट्समैन स्पिरिट को सलाम किया है और टीम के युवा सहायक प्रबंधक, वेदांत देवाडिगा को भी श्रद्धांजलि दी है। एक्टर ने इंस्टाग्राम पर टीम का हौसला बढ़ाते हुए पोस्ट किया है। अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया पर जयपुर पिंक पैंथर्स (जेपीपी) टीम को लेकर पोस्ट डाला है, जिसमें उन्होंने टीम की स्पोर्ट्समैनशिप को सलाम किया है। खिलाड़ियों ने माथे पर वेदांत के नाम का बैंड पहना है और मैदान में खेल रहे हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, टीम जेपीपी, हमने अपने सहायक मैनेजर को अचानक दुखद निधन में खो दिया। हमने टीम को विकल्प दिया था कि वे न खेलें और दिवंगत के सम्मान में वॉकओवर दें, लेकिन टीम ने उनके सम्मान में खेला। उनकी याद में उनके नाम का हेडबैंड पहना। इंसान मरते हैं, स्पोर्ट्समैनशिप नहीं।

गुरुवार को पटना पाइरेट्स के साथ जयपुर पिंक पैंथर्स का मैच हुआ था और पटना पाइरेट्स ने जेपीपी को हरा दिया, लेकिन टीम ने पूरी मेहनत की और ये मैच सहायक मैनेजर वेदांत देवाडिगा को समर्पित कर दिया। बता दें कि 21 अक्टूबर यानी दीपावली वाले दिन जेपीपी टीम के वेदांत का निधन हो गया था। बताया गया कि वेदांत का निधन हार्ट अटैक की वजह से हुआ था। टीम ने सोशल मीडिया पर दुख जताते हुए निधन की जानकारी दी थी। टीम ने लिखा था, जयपुर पिंक पैंथर्स परिवार हमारे सहायक प्रबंधक, वेदांत देवाडिगा के असामयिक निधन से अत्यंत दुखी है। वह हमारे परिवार के प्रिय सदस्य थे, उनके जुनून और समर्पण की हमें बहुत याद आएगी। वहीं, दीपावली के समय ही दूसरी कबड्डी टीम यू मुंबा ने भी अपने युवा खिलाड़ी को खो दिया था। हालांकि उनके निधन का कारण सामने नहीं आया था। मैच की बात करें तो शनिवार को त्यागराज स्टेडियम कॉम्पलेक्स में जयपुर पिंक पैंथर्स और हरियाणा स्टीलर्स के बीच रात में आठ बजे मैच होने वाला है।

कभी माचिस की डिब्बी जैसे घर में गुजारा समय, मलाइका अरोड़ा आज बना चुकी हैं अपनी अलग पहचान

शाहरुख खान के साथ छैया-छैया गाने से लोगों का दिल जीतने वालीं मलाइका अरोड़ा किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। एक्ट्रेस आज भी टीवी और फिल्मों पर अपने ग्लैमरस डांस की वजह से राज कर रही हैं। उन्होंने अपना नाम और करियर बनाने के लिए बहुत मेहनत की है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ.ग.)
क्रमांक 7353/लो.क.नि./न.पा.नि./2025 रायगढ़, दिनांक 24/10/2025

।। ई प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना ।।

नगर पालिक निगम रायगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सि.नि.क्र.	कार्य का विवरण	अनु.लागत राशि रु. (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5
1	178146	CONSTRACTION OF SAMUDAYIK BHAVAN FOR RAIGARH PRESS CLUB AT RAIGARH W.N. 27	30.00	17.11.2025

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता, न.पा.नि. रायगढ़

छत्तीसगढ़ में फिल्म सिटी का निर्माण करना मेरी प्राथमिकता: मोना सेन

रायपुर/नवप्रदेश। छग फिल्म विकास निगम की नवनियुक्त अध्यक्ष मोना सेन ने कहा कि छग के निर्माता निर्देशक सहित सभी पक्षों से बातचीत कर फिल्म सिटी और सब्सिडी मेरी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि मै छग फिल्म इंडस्ट्रीज का नाम उंचा करना चाहती हूं। हमारे संवाददाता से बातचीत करते हुए उन्होंने बताया कि फिल्म सिटी का निर्माण करना गांव गांव में थियेटर बनाना ताकि हमारी फिल्में इनके पहुंच में हो। हम सभी मुद्दों के लिए सरकार और इंडस्ट्रीज दोनों मिलकर ठोस हल निकालेंगे। उन्होंने कहा कि फिल्म विकास निगम सबके लिए है सभी को सम्मान और सामान अवसर प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि फिल्म हिट या असफल हो इस पर सुधार किया जाएगा। मोना सेन ने कहा कि मैं प्रदेश के मुख्यमंत्री और संगठन के प्रति आभार व्यक्त करना चाहती हूं उन्होंने मेरे दायित्वों के लिए यह पद दिया है। आपकी बहन को प्रस्ताव मिला था जिसमें उन्होंने इस संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया है। उन्होंने कहा कि किसी को भी कोई तकलीफ न हो मैं संतुलन बनाकर काम करूंगी।

पूरे छत्तीसगढ़ में बारिश की संभावना

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में आने वाले दिनों में मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर लो प्रेशर एरिया बन गया है, जो 27 अक्टूबर की सुबह तक चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है। इस सिस्टम के असर से 27 अक्टूबर से पूरे राज्य में बारिश की गतिविधियां बढ़ने की संभावना है। बस्तर संभाग के जिलों में अगले 4 दिनों तक बादल गरजने के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं, आने वाले 24 घंटों में कुछ स्थानों पर बिजली गिरने और गरज-चमक के साथ हल्की वर्षा की भी संभावना जताई गई है।

बारिश की वजह से फसल पर असर

अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में होने वाली बारिश का असर खेतों की खड़ी फसलों पर पड़ सकता है। जिन इलाकों में धान की कटाई हो चुकी है लेकिन फसल अभी खेतों में ही रखी हुई है, वहां उसके खराब होने का खतरा बढ़ गया है।

छत्तीसगढ़ के नितिन लॉरेंस साइनॉड के सदस्य बने

रायपुर/नवप्रदेश। देश के राष्ट्रीय राजधानी स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में 21 से 23 अक्टूबर तक चर्च ऑफनार्थ इंडिया की 18वीं सामान्य सभा का आयोजन हुआ। बैठक की शुरुआत मॉडरेटर की प्रार्थना से हुई, जिसके बाद आगरा क्वायर द्वारा भजन और आराधना का सत्र आयोजित किया गया। देशभर के विभिन्न प्रांतों से आए प्रतिनिधियों ने इसमें भाग लिया और चर्च की कार्यप्रणाली एवं भविष्य की दिशा पर गहन विचार-विमर्श किया।

बीएसपी के टी.ए. बिल्डिंग परिसर में वृहद स्वच्छता अभियान

भिलाई /नवप्रदेश। भिलाई इस्पात संयंत्र में जारी स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत टी.ए. बिल्डिंग परिसर में वृहद स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभाग के सभी कार्मिकों ने एकजुट होकर श्रमदान किया और परिसर को स्वच्छ, सुसज्जित एवं पर्यावरण-अनुकूल बनाने में सक्रिय योगदान दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (नगर सेवाएं एवं निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व) उत्पल दत्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वच्छता केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा होनी चाहिए। उन्होंने महाप्रबंधक (टीएसडी-जन स्वास्थ्य विभाग) के. के. यादव की जन-जागरूकता बढ़ाने में निभाई गई भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता का यह महायज्ञ तभी सफल होगा जब प्रत्येक नागरिक अपनी भागीदारी निभाए। अभियान के दौरान जन स्वास्थ्य विभाग के अपशिष्ट प्रबंधन संस्थान (एस.एल.आर.एम. सेंटर), नेवई द्वारा कचरे से निर्मित उच्च गुणवत्ता वाले ऑर्गेनिक खाद का निःशुल्क वितरण किया गया। इस पहल का उद्देश्य स्रोत स्तर पर अपशिष्ट प्रबंधन के महत्व को बढ़ावा देना तथा बागवानी प्रेमियों को पर्यावरण-अनुकूल विकल्प उपलब्ध कराना था। इस वृहद स्वच्छता अभियान की परिकल्पना एवं संचालन महाप्रबंधक (टीएसडी-जन स्वास्थ्य विभाग) के. के. यादव के मार्गदर्शन में किया गया। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत भिलाई इस्पात संयंत्र के विभिन्न विभागों और परिसरों में नियमित रूप से सफाई अभियान, कचरा पृथक्करण, वृक्षारोपण एवं जन-जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं।

राजधानी में भव्यता के साथ छठ महापर्व शुरू

महादेवघाट, व्यास तालाब, झांझ तालाब तथा नदियों में हुए प्रमुख कार्यक्रम

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी में आज छठ पर्व का शुभारंभ हो गया है, महादेवघाट खारून नदी, व्यास तालाब तथा राजधानी के झांझ तालाब सहित अन्य तालाब में नहाय खाय पर्व सूर्य को अर्घ्य देकर पारण किया जाता है। इसमें आज बड़ी संख्या में महिला एवं पुरूष शामिल हुए।

छठ महापर्व समिति से मिली जानकारी के अनुसार छठ का पर्व पूरी भव्यता एवं परंपरा के अनुसार मनाया जा रहा है। इसमें आज उत्तर भारत के अलावा अन्य क्षेत्रों के लोग शामिल हुए। आज महादेवघाट में भी अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी भागीदारी निभाई है।

26 को खरना, 27 को संध्या अर्घ्य व 28 को

उषा अर्घ्यः छठ महापर्व आयोजन समिति महादेव घाट रायपुर के अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने बताया, इस वर्ष छठ पूजा उत्सव पूरी भव्यता, परंपरा और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। शनिवार, 25 अक्टूबर को नहाय-खाय के साथ छठ महापर्व प्रारंभ होगा। जिसमें उत्तर भारतीय समाज के साथ-साथ सनातन परंपरा को मानने वाले हर समाज व पंथ के सूर्योपासक सम्मिलित होंगे। रविवार, 26 अक्टूबर को खरना होगा। सोमवार, 27 अक्टूबर को संध्या अर्घ्य और मंगलवार, 28 अक्टूबर को महादेव घाट में भगवान भास्कर को उषा अर्घ्य दिया जाएगा। समिति अध्यक्ष श्री सिंह ने कहा, हमारी मान्यता है कि छठि मैय्या विश्व की सबसे बड़ी स्वच्छता की ब्रांड एम्बेसडर हैं। छठ महापर्व प्राचीन काल से ही स्वच्छता का संदेश देता आ रहा है। इस पर्व पर श्रद्धालु सूर्यदेव को भोग लगाने शुद्ध प्रसाद तो बनाते ही हैं। वहीं समूह में जुटकर वे सड़क और तालाब के घाटों की सफाई भी करते हैं।

उन्होंने बताया कि सूर्य देव शुक्रवार, 24 अक्टूबर को तुला राशि के स्वाति नक्षत्र में प्रवेश कर चुके हैं और 6 नवंबर तक यहीं विराजमान रहेंगे। शंकराचार्य आश्रम बोरियाकला के प्रमुख आचार्य व ज्योतिषाचार्य ब्रह्मचारी डॉ. इंदुभवानंद तीर्थ महाराज ने बताया कि स्वाति नक्षत्र का स्वामी राह है, जो परिवर्तन, प्रगति व स्वतंत्रता का प्रतीक माना गया है।

इन राशियों के लिए शुभ

सिंहः सूर्यदेव इस राशि के स्वामी ग्रह हैं, इसलिए यह समय अद्भुत रहेगा। कार्यस्थल पर सम्मान बढ़ेगा, प्रमोशन या नई जिम्मेदारी मिलने के प्रबल योग हैं। नेतृत्व क्षमता निखरेगी और लंबे समय से अटके कार्य पूरे होंगे।

मिथुनः नौकरी-पेशा और व्यवसाय में शानदार प्रगति के संकेत हैं। कोई बड़ा प्रोजेक्ट या लाभकारी साझेदारी बन सकती है। विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे लोगों के लिए भी यह समय शुभ है।

धनुः भाग्य इस राशि का साथ देगा। विदेशी संपर्क या यात्रा से लाभ होगा। आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी और पुराने निवेशों से धन लाभ के संकेत हैं। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी और जीवनसाथी का सहयोग बढ़ेगा।

शराबबंदी सहित विभिन्न मांगों को लेकर ड्राइवरों का अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू

बालोद/नवप्रदेश। गुरुर ब्लॉक के पुरूर में छत्तीसगढ़ ड्राइवर संगठन के द्वारा अपनी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू कर दिया गया है। जिसके तहत बालोद और धमतरी जिले के ड्राइवर पुरूर में इकट्ठा हुए और अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया गया। इस दौरान सड़क पर गुजर रहे अन्य माल वाहक वाहनों को भी रुकवाया गया और उनके ड्राइवर को आंदोलन का समर्थन की अपील की गई। मामले की जानकारी मिलने पर आसपास के थाना प्रभारी सहित एसडीओपी और अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और ड्राइवर को समझाने का सिलसिला शुरू हुआ । ड्राइवर अपनी मांगों को लेकर मुखर थे। तहसीलदार हनुमत श्याम सहित अन्य अधिकारी समझाते रहे कि आपकी मांगों को शासन प्रशासन तक पहुंचाया जाएगा। इस पर ड्राइवर संघ के लोगों का कहना था कि जब भी बैठक होती है सरकार के साथ तो ट्रांसपोर्टर संघ के अध्यक्ष को बुलाकर बैठक की जाती है। ड्राइवर संगठन को वहां पर कभी भी बैठाया नहीं जाता है। ऐसे में पारदर्शिता नहीं रहती है। हम अपनी मांगों को लेकर आंदोलन जारी रखेंगे। प्रमुख रूप से ड्राइवर संघ शासन द्वारा तय मानदेय देने की मांग कर रहे है। ड्राइवर ने अपनी आवाज बुलंद करते हुए कहा कि हम 24 घंटे काम करते हैं। जबकि सरकार का नियम 8 घंटे का है। फिर भी हमें मात्र ?9000 वेतन मिलता है। हम चलाते भले माल वाहक वाहन ट्रक आदि है। पर घर जाते अपनी साइकिल से। 1 सितंबर को ड्राइवर दिवस घोषित कर अवकाश घोषित करने की मांग की जा रही है। साथ ही सरकार से पूर्ण शराबबंदी की मांग की जा रही है ताकि होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर लगाम लग सके। कुछ भी घटना दुर्घटना होती है तो ड्राइवर पर आरोप लगा दिया जाता है । प्रमुख रूप से तीन मांगों को लेकर ड्राइवर संगठन यह आंदोलन कर रहा है।

इसी क्रम में शनिवार को जिला बालोद एवं धमतरी ड्राईवर महासंगठन के संयुक्त रूप से ग्राम चितोद एवं ट्रांसपोर्ट नगर बालोद के पास छत्तीसगढ़ ड्राईवर महासंगठन की लंबित मांगों के समाधान हेतु आंदोलनों किया गया। इस दौरान तहसीलदार को संबंधित मांगों को लेकर ज्ञापन भी सौंपा गया। जिसमें कहा गया है कि छत्तीसगढ़ ड्राईवर महासंगठन के द्वारा लगातार अपनी मूलभूत एवं महत्वपूर्ण मांगों के समाधान हेतु सरकार को ज्ञापन प्रस्तुत किया जा रहा है। जिसमें तीन मांगे है कि छत्तीसगढ़ राज्य पर पूर्ण रूप से शराब बंदी करे। ड्राईवर आयोग का गठन किया जाए। ड्राईवर वेलफेयर बोर्ड की स्थापना की जाए। इन मांगों के संबंध में हमने क्रमशः दिनांक 21.10.2024 एवं 19.03.2025 तथा - 06.06.2025 को तीन बार सरकार को ज्ञापन सौपा है। इसके साथ ही दिनांक 06.06.2025 को हमारे द्वारा सरकार को स्पष्ट अल्टीमेटम दिया गया था कि, ÷यदि हमारी मांगों को दिनांक 01.10.2025 तक पूर्ण नहीं किया जाता है तो हम ड्राईवर भाई मिलकर दिनांक 25 अक्टूबर 2025 से स्टेयरिंग छोडों आंदोलन प्रारंभ करेंगे।÷ परंतु उक्त विषय पर सरकार द्वारा हमें न तो कोई. आश्वासन दिया गया है और न ही कोई ठोस प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है।

अतः हम मजबूर होकर यह घोषणा करते हैं कि, हम लोग दिनांक 25 अक्टूबर 2025 से जिला बालोद एवं जिला धमतरी के छत्तीसगढ़ ड्राईवर महासंगठन द्वारा अनिश्चितकालीन स्टेयरिंग छोडों आंदोलन ग्राम चितोद एवं ट्रांसपोर्ट नगर बालोद के पास प्रारंभ करेंगे जब तक कि, हमारी सभी मांगों को पूर्ण नहीं किया जाएगा।÷ इस आंदोलन से यदि आम जनता अथवा जनसुविधाओं पर कोई असर पड़ता है तो इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन एवं संबंधित विभाग की होगी। सरकार हमारे इस न्यायोचित एवं आवश्यक निवेदन पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेकर ड्राईवर समुदाय की समस्याओं का समाधान करेगी।

वक्ता मंच द्वारा वृद्धाश्रम में दीपावली मिलन

नवापारा राजिम/नवप्रदेश। प्रदेश की प्रतिष्ठित सामाजिक व साहित्यिक संस्था ÷वक्ता मंच÷ द्वारा जारी अभियान एक दीवाली -खुशियों वाली के अंतर्गत 24 अक्टूबर की रात्रि राजधानी के सुंदर नगर स्थित वृद्धाश्रम प्रशामक देख रेख गृह में दीपावली मिलन का आयोजन किया गया। आज के आयोजन के मुख्य अतिथि कर्मकार व सन्निर्माण मंडल के पूर्व अध्यक्ष सुशील सन्नी अग्रवाल थे। अध्यक्षता राजभवन के डिप्टी सेक्रेटरी युवा साहित्यकार डॉ रूपेंद्र कवि ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में छ ग राज्य निर्माण आंदोलन के संयोजक डॉ उदयभान चौहान एवं महिला नेत्री अनिता गुरुपंच उपस्थित थी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता व प्रबुद्धजनों ने उपस्थित होकर समूचे वृद्धाश्रम को दियों की रोशनी, रंगोली व झालर से आलोकित कर दिया। बुजुर्गों को घर के बने पकवान व नमकीन भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया गया। पटाखों, अनार व फुलझड़ियों की धूम के साथ सबने साझा स्नेह व अपनत्व का अनुभव किया। इस अवसर पर हिमांशु व दिव्या पटेल द्वारा बुजुर्गों हेतु रात्रि भोज का आयोजन भी संपन्न हुआ। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि दीप केवल घरों को नहीं अपितु दिलों को भी रोशन करते है। वक्ता मंच का यह आयोजन मानवता और अपनत्व का सच्चा उत्सव है। बुजुर्गों के इस आशियाने में पहुंचकर सबको सुकून और आनंद का अहसास हो रहा है तथा उनके चेहरों की मुस्कान हमारे दिलों में गर्माहट पैदा कर रही है। उपस्थित प्रबुद्धजनों ने कहा कि दीपावली अंधकार से प्रकाश की ओर बढने का पर्व है।

धान खरीदी सीजन शुरू होते ही आंदोलन की चेतावनी

सूरजपुर/नवप्रदेश। धान खरीदी सीजन की शुरुआत के साथ ही सेवा सहकारी समिति कर्मचारी संघ ने सरकार के खिलाफ बड़ा आंदोलन छेड़ने की चेतावनी दी है। संघ ने चार सूत्रीय मांगों को लेकर 3 नवंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का अल्टीमेटम दिया है और इस संबंध में सूरजपुर कलेक्टर तथा उप पंजीयक सहकारी संस्थाओं को ज्ञापन सौंपा गया है। संघ ने बताया कि शुक्रवार को प्रदेश के सभी 33 जिला मुख्यालयों में रैली निकालकर मंत्रीमंडल के नाम ज्ञापन कलेक्टरों को सौंपे गए हैं, जबकि 28 अक्टूबर को राजधानी रायपुर में प्रदेश स्तरीय महाहुंकार रैली आयोजित कर

मंत्रीगणों को ज्ञापन सौंपा जाएगा। यदि मांगें नहीं मानी गईं तो 3 से 11 नवंबर तक संभाग स्तर पर अनिश्चितकालीन आंदोलन और 12 नवंबर से राज्यभर में हड़ताल शुरू की जाएगी। संघ की प्रमुख मांगों में धान खरीदी वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 की सूखत राशि का पूर्ण भुगतान समितियों को करने, धान परिवहन के बाद पूरी सूखत राशि समिति को दिए जाने या साप्ताहिक परिवहन सुनिश्चित करने की मांग शामिल है। इसके साथ ही शून्य शार्टेज प्रोत्साहन योजना लागू करने तथा कमीशन, प्रशांगिक एवं सुरक्षा व्यय में वृद्धि की मांग भी की गई है। संघ ने मध्यप्रदेश सरकार की तर्ज पर उचित मूल्य दुकानों के विक्रेताओं को प्रतिमाह 3000 रुपये भत्ता देने, धान खरीदी अधिकारियों की लिखित जवाबदेही तय करने और आउटसोर्सिंग व्यवस्था समाप्त कर कम्प्यूटर ऑपरेटरों के नियमितिकरण की भी मांग उठाई है। सहकारिता विभाग से संबंधित मांगों में संघ ने कहा है कि प्रदेश की 2058 सहकारी समितियों में कार्यरत कर्मचारियों को वेतनमान देने के लिए प्रति समिति 3 लाख रुपये प्रबंधकीय अनुदान दिया जाए।

प्रदेश में 3.5 लाख बच्चों के आधार पर मंडराया खतरा

बिना क्यूआर कोड वाले पुराने जन्म प्रमाण पत्र मान्य नहीं

- **2018 से 2020 के बीच 6.16 लाख जन्म प्रमाण पत्र के आवेदन आए**

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण इलाकों में लाखों परिवार अपने बच्चों के आधार कार्ड अपडेट कराने के लिए दिक्कतों का सामना कर रहे हैं। वजह यह है कि अब पुराने मैनुअल जन्म प्रमाण पत्र आधार के लिए मान्य नहीं हैं। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने स्पष्ट कर दिया है कि केवल क्यूआर कोड वाले डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र ही स्वीकार किए जाएंगे। इस बदलाव के चलते करीब 3.5 लाख बच्चों के आधार कार्ड बनाने की प्रक्रिया रुक गई है।

सर्वर धीमाः राज्य में वर्ष 2018 से 2020 के बीच लगभग 6.16 लाख जन्म प्रमाण पत्र के आवेदन आए थे, जिनमें से 5.15 लाख प्रमाण पत्र जारी किए गए। इनमें से ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों के करीब 3.5 लाख प्रमाण पत्र क्यूआर कोड रहित हैं। अब इन परिवारों को पहले डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र बनवाना होगा, जिसके बाद ही आधार प्रक्रिया पूरी हो सकेगी। यह प्रक्रिया न केवल लंबी है बल्कि तकनीकी दृष्टि से भी चुनौतीपूर्ण साबित हो रही है।

क्यूआर कोड के साथ जारी जन्म प्रमाण पत्र

सांख्यिकी विभाग के अधिकारियों के अनुसार, वर्ष 2021 के बाद से सभी जन्म प्रमाण पत्र केंद्र सरकार के पोर्टल से क्यूआर कोड सहित जारी किए जा रहे हैं। इसके बावजूद कई पंचायतों में जानकारी की कमी और नेटवर्क की सुस्ती के चलते अब भी मैनुअल प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे हैं, जिससे बच्चों के आधार कार्ड बनवाने में अड़चन आ रही है।

तकनीकी नवाचार... *छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव : 25 वर्षों की गौरवशाली कृषि यात्रा'*

'आत्मनिर्भर कृषि, किसानों की मेहनत और योजनाओं का सफल संगम'

कोरबा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य अपनी स्थापना के 25 गौरवशाली वर्षों का उत्सव रजत महोत्सव के रूप में मना रहा है। इस अवसर पर हर क्षेत्र में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, ऊर्जा और ग्राम्य विकास के साथ-साथ कृषि क्षेत्र ने भी इन वर्षों में अद्भुत प्रगति की है। कृषि विभाग कोरबा की यह 25 वर्ष की यात्रा किसानों की मेहनत, सरकारी नीतियों की सफलता और आधुनिक तकनीकों के समन्वय की जीवंत कहानी है। वर्ष 2000 में जब छत्तीसगढ़ मध्यप्रदेश से अलग होकर नया राज्य बना, तब कृषि क्षेत्र पारंपरिक स्वरूप में था, लेकिन आज 2025 में यह आत्मनिर्भर और वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर आधारित क्षेत्र बन चुका है।

राज्य के गठन के बाद कोरबा जिले ने कृषि उत्पादन, क्षेत्र विस्तार, बीज और उर्वरक वितरण के साथ-साथ तकनीकी नवाचार में भी निरंतर प्रगति दर्ज की है। 25 वर्षों की यह यात्रा इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ के किसान अब केवल अन्नदाता नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता के प्रतीक बन चुके हैं। वर्ष 2000 में कोरबा जिले में खरीफ फसलों का कुल क्षेत्र 01 लाख 33 हजार 880 हेक्टेयर था, जो वर्ष 2025 में बढ़कर 01 लाख 37 हजार 066 हेक्टेयर हो गया है। इसी प्रकार रबी फसलों के अंतर्गत क्षेत्र में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2000 में कुल रबी क्षेत्र 14 हजार 780 हेक्टेयर था, जो अब 40 हजार 368 हेक्टेयर तक पहुँच चुका है। यह वृद्धि केवल आँकड़ों में नहीं, बल्कि यह इस बात का संकेत है कि जिले के किसान अब पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर फसल विविधीकरण और वैज्ञानिक खेती की ओर अग्रसर हुए हैं।

वर्ष 2000 में खरीफ के अंतर्गत अनाज का क्षेत्रफल 02 हजार 096 हेक्टेयर था, जो अब 03 हजार 664 हेक्टेयर तक पहुँच गया है। दलहन फसलों का क्षेत्र भी 04 हजार 535 हेक्टेयर से बढ़कर 07 हजार 581 हेक्टेयर हुआ है, जबकि तिलहन फसलों का क्षेत्र 06 हजार 068 हेक्टेयर से बढ़कर 09 हजार 608 हेक्टेयर हो गया है। सब्जी एवं अन्य फसलों की बात करें तो यह विस्तार सबसे उल्लेखनीय रहा है वर्ष 2000 में 02 हजार 081 हेक्टेयर क्षेत्र में सब्जियाँ बोई जाती थीं, जो अब बढ़कर 19 हजार 515 हेक्टेयर हो गई हैं। यह आँकड़े बताते हैं कि जिले के किसान अब नकदी फसलों, सब्जी उत्पादन और विविध खेती की दिशा में सशक्त रूप से आगे बढ़े हैं।

खेती में उत्पादकता बढ़ाने के लिए गुणवत्तापूर्ण बीज की उपलब्धता को कोरबा कृषि विभाग ने प्राथमिकता दी। वर्ष 2000 में खरीफ सीजन में किसानों को 2,501.25 क्विंटल बीज वितरित किए गए थे, जबकि वर्ष 2025 में यह आँकड़ा बढ़कर 39,404.34 क्विंटल हो गया है। इसी प्रकार रबी सीजन में वर्ष 2000 के 482.5 क्विंटल की तुलना में वर्ष 2025 में 01हजार 994.27 क्विंटल बीज किसानों को प्रदान किए गए हैं।

एग्रीस्टैक पोर्टल में शेष किसानों के पंजीयन के लिए जिले के समितियों में शिविर जारी

बालोद/नवप्रदेश। बालोद जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न कराने एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन कराने हेतु शेष रह गए किसानों का पंजीयन का कार्य निरंतर जारी है। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले के सभी सहकारी समितियों में शिविर का आयोजन कर शेष सभी कृषकों का एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन सुनिश्चित कराया जा रहा है। शिविर में खरीफविपणन वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के ऐसे किसान जो एकीकृत किसान पोर्टल में पंजीकृत है किंतु एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन हेतु शेष रह गए है, समिति स्तरीय शिविरो में ऐसे सभी कृषकों का एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन किया जा रहा है। इसके साथ ही ऐसे कृषक जो एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीकृत है किंतु उनका व्यक्तिगत जानकारी अप्राप्त है शिविरों में ऐसे सभी कृषकों की जानकारी एग्रीस्टेक पोर्टल में अद्यतन भी किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती मिश्रा के निर्देशानुसार बालोद जिले में राजस्व, सहकारिता एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा एग्रीस्टेक पोर्टल में पंजीयन कराने हेतु शेष रह गए शत प्रतिशत कृषकों का पंजीयन सुनिश्चित कराने हेतु मुस्तैदी से कार्य किया जा रहा है। जिससे कि जिले के सभी कृषकों को वास्तविक रकबे के आधार पर वास्तविक धान की खरीदी सुनिश्चित हो सके।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक यशवंत धोटे द्वारा, मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर तृतीय तल, सुपर मार्केट कॉम्पलेक्स, राजा रघुराज सिंह स्टेडियम के सामने अग्रसेन चौक, बिलासपुर से प्रकाशित, संपादक-चन्द्रशेखर धोटे (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी), स्थानीय संपादक-विक्रम सिंह ठाकुर, फोन नंबर : 07752-468654, RNI NO.CHHHIN/2015/62431, Gmail: navpradeshbilaspur01@gmail.com